राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 रोहित शर्मा के बाद टीम इंडिया का कप्तान कौन, चयनकर्ता पर सवाल ...

नौकरशाह आकांक्षाओं पर खरा उतरें, सरकार में लोगों का विश्वास अर्जित ... 12

वर्ष : 11 | अंक : 40 | पटना, मंगलवार, 20 जून, 2023 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 41°C

न्यूनतम तापमान 29.0°C

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	59,985
चांदी	72,560
सेंसेक्स	57,605
निफ्टी	16,996

बैठक में गैरहाजिर रहने वाले 7 बंदोबस्त पदाधिकारियों को नोटिस

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई बंदोबस्त पदाधिकारियों की बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग जमीन संबंधी समस्याओं को निपटाने को लेकर लगातार प्रयासरत है। इस दिशा में विभाग के आला अधिकारी पूरी तरह मुस्तैद हैं। लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों व कर्मियों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में सोमवार को बंदोबस्त पदाधिकारियों की मासिक बैठक से गैरहाजिर 7 बंदोबस्त पदाधिकारियों व अपर समाहताओं को कारण बताओ नोटिस दिया गया है। स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं होने पर उनके खिलाफ कार्रवाई हेतु सामान्य प्रशासन विभाग को लिखा जाएगा। विभाग द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक सोमवार की बैठक से अनुपस्थित अपर समाहताओं को विभाग के सचिव सह भू अभिलेख और परिमाप के निदेशक जय सिंह के निदेश पर भू अभिलेख और परिमाप निदेशालय कारण बताओ नोटिस दिया है। पूर्णिया, सहरसा, लखीसराय, अररिया, मधेपुरा, जमुई और मुंगेर के अपर समाहर्ता को कारण बताओ नोटिस दिया गया है। हाल ही में सामान्य प्रशासन विभाग ने कुछ अपर समाहताओं को बंदोबस्त पदाधिकारियों का अतिरिक्त प्रभार दिया है। ये वो जिले हैं जहां के बंदोबस्त पदाधिकारियों के सेवानिवृत्त होने या किसी अन्य कारण से पद खाली हो गया था। ये सभी पदाधिकारी अगले आदेश तक संबंधित

जिला के बंदोबस्त पदाधिकारी के पद का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। पत्र निकलने के बाद बंदोबस्त पदाधिकारियों की यह पहली बैठक थी और इसमें बड़ी संख्या में अपर समाहर्ता गैर हाजिर निकले जिसे सर्वे निदेशालय ने गंभीरता से लिया।

भूमि सर्वेक्षण काम समय पर पूरा करें : बैठक में कई जिलों में एलपीएम यानि लैंड पार्सल मैप नहीं निकलने की शिकायत पर गंभीरता से विचार किया गया। बैठक में अपर मुख्य सचिव ब्रजेश मेहरोत्रा ने उन 2802 मौजों की प्रगति के बारे में विस्तार से जानकारी ली जो अपेक्षाकृत छोटे गांव हैं जहां खेसरों की संख्या 2500 से कम है। इन सभी मौजों में 31 जुलाई तक प्रारूप प्रकाशन कर लेने का लक्ष्य जिलों को दिया गया है। इसके अलावा सभी जिलों में प्रपत्र-6 की इंटी, एलपीएम वितरण और सुनवाई के काम की जिलावार और मौजावार समीक्षा की गई। अपर मुख्य सचिव ने किशनगंज जिले में सुनवाई के लिए लंबित 31 मामलों और नालंदा जिले में लंबित 28 मामलों का कारण जाना और एक सप्ताह में उनका निष्पादन करने का आदेश दिया।

सभी बंदोबस्त पदाधिकारियों को लक्ष्य से पहले अपना काम पूरा कर लेने की हिदायत दी गई। इन सभी मौजों में किस्तवार और खानापुरी का काम शत प्रतिशत पूरा कर लिया गया है और आगे के चरणों का कार्य तेजी से चल रहा है। बैठक का आयोजन शास्त्रीनगर स्थित सर्वे प्रशिक्षण संस्थान के सभागार में किया गया। बैठक में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव ब्रजेश मेहरोत्रा, सचिव सह निदेशक सर्वे जय सिंह, सहायक निदेशक अनिल कुमार सिंह, एनआईसी, आईटी के तकनीकी सहयोगी और सभी जिलों के सर्वे के नोडल अधिकारी उपस्थित थे।

मांझी ने नीतीश सरकार से समर्थन लिया वापस, राज्यपाल को सौंपा पत्र

हम से. की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में कई बिंदुओं पर मंथन

● हमारे पास सारे विकल्प खुलें है, थड फ्रंट की भी संभावना : संतोष

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा ने बिहार की नीतीश सरकार से समर्थन वापस ले लिया है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के संरक्षक जीतन राम मांझी ने सोमवार को महागठबंधन सरकार से समर्थन वापस लेने के लिए राज्यपाल को पत्र सौंपा है। उन्होंने कहा कि वह अब दिल्ली जा रहे हैं और दो-तीन दिन वहीं रहेंगे। उन्होंने कहा कि इस दौरान वे बसपा, कांग्रेस और एनडीए के कई नेताओं से मिल सकते हैं। उन्होंने मायावती, राहुल गांधी और अमित शाह से मुलाकात करने के संकेत दिए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वे स्वास्थ्य कारणों से भी वहां जा रहे हैं। इससे पहले हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के अध्यक्ष संतोष मांझी ने महागठबंधन सरकार से समर्थन वापस लेने का एलान किया। उन्होंने इसके लिए सोमवार शाम को बिहार के गवर्नर से मुलाकात का समय भी मांगा था। जीतन राम मांझी की पार्टी हिंदुस्तानी

आवाम मोर्चा के महागठबंधन सरकार से अलग होने के बाद सोमवार को पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक हुई। बैठक के बाद हम के अध्यक्ष और जीतन राम मांझी के बेटे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में महागठबंधन सरकार से समर्थन वापस लेने की आधिकारिक औपचारिकता पूरी करने की बात कही।

संतोष सुमन ने गठबंधन को लेकर पार्टी नेताओं-कार्यकताओं को विश्वास दिलाते हुए कहा कि यह निर्णय उनके लिए चुनौती और परीक्षा की घड़ी है। उन्होंने कहा कि पार्टी की बेहतरी और उसे बढ़ाने और विस्तार के लिए जो भी निर्णय होगा, वह उसपर विचार करेंगे। संतोष सुमन ने कहा कि अभी फिलहाल वे दिल्ली जा रहे हैं और ऐसा नहीं है कि हम लोगों ने गठबंधन को लेकर फैसला कर लिया है। अभी हमारे विकल्प खुले हुए हैं। उन्होंने कहा कि अगर एनडीए के नेताओं की तरफ से उन्हें बुलावा आया तो उनसे भी बात करेंगे, लेकिन हम एक थर्ड फ्रंट की भी बात करेंगे। बहुत सारी अन्य पार्टियां, एनजीओ और सामाजिक विकासकर्ता हैं, उनसे भी हमारी बात होगी और इसका जो भी परिणाम होगा, वह तीन-चार दिन में आपको बता दिया जाएगा। बताते चलें कि 13 जून को जीतन राम मांझी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से अलग हो जाने की घोषणा की। इसके पहले उनके बेटे और बिहार सरकार में मंत्री संतोष कुमार सुमन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। त्कहा गया था कि सरकार से बाहर हुए लेकिन महागठबंधन से नहीं। लेकिन अगले दिन हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा ने नीतीश सरकार से समर्थन वापसी की बात कही थी। इधर पार्टी की कार्यकारिणी की बैठक के बाद संतोष मांझी ने थर्ड फ्रंट बनाने का भी दावा किया। उन्होंने कहा कि किसी दल के सार्थक तालमेल नहीं होता है तो थर्ड फ्रंट के विकल्पों पर पार्टी विचार करेगी।

बिहार के इतिहास, कला-संस्कृति व धरोहरों से रूबरू होंगे जी-20 देशों के प्रतिनिधि

पर्यटन विभाग के सचिव ने पदाधिकारियों को दिया आवश्यक निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जी-20 देशों के प्रतिनिधिगण बिहार के समृद्ध इतिहास, कला-संस्कृति व धरोहरों से बेहतर तरीके से परिचित होंगे। पर्यटन विभाग बिहार आने वाले जी-20 देशों के सभी प्रतिनिधियों को तख्त हरिमंदिर, पटना साहिब, बिहार संग्रहालय, पटना व विश्व विरासत स्थली नालंदा विश्वविद्यालय के खंडहर के साथ नालंदा संग्रहालय का परिभ्रमण कराएगा। पर्यटन विभाग के सचिव अभय कुमार सिंह ने सभी विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित कर दिशानिर्देश जारी किए है। बैठक में पर्यटन सचिव अभय कुमार सिंह ने बताया कि पर्यटन विभाग यह सुनिश्चित करेगा कि जी-20 देशों के सभी प्रतिनिधि बिहार के पर्यटन स्थलों का परिभ्रमण करते हुए राज्य की बेहतर छवि की यादें संजो कर साथ ले जाएं। पटना एयरपोर्ट की स्वागत स्थली से लेकर आवासन के लिए तय सभी होटलों और ज्ञान भवन तक बिहार पर्यटन के सभी महत्वपूर्ण स्थलों से संबंधित लेखन सामग्री सभी प्रतिनिधियों को उपलब्ध करायी जाएगी। बैठक में यह जानकारी दी गयी कि 21 जून की शाम में सभी जी-20 प्रतिनिधियों को बिहार संग्रहालय का परिभ्रमण कराया जाएगा। इसके बाद 23 जून की सुबह में सभी प्रतिनिधि बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम की बस सेवा से तख्त हरिमंदिर पटना साहिब का परिभ्रमण कराया जाएगा।

इसके अगले दिन विश्व विरासत स्थली प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय के खंडहर और नालंदा संग्रहालय का भी परिभ्रमण कराया जाएगा। सचिव महोदय के निर्देश पर निदेशक विनय कुमार राय, उप निदेशक प्रदीप गुप्ता, बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम के महाप्रबंधक अभिजीत कुमार ने सभी मान्यताप्राप्त गाइडों के साथ निदेशालय सभागार में एक बैठक कर उनको दिशानिर्देश दिए। वहीं बैठक में बताया गया कि जी-20 देशों के प्रतिनिधियों द्वारा तय सभी पर्यटन स्थलों पर पर्यटन विभाग के द्वारा मान्यताप्राप्त कुशल बहुभाषीय टूरिस्ट गाइड उपलब्ध रहेंगे। विश्व विरासत स्थली नालंदा विश्वविद्यालय के खंडहर के साथ नालंदा संग्रहालय, नालंदा, बिहार संग्रहालय, पटना व तख्त श्री हरिमंदिर जी, पटना साहिब के परिभ्रमण के मध्य सभी बसों पर दो बहुभाषीय टूरिस्ट गाइड उपलब्ध होंगे।

मणिपुर के हित की बात कब करेंगे प्रधानमंत्री मोदी : ललन

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जनता दल यूनाइटेड ने सोमवार को मणिपुर में हिंसा सहित कई मुद्दों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके मन की बात के बहाने घेरा है। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कहा कि समय निकट है और जनता सब का हिसाब लेगी। ललन सिंह ने ट्वीट में प्रधानमंत्री को संबोधित करते हुए लिखा कि आखिर आपके मन की बात में मणिपुर के हित की बात, मणिपुर और देशभर में सामाजिक सौहार्द एवं शांति की बात, युवाओं के हित की बात, महंगाई की बात, बेरोजगारों के हित की बात क्यों नहीं आती है? उन्होंने कहा कि मणिपुर भारत में ही है, वहां भी डबल इंजन वाली भाजपा सरकार है। महीनों से जो मणिपुर हिंसा की आग में जल रहा है, देश के प्रधानमंत्री के मन की बात में यह क्यों नहीं आती। समय निकट है, देश की जनता सब का हिसाब लेगी।

मणिपुर में गोलीबारी, सेना का जवान घायल

इंफाल/एजेंसी। मणिपुर के पश्चिम इंफाल में सशस्त्र हमलावरों के हमले में सेना का जवान घायल हो गया और कई घरों को जला दिया गया है। सेना के अधिकारियों ने कहा कि 18 एवं 19 जून की रात के दौरान पश्चिम इंफाल में सशस्त्र बदमाशों ने केंतों सबल से चिंगमांग गांव की तरफ गोलियां चलाई। सेना की टुकड़ियों ने क्षेत्र में ग्रामीणों की उपस्थिति को देखते हुए जवाबी कार्रवाई में गोलियां चलायी। फायरिंग में सेना का एक जवान घायल हो गया उसे सैन्य अस्पताल लीमाखोंग ले जाया गया, उसकी हालत स्थिर है। इस बीच, अज्ञात बदमाशों द्वारा इंफाल पश्चिम में पांच घरों में आग लगा दी गई। मणिपुर सरकार ने इस बीच विशेष रूप से राजधानी शहर में वॉकी-टॉकी सेट की बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। इंटरनेट पर प्रतिबंध गत तीन मई से लागू है। राजधानी में सोमवार को सुबह पांच बजे से शाम पांच बजे तक कर्फ्यू में ढील दी गई है।

वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी रवि सिन्हा रॉ प्रमुख नियुक्त किए गए

प्रात : किरण एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय पुलिस सेवा के वरिष्ठ अधिकारी रवि सिन्हा को सोमवार को भारत की खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) का नया प्रमुख नियुक्त किया गया। सिन्हा ने सामंत कुमार गोयल की जगह ली है, जिनका कार्यकाल 30 जून, 2023 को पूरा हो रहा है। छत्तीसगढ़ कैडर के 1988 बैच के भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी सिन्हा वर्तमान में मंत्रिमंडल सचिवालय में विशेष सचिव के रूप में कार्यरत हैं। कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी एक आदेश में कहा गया है कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने सिन्हा की दो साल के कार्यकाल के लिए रॉ के सचिव के रूप में नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। सिन्हा दो दशक से अधिक समय से इस प्रतिष्ठित खुफिया एजेंसी से जुड़े रहे हैं। वह अपनी पदोन्नति से पहले रॉ की अभियानगत शाखा का नेतृत्व कर रहे थे। पड़ोसी देशों के मामलों के विशेषज्ञ माने जाने वाले सिन्हा ने जम्मू-कश्मीर, पूर्वोत्तर के अलावा कई देशों में बड़े पैमाने पर काम किया है। वह ऐसे समय में रॉ की कमान संभाल रहे हैं, जब कुछ

देशों से सिख चरमपंथ को हवा देने की कोशिशें की जा रही हैं। सिन्हा के पूर्ववर्ती गोयल को जून 2019 में दो साल के लिए रॉ प्रमुख नियुक्त किया गया था। बाद में उन्हें 2021 और जून 2022 में एक-एक साल का दो बार सेवा विस्तार दिया गया था। माना जाता है कि जम्मू-कश्मीर से संबंधित मामलों के विशेषज्ञ गोयल ने पाकिस्तान के बालाकोट में फरवरी 2019 के सर्जिकल स्ट्राइक की योजना बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। सर्जिकल स्ट्राइक पुलवामा आतंकी हमले का बदला लेने के लिए की गई थी। पुलवामा हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 40 जवान शहीद हो गए थे। पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के एक आत्मघाती हमलावर ने यह हमला किया था। हमले के जवाब में, भारतीय वायु सेना ने 26 फरवरी, 2019 को बालाकोट में

ग्रीस प्रवासी नाव दुर्घटना में सैकड़ों पाकिस्तानियों की मौत

प्रात : किरण एजेंसी

कराची। ग्रीस के तट पर एक भरी हुई नाव के पलट जाने से 300 से अधिक पाकिस्तानी नागरिकों की मौत हो गई है। युद्ध, उत्पीड़न और गरीबी से परेशान ये लोग यूरोप में शरण लेने के इरादे से जा रहे थे। सीएनएन ने बताया कि पाकिस्तान की सीनेट के अध्यक्ष मुहम्मद सादिक संजरानी ने एक बयान में मृतकों की संख्या का खुलासा किया। ग्रीक अधिकारियों ने अभी तक पाकिस्तान के मरने वालों की संख्या की पुष्टि नहीं की है। गौरतलब है कि पाकिस्तान दशकों में अपने सबसे खराब आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक,

बेहतर भविष्य की तलाश में खतरनाक रास्तों से यूरोप जाने वाले पाकिस्तानियों का मामला पूरे देश में गूंज रहा है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने नाव डूबने से मरने वालों के लिए सोमवार को राष्ट्रीय शोक घोषित किया। एक ट्वीट में उन्होंने घटना की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए। शरीफ ने लिखा, मैं देश को विश्वास दिलाता हूं कि अपने कर्तव्य के प्रति लापरवाही बरतने वालों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। जांच के बाद जिम्मेदारी तय की जाएगी और कार्रवाई की जाएगी। संयुक्त राष्ट्र प्रवासन एजेंसी (आईओएम) ने कहा कि पिछले सप्ताह नाव पलटने के दौरान करीब 750 पुरुष, महिलाएं और बच्चे इसमें सवार थे। हादसे में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई। यह भूमध्य सागर में सबसे खराब त्रासदी में से एक थी। त्रासदी ने यूरोपीय संघ के शरणार्थी संकट पर एक रोशनी डाली है, इसमें हर साल हजारों प्रवासी युद्ध, उत्पीड़न, जलवायु परिवर्तन और गरीबी से पीड़ित होकर जोखिम वाले मार्गों से भागकर यूरोप जाते हैं।

बिपोरजॉय के चलते राजस्थान में ऑरेंज, येलो अलर्ट जारी

जयपुर/एजेंसी। चक्रवाती तूफान बिपोरजॉय के चलते राजस्थान के कई जिलों में सोमवार को ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया गया। बिपोरजॉय ने राज्य में मूसलाधार बारिश और तेज हवाओं से कहर बरपा रखा है। जयपुर मौसम विज्ञान केंद्र ने सोमवार को जहां टोंक, बूंदी, कोटा, बारां, झालवाड़, दौसा, सवाई माधोपुर, करौली में भारी बारिश की भविष्यवाणी की है, वहीं अजमेर, जयपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, झालावाड़ और धौलपुर के लिए ऑरेंज अलर्ट और येलो अलर्ट जारी किया गया है। पिछले 24 घंटों में राज्य के कई जिलों में 12 इंच तक बारिश दर्ज की गई, वहीं पाली, जालौर, बाड़मेर और सिरोही में बाढ़ जैसे हालात देखने को मिल रहे हैं। जयपुर मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार भरतपुर व कोटा संभाग में मंगलवार तक बिपोरजॉय का असर बना रहेगा। केंद्र के अधिकारियों ने कहा कि चक्रवात आगे कमजोर होगा, और यह ज्यादा दबाव से कम दबाव वाले क्षेत्रों में परिवर्तित हो जाएगा। चक्रवात के कारण सबसे अधिक बारिश जालौर में हुई। पिछले 36 घंटे में 18 इंच बारिश दर्ज की गई। एनडीआरएफ-एसडीआरएफ की मदद से कई लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। वहीं रेलवे ने जोधपुर से जालोर जाने वाली 11 ट्रेनों का परिचालन सोमवार तक रद्द कर दिया है। हाल ही में बने नए जिले सांचौर में भी 17 जून से लगातार भारी बारिश हो रही है। अधिकारियों ने कहा है कि नर्मदा लिफ्ट नहर और सुरवा बांध के टूटने के कारण सांचोर के बीस गांवों में बाढ़ जैसी स्थिति देखने को मिल रही है।

बिहार में टोल प्लाजा के कर्मचारी को बाउंसरों ने पीटा, मौत

पटना। बिहार के भोजपुर जिले में बाउंसरों ने टोल प्लाजा के एक कर्मचारी की पिटाई कर दी। एक अधिकारी ने सोमवार को कहा कि पीड़ित की बाद में उत्तर प्रदेश में अपने पैतृक स्थान गोंडा में मौत हो गई। अधिकारी ने कहा कि हमें उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले के मनकापुर गांव के एक टोल प्लाजा कर्मचारी की मौत के बारे में पता चला। मृतक का नाम बलवंत सिंह है। सिंह कुल्हारिया टोल प्लाजा पर तैनात था। कोईलवर पुलिस थाने के एसएचओ ने कहा, सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें कुछ बाउंसरों को कर्मचारी को टोल से पैसे चुराने का आरोप लगाते हुए पीटते हुए दिखाया गया है। हमले के बाद, सिंह गोंडा लौट आया जहां उसकी मौत हो गई। गोंडा में एक एफआईआर दर्ज की गई है और वहीं पोस्टमार्टम भी कराया गया है। हम पोस्टमार्टम रिपोर्ट और एफआईआर का इंतजार कर रहे हैं। रिपोर्ट के बाद मौत के वास्तविक कारण का विश्लेषण करेंगे।

संक्षिप्त खबरें

53वें जन्मदिन पर राहुल गांधी को बधाई देने वालों का तांता

नई दिल्ली/एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को उनके 53वें जन्मदिन पर पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे और कई अन्य लोगों ने बधाई दी। कांग्रेस के आधिकारिक ट्विटर हैंडल ने कहा, एक निडर नेता और भारत को एकजुट रखने के लिए उनकी अटूट प्रतिबद्धता के लिए। प्यार में उनके अटूट विश्वास के लिए, एक ऐसा प्यार जो क्षमा करने, विश्वास करने, आशा करने और मतभेदों को गले लगाने के लिए तैयार है। हमारे अपने मोहब्बत की दुकान के लिए जन्मदिन मुबारक हो राहुल गांधी जी। साथ ही ट्विटर पर खड़गे ने कहा, राहुल गांधी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। संवैधानिक मूल्यों के प्रति आपकी अटूट प्रतिबद्धता और विपरीत परिस्थितियों में आपका अदम्य साहस सराहनीय है। आप करुणा और सद्भाव का संदेश फैलाते हुए सच बोलना जारी रखें और लाखों भारतीयों की आवाज बनें।

औरंगाबाद में तालाब में डूबकर तीन बच्चों की मौत

औरंगाबाद। बिहार में औरंगाबाद जिले जम्हौर थाना क्षेत्र में सोमवार की सुबह तालाब में डूबकर तीन बच्चों की मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि जम्होर गांव में आज सुबह तालाब में डूबने से तीन बच्चों की मौत हो गयी। मृतकों की पहचान जम्होर गांव निवासी गोपाल यादव का के छह वर्षीय पुत्र आयुष कुमार, चार वर्षीय पुत्र पियूष कुमार तथा गोविन्द यादव का के पांच वर्षीय पुत्र तेजस्वी यादव के रूप में की गयी है। सूत्रों ने बताया कि घटना की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिये भेज दिया है।

संदिग्ध अवस्था में वृद्ध की मौत

पटना सिटी (प्राकि)। चौक थाना क्षेत्र के जजक टोली मुहल्ला में रहने वाले 60 वर्षीय सुभाष प्रसाद का शव घर के कमरे में पड़ा था। शव से दुर्गंध आने पर लोगों ने चौक थाना की पुलिस को सूचना दिया। सोमवार को पुलिस ने पहुंच कर शव का पड़ताल किया। मृतक के शव का पंचनामा कर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज भेजा है। पुलिस मामले में छानबीन कर रही है। थानाध्यक्ष गौरीशंकर गुप्ता ने बताया कि शव लगभग तीन दिन पुराना है। शव के दुर्गंध सेपड़ोसियों ने इसकी सूचना दी. प्रथम दृष्टया मृतक की मौत बीमारी से होने की संभावना है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा। फिलहाल मृतक की बेटी और दामाद पहुंच गए हैं।

चौक थाना के पूर्व थानाध्यक्ष का फेंक आईडी बना किया ठगी

पटना सिटी (प्राकि)। चौक थाना में पूर्व पदस्थापित थानाध्यक्ष मितेश कुमार का फेक आइडी बना कर तख्तश्री पटना साहिब के कर्मचारी बलराम सिंह से साइबर अपराधियों ने 25 हजार रुपए की ठगी कर ली है। पीड़ित ने बताया कि उनके मोबाइल पर चौक थाना में पूर्व पदस्थापित थानाध्यक्ष मितेश कुमार के नाम का एक मैसेज एवं कॉल आया। कॉल करने वाले व्यक्ति ने अपना नाम आशीष बताया। उसने कहा कि वह सीआरपीएफ में छपरा में पदस्थापित हैं और उसका ट्रांसफर हो गया। इस स्थिति में टीवी, फ्रिज, कुर्सी-टेबुल सहित अन्य फर्नीचर मात्र 50 हजार रुपए में बेचना चाहता है।

बैठक ब्रह्मोस मिसाइलों का सौदा फाइनल होने और डील पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद

वियतनामी रक्षा मंत्री के साथ राजनाथ सिंह ने रक्षा संबंधों पर की द्विपक्षीय बैठक

राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर शहीदों को दी पुष्पांजलि, गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया

प्रात : किरण एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की यात्रा पर सोमवार को नई दिल्ली पहुंचे वियतनाम के रक्षा मंत्री फान वान गियांग के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने द्विपक्षीय बैठक की। इससे पहले जनरल फान वान गियांग ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित करके श्रद्धांजलि दी। उन्होंने तीनों सेनाओं के गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया। इस दौरे पर वियतनाम के रक्षा मंत्री के साथ ब्रह्मोस मिसाइलों का सौदा फाइनल होने और डील पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नई दिल्ली में द्विपक्षीय बैठक से पहले अपने समकक्ष जनरल फान वान गियांग की अगवानी की।

राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद जनरल गियांग ने तीनों सेनाओं के गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया। इसके बाद जनरल फान वान गियांग के साथ उपयोगी बैठक के दौरान भारत-वियतनाम रक्षा संबंधों की पूरी श्रृंखला की समीक्षा की गई। द्विपक्षीय वार्ता में रक्षा मंत्री के साथ भारतीय सैन्य बलों के प्रमुख जनरल अनिल चौहान और रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने भी शामिल हुए। दरअसल, चीन के साथ चल रही खटपट के बीच वियतनाम भारत से ब्रह्मोस मिसाइल लेकर दक्षिण चीन सागर में तैनात करना चाहता है। इससे दक्षिण चीन सागर और उसके आसपास के इलाके में चीन का खौफ कम होगा और साथ ही वियतनाम के साथ भारत के संबंध और मजबूत होंगे। इस बीच चीन ने भारत के पड़ोसी देशों पाकिस्तान, बांग्लादेश, म्यांमार आदि को कई तरह के संवेदनशील हथियार

देकर भारत की सुरक्षा पर आंच डाली है, लेकिन अब भारत ने भी चीन के दुश्मन देशों को ब्रह्मोस देकर जैसे को तैसा वाली नीति अपना ली है। सूत्रों ने बताया कि वियतनाम से ब्रह्मोस मिसाइलों की तीन से पांच इकाइयों के बीच ऑर्डर मिलने की उम्मीद है। प्रत्येक बैटरी के साथ कई मिसाइलें शामिल हैं, जिसकी कीमत लगभग 125 मिलियन डॉलर होने का अनुमान है, इसलिए संभावित सौदा 375 मिलियन या 625 मिलियन डॉलर के बीच हो सकता है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि वियतनाम ब्रह्मोस की कितनी इकाइयों का अधिग्रहण करना चाहता है।

दक्षिण चीन सागर में ड्रैगन की बढ़ती दादागीरी के बीच भारत और वियतनाम के बीच रक्षा संबंध और ज्यादा मजबूत हो रहे हैं। फिलीपींस के बाद अब वियतनाम के साथ ब्रह्मोस मिसाइलों का सौदा फाइनल होने के करीब है।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा नेताओं ने सांसद से चापाकल के लिए लगाया गुहार

फतुहा। शहर इन दिनों पेयजल की किल्लत से जूझ रहा है। नगर में पानी की किल्लत महीनों से बरकरार है। नल-जल की योजना का बुरा हाल है जहां कई वाटर सप्लाई पंप खराब पड़े है वही पाईप लिकेज रहने के कारण घरों में पानी नहीं पहुंच रहा है। गर्मी के मौसम में पानी के लिए हाहाकार मचा है। आम जनता त्राहिमाम है। फतुहा नगर भाजपा अध्यक्ष श्याम सुंदर केशरी, भाजपा के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह, रामजी प्रसाद, राणा राजेंद्र पासवान, सुनीता पासवान, अभिषेक झा, नगर महामंत्री अनामिका अग्रवाल, अरूण कुमार झा, युवा अध्यक्ष सुजीत कुमार, नगर महामंत्री रवि प्रकाश ने सांसद रविशंकर प्रसाद से फतुहा नगर के सभी 27 वार्डो में दो-दो चापाकल सांसद निधि से देने की मांग की है। जिससें आमलोगों को पीने का पानी मिल सके।

दहेज हत्या का एक आरोपी गिरफ्तार

फतुहा। नदी थाना पुलिस ने जेठुली से दहेज हत्या के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी जेठुली निवासी अजय राय है। अजय राय पर एक वर्ष पूर्व अपनी बहु प्रियंका कुमारी का गला दबाकर हत्या कर देने का आरोप है। वह एक साल से फरार चल रहा था। इस मामले में कुछ महीने पहले ही मृतका के पति रमेश राय को गिरफ्तार कर पुलिस जेल भेज चुकी है। मृतका के परिजनों ने थाने में दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए कांड संख्या 87/22 के तहत केस दर्ज कराया था। विदित हो कि प्रियंका का शव घर के आंगन से बरामद किया गया था तथा उसके सभी ससुराली परिजन घर से गायब थे। नदी थाना एसएचओ अखिलेश सिंह ने बताया कि इस केस से सबंधित तीन अन्य को भी गिरफ्तार किया गया है।

खल्ली से मिलने देहरादून गया छात्र बरामद

पटना सिटी (प्राकि)। बहादुरपुर थाना क्षेत्र के पंचवटी कॉलोनी में किराए के मकान में रह कर छात्र पढ़ाई कर श्रहाथा। दरंभगा जिला के कुशेश्वर स्थान निवासी रंजीत कुमार का 14 वर्षीय पुत्र 14 जून से लापता है। पुलिस ने उसे बरामद कर लिया है। थानाध्यक्ष योगेश चंद्र ने बताया कि किशोर अपनी मां और भाई के साथ यहां रहता है। उसे देहरादून से बरामद किया गया है। वह घर छोड़ कर खल्ली से मिलने की चाह में देहरादून चला गया था। गायब होने की शिकायत भाई की ओर से दर्ज कराई गई थी।

एक व्यक्ति 45 हजार रुपये ठगी के शिकार हुए

दानापुर। थाना क्षेत्र अंतर्गत साइबर बदमाशों ने झांसा देकर एक व्यक्ति के खाते से दो बार में 45 हजार रुपये यूपीआइ ट्रांजेक्शन करने का मामला सामने आया है। बीबीगंज निवासी दानेपाल आलम ने स्थानीय थाना में अज्ञात साइबर बदमाशों के विरुद्ध लिखित शिकायत की है। लिखित शिकायत में बताया कि इंस्टग्राम देख रहे थे। इसी दौरान प्रॉफिट होने के लालच देकर पहने 15 हजार ऑनलाइन लगाये और दूसरे बारे 30 हजार रुपये लगाये। उन्होंने बताया कि आशंका हुई कि हम ठगी का शिकार हो गये हैं। इस संबंध में साइबर क्राइम सेल में भी लिखित शिकायत की है। थानाध्यक्ष सम्राट दीपक ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है।

10 पुड़िया गांजा के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

दानापुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गोलापर स्थित रामजानकी मंदिर के पास छापेमारी कर 10 पुड़िया गांजा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार तस्कर सुखारी साव है। प्रभारी थानाध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि गोलापर रामजानकी मंदिर के पास गांजे की बिक्री की जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस ने छापेमारी कर 10 पुड़िया गांजा के साथ सुखारी साव को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार सुखारी साव से पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेजा जायेगा।

टीवीएस मोटर ने अपने इलेक्ट्रिफिकेशन सफर को और मजबूत किया

पटना। दोपहिया और तिपहिया वाहनों की विश्व स्तर पर एक प्रतिष्ठित विनिमार्ता, टीवीएस मोटर कंपनी ने सस्टेनेबल फ्यूचर मोबिलिटी सोल्यूशन्स के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करना जारी रखा है। इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देने के भारत सरकार के दृष्टिकोण और देश में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को तेजी से अपनाने और समग्र इलेक्ट्रिक वाहन पारिस्थितिकी तंत्र के विकास को सक्षम बनाने के टीवीएस मोटर के प्रयासों के अनुरूप यह कदम उठाया गया है।

गाइनी से प्रसूति विभाग एमसीएच में हुआ शिफ्ट

पहले दिन दोपहर तक एक नार्मल व एक सिजेरियन, 8 प्रसव को भर्ती

पटना सिटी, प्रात : किरण संवाददाता

नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल का प्रसूति विभाग रोड साइड के पूरब सेंटर ऑफ एक्सीलेंस परिसर के एमसीएच भवन में शिफ्ट हो गया। यहां प्रसूति विभाग सोमवार से पूरी तरह से कम करने लगा है। दरअसल काफी पहले से मदर एंड चाइल्ड सुपर स्पेशलिटी भवन बन कर तैयार था कोरोना काल में यह भवन कोरोना संक्रमित मरीजों के लिए भर्ती किया जाता था। अब जबकि देश कोरोना फ्री हो चुका है, तब ऐसे में प्रसूति विभाग को भूतल और प्रथम मंजिल में शिफ्ट किया गया है। हालांकि इसका विधिवत उद्घाटन 21 जून को किया जाएगा, मगर इसके पूर्व ही यहां सेटअप हो चुका है। प्रसव हॉल में आठ प्रसब टेबल की व्यवस्था की गई है। इसमें फिलहाल पांच टेबल प्रसव के लिए लगाया है। बाद में तीन अन्य को जोड़ा जाएगा। भूतल पर ही स्त्री एवं प्रसूति विभाग का आउटडोर चलेगा। मरीजों को देखने के बाद काउंटर पर कैल्शियम और आयरन की गोली दी जाएगी। बाकी अन्य दवा के लिए मरीज को पुराने भवन के दवा वितरण काउंटर पर जाना होगा। प्रथम मंजिल पर सिजेरियन से होने वाले प्रसव के लिए ऑपरेशन थिएटर बनाया गया है, जबकि नॉर्मल के लिए भूतल पर व्यवस्था की गई है। शुरूआत के दिन डॉ तबस्सुम अहमद का यूनिट था। इस दौरान प्रसव के लिए पहुंची महिला में एक नॉर्मल और एक सिजेरियन दोपहर तक प्रसव हो पाया था। प्रसव के लिए पूरा दर्द होने पर आठ मरीज प्रसव के लिए भर्ती थीं।

इस दौरान मौके पर विशेष रूप से विभाग की तत्कालीन एचओडी और नालंदा मेडिकल कॉलेज की प्राचार्या डॉप्रो रेणु रोहतगी, विभागाध्यक्ष डॉक्टर प्रो उषा कुमारी, डॉप्रो ममता सिंह, डॉ दीप्ति राय, डॉ विनीता सिंह, डॉ आरती, डॉ वीणा सिन्हा, डॉ संगीता, डॉ प्रतिमा, डॉ तबस्सुम अहमद, डॉ इंदु कुमारी के अलावा अन्य चिकित्सक, पीजी, नर्सिंग स्टाफ प्रभारी अर्चना कुमारी, काजल किरण, साधना आदि मौजूद थीं। अधीक्षक डॉ राजीव रंजन और उपाधीक्षक डॉ अजय कुमार सिन्हा बताया कि स्त्री एवं प्रसूति विभाग का पुराना लेबर रूम का जीर्णोद्धार किया जाना है। यहां जगह की कमी भी हो रही थी और मदर एंड चाइल्ड स्पेशलिटी बन कर तैयार था। इसका इस्तेमाल कोरोना संक्रमित मरीज के लिए किया जा रहा था। इस कारण से लेबर रूम को यहां शिफ्ट किए जाने में परेशानी हो रही थी। फिलहाल यहां अल्ट्रासाउंड आदि की व्यवस्था है। निकू एवं अन्य जरूरी संसाधन को भी धीरे-धीरे यहां सेट करते हुए बहाल किया जाएगा।

सैदपुर नहर को पाठ रोड बनाने को जनहित याचिका करेंगे दाखिल

प्रात :किरण संवाददाता

पटना सिटी। पाटलिपुत्रा नगर विकास समिति की कोर कमेटी की बैठक हुई। इसमें सर्वसम्मति से लिए गए निर्णय के आधार पर समिति के अध्यक्ष बबलू कुमार, संगठन सचिव सुधीर कुमार और कोषाध्यक्ष मनोज कुमार ने पटना हाईकोर्ट के सीनियर एडवोकेट मो मुश्ताक आलम को उनके कार्यालय में जाकर मिला। सैदपुर के नहरनुमा नाला को पाट कर सड़क बनाने की अपनी पुरानी मांग सरकार द्वारा संज्ञान में नहीं लेने के कारण हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर किया जाएगा।

इसके लिए साल 2015 से अब तक संकलित कागजात का फाइल सौंपा गया। ज्ञातव्य है कि सैदपुर का खुला नहरनुमा नाला, जो लगभग चार किलोमीटर सैदपुर से पहाड़ी तक पांच वार्ड से होता हुआ बीच शहर से गुजरा है। पोकलेन और जेसीबी की मददसे उड़ाही के दौरान दोनों तरफ का रिटर्निंग वाल टूट चूका है। इससे आए दिन घटनाएं होती रहती हैं। वर्ष 2000 से अबतक 50 लोगों की मौत का यह नहरनुमा नाला गवाह बन चुका है। इससे इसे मौत का नाला भी कहा जाने लगा है। इस नाले के ऊपर सड़क बनने से गायघाट से सैदपुर तक की लगभग साढ़े तीन लाख की आबादी का यह लाइफ लाइन साबित होगा। साथ ही अशोक राजपथ और कंकड़बाग रोड पर जाम की समस्या से भी लोगों को राहत मिलेगी। सरकार की इस दिशा में अवहेलना को देखते हुए समिति ने हाईकोर्ट के माध्यम से इस समस्या को सरकार तक पहुंचाने का निर्णय लिया है। इसी के तहत जनहित याचिका दाखिल करने का निर्णय लिया गया है।

कोरोना में मरीज की डेथ हुई, शांति को लेकर कराया गया पूजा

प्रात : किरण संवाददाता

पटना सिटी (प्राकि)। एनएमसीएच के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस परिसर में बने एमसीएच को लंबे समय तक कोरोना मरीजों के लिए इस्तेमाल किया गया। जब ऑक्सीजन की कमी और दूसरी व तीसरी लहर में बेड मिलना मुश्किल था। तब उस वक्त अनेक मरीजों को चिकित्सक बचाने में असफल रहे। इस भवन में अनेक कोरोना संक्रमित मरीजों ने दम तोड़ा है। इस कारण से सभी थोड़ा सशंकित और आशंकित थे। मदर एंड चाइल्ड केयर हॉस्पिटल स्त्री एवं प्रसूति से संबंधित शिफ्ट हो गया है। दरअसल लगातार हुई मौतों के बाद लोग डरे हुए थे। इस कारण से यहां पूजा-पाठ कराया गया है। फिलहाल यहां एंटीनेटल चेकअप, इमरजेंसी लेबर रूम, लेबर रूम ओटी काम कर रहा है। इसके पहले डेडिकेटेड कोविड वार्ड के दौरान तब मोटरबेलिटी अधिक था। प्रसव के दौरान मरीज दर्द लेकर आती हैं। स्त्री एवं प्रसूति विभाग की सभी चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ एवं अन्य स्टाफ की सोच रही कि प्रसव के लिए दर्द में मरीज यहां आती हैं, इसलिए हर धर्म के गॉड से प्रार्थना है कि इतनी शक्ति हम सबों को दें कि हम सभी मिलकर बेहतर इलाज उन सबों का कर सकें। भले मरीज दर्द से कराहते हुए यहां पहुंचें, मगर यहां से गोद में नवजात को लेते हुए हंसते हुए लौटें। यहां श्री सत्यनारायण स्वामी की पूजा-पाठ करने के साथ ही हवन किया गया। इसमें नालंदा मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य डॉप्रो रेणु रोहतगी, विभागाध्यक्ष डॉप्रो उषा कुमारी, डॉप्रो ममता सिंह, डॉ दीप्ति राय, डॉ तबस्सुम अहमद आदि की मौजूदगी रही। पूजा व कथा की समाप्ति के बाद आरती की गई और डॉक्टर, स्टाफ के अलावा मरीजों के बीच भी प्रसाद और लड्डू का वितरण किया गया।

नेत्रहीन युगल का हुआ विवाह

प्रात : किरण संवाददाता

पटना सिटी (प्राकि)। बिहार नेत्रहीन परिषद द्वारा संचालित अंतर्ज्योति बालिका विद्यालय, कुम्हरार में नेत्रहीन युगलों का विवाह सोमवार को हुआ। विवाह समारोह सनातन धर्म के सभी रीति-रिवाज के अनुसार किया गया। कार्यक्रम में सबसे पहले परिषद के अध्यक्ष पद्मश्री डॉ आरएन सिंह ने वर-वधू को मंगल कामना एवं शुभाशीष प्रेषित किया। महासचिव विजय कुमार सिंह ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। परिषद के सचिव रमेश प्रसाद सिंह ने बताया कि विवाह समारोह हिन्दू रीति-रिवाज के विधान के अनुसार संपन्न हुआ। विवाह का आयोजन धूमधाम से सामान्य व्यक्तियों की तरह संपन्न हुआ। रमेश प्रसाद सिंह ने उन सभी लोगों का आभार जताया, जिन लोगों ने विवाह की सफलता में योगदान दिया। इनमें पटना का जैन समाज, मारवाड़ी समाज, यूएसए से डॉ सुमन प्रसाद, अनिता पुंज व नीरू, आलोक यादव, नवीन सिन्हा, निर्मल गोयल, रेणु रुंगटा, उपाध्यक्ष अनुराधा सिंह, कोषाध्यक्ष जसवंत सिंह, प्रभा लाल, नीना मोटाने, तारा झुनझुनवाला, गीता जैन, मुकेश जैन आदि मुख्य थे। इस अवसर पर गृहस्थ जीवन में आने वाली सभी सामग्री उपहार के रूप में दिया गया। इस अवसर पर पटना के कई गण्यमान्य लोग उपस्थित थे।

कांग्रेसियों ने वृद्धों को भोजन करा मनाया राहुल गांधी का जन्मदिन

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

देश के युवा नायक व युवा नेता राहुल गांधी का 53वां जन्मोत्सव वृद्ध आश्रम, गुलजारबाग के महारानी कालोनी में मनाया गया। इस दौरान यहां रहे रहे वृद्ध लोगों को भोजन कांग्रेसियों द्वारा कराया गया। कार्यक्रम का आयोजन पर पटना साहिब विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के पूर्व प्रत्याशी प्रवीण कुशवाहा ने राहुल गांधी को हृदय से बधाई और शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का नेतृत्व पूर्व प्रदेश संगठन मंत्री डॉ विनोद अवस्थी ने किया। कांग्रेसियों ने मिल कर राहुल गांधी के त्याग और संघर्ष के सत्य मार्ग पर चलने के साहस की सराहना की। युवाओं को राहुल गांधी के साथ चलना और उनकी मजबूती को आगे बढ़ाना होगा। डॉ अवस्थी ने कहा कि देश की स्थिति आज ठीक नहीं है। वे तो राहुल गांधी का बर्थडे इसलिए नहीं भूल पाता। विगत 12 वर्ष पहले हाईकोर्ट मजार पर चादर चढ़ाने के बाद हमारा मेजर एक्सीडेंट हो गया, तो कुछ माह पार्टी की गतिविधियों से दूर रहा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मनीष गौतम मिश्रा, डॉ तुषार आर्य, पीयू छात्र नेता मानसी झा, सुभाष मेहता, रामेश्वर पासवान, अमन यादव, राकेश कुमार,

फखरुद्दीन अहमद, वरुण पासवान और आदित्य कुमार उपस्थित थे। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पिछड़ा विभाग के महासचिव अशोक यादव के नेतृत्व में कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी का जन्मदिन भैंसानी टोला स्लम बस्ती में बच्चों के बीच केक काट मनाया गया। साथ ही उन सबों के बीच पाठ्य सामग्री भी वितरित की गई। इस दौरान मुख्य रूप से उमेश गुप्ता, रघु, उषा देवी, गीता देवी, मालती देवी, सुनीता देवी, सुनील राय आदि उपस्थित थे।

संतोषी माता के वार्षिकोत्सव पर पूजा व भजन संध्या

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

मां संतोषी माता मंदिर के वार्षिकोत्सव के अवसर पर चौक स्थित सनातन धर्म सभा भवन परिसर में भगवती की पूजा-आराधना हुई। इसके बाद शाम में भजन संध्या

का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त तबला वादक व दूरदर्शन के निदेशक (कार्यक्रम प्रमुख) डॉ राजकुमार नाहर ने कहा कि संतोषी माता का यह प्राचीन मंदिर है। यहां सबकी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। रही संगीत की बात, तो यह ईश्वर की प्राप्ति का सुगम मार्ग है। भजन में उनका साक्षात वास होता है। कार्यक्रम की शुरूआत दास पिया घराने से ताल्लुक रखने वाले समर्थ नाहर और बनारस घराना के आलोक चौबे के युगल भजन से हुआ। दोनों ने भक्तों पर ऐसा असर किया कि भक्त मानो माता के चरणों में लीन हो गए। भजन के बोल थे चलो बुलाबा आया है माता ने, अनिल रश्मि ने यहां वहां जहां तहां अपनी संतोषी मां, सुबोध अजनबी ने निमिया के डाढ़ मईया, स्वीटी कुमारी ने जय-जय संतोषी माता... आदि पेश किया। कार्यक्रम के पूर्व स्थानीय महिला मंडली के द्वारा भजनों की प्रस्तुति की गई। वरीय कलाकार विनोद पंडित के भजन मंडली के कलाकारों ने भी एक से बढ़ कर एक माता के भजन पेश किए। संगीत संयोजन पं. ओम प्रकाश चौबे का था। नाल पर टी. सीरीज के वादक राज किशोर पांडेय, पैड पर दूरदर्शन के कलाकार सुशील पंडित, ऑरगन पर संगीतकार ओमप्रकाश चौबे संगत कर रहे थे। कार्यक्रम के संयोजक समर्थ नाहर, मंच संचालन भूषण खत्री, जबकि धन्यवाद ज्ञापन रीता नाहर ने किया। इसके पूर्व राजकुमार नाहर ने सपत्नीक पूजन,

हवन के साथ भंडारा कराया गया। आरती के बाद लोगों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया।

जलवायु परिवर्तन व मरुस्थल के बारे में बताया

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

मरुस्थल में सिर्फ बालू ही बालू रहता है। पेड़-पौधों के नाम पर कंटीले झाड़ी पाए जाते हैं। खेती न के बराबर होती है। वहां काफी गर्मी पड़ती है, जिससे मरुस्थल में रहना कष्टदायक होता है। आज भी मरुस्थलीकरण की प्रक्रिया लगातार जारी है। मैदानी क्षेत्रों में भी सुखाड़ की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है।

मरुस्थलीकरण एवं सुखाढ़ को रोकने के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों के बारे में जनजागरुकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हर साल 17 जून को विश्व मरुस्थलीकरण एवं सुखाड़ रोकथाम दिवस मनाया जाता है। राजकीयकृत उर्दू मध्य विद्यालय, गुलजारबाग में शिक्षक एवं सामाजिक कार्यकर्ता सूर्यकांत गुप्ता के द्वारा समर कैंप में भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं के बीच जागरुकता कार्यक्रम किया गया। श्री गुप्ता ने विश्व मरुस्थलीकरण एवं सुखाड़ रोकथाम दिवस को वर्ग 7 की भूगोल की पाठ्य पुस्तक 'हमारी दुनिया' भाग - 2 के अध्याय 9 के पाठ 'मानव पर्यावरण अंतःक्रियाः थार प्रदेश में जनजीवन' से जोड़ते हुए छात्र-छात्राओं को बताया कि मरुस्थल में जीवन काफी कठिन होता है। लोगों को काफी कष्ट झेलने पड़ते हैं। फिर भी मानव द्वारा की जाने वाली पेड़ों की अंधाधुंध कटाई, जल की बबार्दी जैसी अनेक गलत गतिविधियों के कारण हुई जलवायु परिवर्तन से लगातार मरुस्थलीकरण में इजाफा हो रहा है। इसकी रोकथाम के लिए हमसबों को पौधारोपण करनी चाहिए। जल की बचत, वर्षा जल का संचयन आदि से मरुस्थलीकरण व सुखाड़ से बचा जा सकता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में सबा आफरीन, सायना परवीन एवं प्रथम संस्था की सदस्या कंचन कुमारी की भूमिका सराहनीय रही।

सिख एजूकेशन अवार्ड व करियर काउंसलिंग में शिक्षक व बच्चे सम्मानित

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

केन्द्रीय सिंह सभा मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ की ओर से सिख एजुकेशन अवार्ड व करियर काउंसलिंग में दसवीं से 12वीं तक के 900 बच्चों और 550 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। आयोजित सम्मान समारोह में शिरोमणी गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी, धर्म प्रचार के चेयरमैन राजिन्दर सिंह मेहता और तख्तश्री पटना साहिब के प्रवक्ता सुदीप सिंह ने आयोजित समारोह में सम्मानित किया। संस्था के मुखी हरपाल सिंह और मोनू भाटिया ने बच्चों का मागदर्शन किया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि हर बच्चे के अंदर हूनर होता है, उसे बाहर लाना होगा। कार्यक्रम का संचालन सुरजीत सिंह टुटेजा और अतिथियों का स्वागत हरपाल सिंह भाटिया ने किया। आयोजन में गुरप्रीत सिंह भाटिया को श्रद्धांजलि देते हुए वक्ताओं ने कहा कि पिता से जो शिक्षा उसे मिली, उस पर चलते हुए ही समाज की सेवा करने का प्रयास किया है।

स्कॉर्पियो लूट कांड में तीन गिरफ्तार

दानापुर नगर के रूपसपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत पुलिस ने स्कॉर्पियो लूट कांड में तीन आरोपियों को रविवार को सहरसा से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार बब्लू कुमार हरीयागाडी सदर थाना, लड्डू उर्फ विष्णुदेव महतो व अफरोज राइन रूपनगरा थाना सदर सहरसा जिले का निवासी है। थानाध्यक्ष अवधेश कुमार ने बताया कि पिछले 9 फरवरी 19 को रूपसपुर थाने के पंचवटी नगर आइएएस कॉलोनी से भागलपुर कहलगांव निवासी रवि कुमार को आधा दर्जन अपराधियों ने स्कॉर्पियो लूट लिया था। इसी मामले में रवि ने स्थानीय थाना में आधा दर्जन अज्ञात अपराधियों के विरुद्ध मामला दर्ज कराया गया था। इसी मामले में पुलिस ने रविवार को गुप्त सूचना के आधार पर सहरसा जिले के सदर थाने के हरीयागाछी व रूपनगरा गांव में छापेमारी कर बब्लू कुमार, लड्डू उर्फ विष्णुदेव व अफरोज राइन को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार बब्लू, लड्डू व अफरोज से पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

हिमगिरी एक्सप्रेस से दो रेलयात्री की सामान की हुई चोरी का प्राथमिकी दर्ज

झाझा। दो अलग अलग रेलयात्रियों के द्वारा चलती गाड़ी से सामान की चोरी हो जाने पर झाझा रेलथाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। हावड़ा के रहने वाले लोवी सिंह ने दर्ज आवेदन में बताया कि हिमगिरी एक्स्प्रेस के कोच संख्या ए1 के बर्थ संख्या में 15 में सफर कर रहा था इसी दौरान एक काला रंग का लेडिज बैग जिसमें एक सोने का सेट, मंगलसूत्र, पांच सोने का रिंग, सोना का कान का टॉप्स, आधार कार्ड, पेन कार्ड, सहित अन्य कागजात रखा हुआ था अज्ञात चोरो के द्वारा चोरी कर लिया गया। वही दूसरी ओर प्रकाश कुमार साकिन पटना खगौल के रहने वाले भी प्राथमिकी दर्ज कराते हुये उक्त गाड़ी से मोबाइल चोरी हो जाने की बात दर्ज आवेदन में बताया है।

शुरू हुआ गुप्त नवरात्र, रथयात्रा आज

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

आषाढ़ माह में गुप्त नवरात्रि में शक्तिपीठ व भगवती मंदिरों से घरों में धार्मिक अनुष्ठान हुआ। शक्तिपीठ बड़ी पटनदेवी मंदिर में महंत विजय शंकर गिरि, सिद्धपीठ छोटी पटनदेवी में भी पीठाचार्य अनंत अभिषेक द्विवेदी व आचार्य विवेक द्विवेदी की देखरेख व अगमकुआं शीतला माता मंदिर में मनोज श्रीमाली उर्फ छोटू बाबा, जयप्रकाश पुजारी व अमरनाथ बबलू की देखरेख में धार्मिक आयोजन हुआ।

भगवती का श्रृंगार पूजन किया गया। पंडित संतोष पांडे शास्त्री ने बताया कि साल में चावल नवरात्र होते हैं आषाढ़ मास का गुप्त सोमवार को पहली पूजा के साथ शुरू हुआ इस गुप्त नवरात्रि के किए जाने से अनूप मनोकामनाएं पूरी होती है हालांकि इसे कम संख्या में लोगों के द्वारा मनाया जाता है मगर यह काफी सिद्धि प्रदान करने वाला है। दूसरी ओर भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा मंगलवार को निकाली जाएगी। गोपीनाथ जी की गली स्थित 128 वर्ष पुरानी जगन्नाथ मंदिर के पुजारी आचार्य पंडित रामानंद पांडेय ने बताया कि मंदिर से रथयात्रा निकलेगी। जहां भगवान 13 दिनों के प्रवास के बाद गुरु पूर्णिमा के दिन तीन जुलाई को वापस लौटेंगे। दीवान मुहल्ला के नौजर घाट स्थित 213 वर्ष प्राचीन जगन्नाथ बाड़ी स्थित जगन्नाथ मंदिर में पुजारी आचार्य विष्णुकांत झा, महाराजा कुंवर रूप नारायण सिंह ट्रस्ट के उपाध्यक्ष कमल नयन श्रीवास्तव और सचिव संजय कुमार सिन्हा ने बताया कि रथयात्रा व रथ वापसी के दिन मंदिर में अचल उत्सव पर धार्मिक अनुष्ठान किया जाएगा। आयोजन में मंदिर में भगवान की पूजा और प्रसाद वितरण होगा।

खेत में मुंग तोड़ने के दौरान लू लगने से एक युवती की मौत

प्रात :किरण संवाददाता

सिकंदरा। थाना क्षेत्र के मंजोष गांव स्थित महादलित टोला में लू लगने से एक युवती की मौत हो गयी। जानकारी के मुताबिक मंजोष महादलित टोला निवासी माहो मांझी की 18 वर्षीय पुत्री ललिता कुमारी शनिवार को मूंग तोड़ने खेत गयी हुई थी। इसी दौरान उसकी तबियत बिगड़ गयी। जिसके बाद उसे गांव में ही ग्रामीण चिकित्सक से दिखाया गया। लेकिन तबियत में कोई सुधार नहीं हो पाया। जिसके बाद उसे इलाज के लिए जमुई ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान रविवार की अहले सुबह उसकी मौत हो गयी। विदित हो कि पिछले कुछ दिनों से जिले में भीषण गर्मी पड़ रही है। जिले में हीट वेव को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। लोगों को 10:00 बजे से 4:00 बजे तक घरों से बाहर नहीं निकलने की चेतावनी मौसम विभाग के द्वारा जारी की गई है। शनिवार को मूंग तोड़ने खेत गयी युवती इसी हिट वेव के चपेट में आ गयी। लू लगने के बाद अचानक उसकी तबियत बिगड़ गयी। शुरूआत में उसे स्थानीय स्तर पर ही ग्रामीण चिकित्सक से दिखाया गया। लेकिन हालात बिगड़ने के बाद उसे जमुई स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसकी मौत हो गयी।

बिहार में शिक्षा, स्वास्थ्य सहित हर क्षेत्र में हो रहा विकास का काम:श्रवण

सामाजिक न्याय, किसान व मजूदर सम्मेलन को ग्रामीण विकास मंत्री ने किया संबोधित

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

ग्रमीण विकास मंत्री सह उत्तर प्रदेश के जदयू प्रभारी श्रवण कुमार ने कहा है कि बिहार में शिक्षा का क्षेत्र हो या स्वास्थ्य अथवा ग्रामीण विकास का हर मामले में उल्लेखनीय कार्य किये जा रहे हैं तथा जनता को इसका सीधा लाभ मिल रहा है। समाज के सबसे नीचे पायदान पर बैठे लोगों के विकास के लिए उन्हें शिक्षा से जोड़ा जा रहा है। उन्हें हर संभव स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है तथा गांव-गांव एवं टोले-टोले में आवागमन हेतु सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। पेयजल की समस्या के समाधान हेतु राज्य में हर घर-नल का जल योजना की शुरूआत की गयी है जिससे शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो रहा है। मंत्री उक्त बातें सोमवार को सहकारिता भवन सभागार लखनऊ में आयोजित सामाजिक न्याय, किसान, कारीगर, मजूदर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। यह सम्मेलन सामाजिक न्याय परिषद एवं आईडीए गठबंधन के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया था। इस सम्मेलन का आयोजन समाज के पिछड़े, महिला, दबे, कुचले, एवं शोषितों के अधिकार एवं उन्हें हक से परिचित कराने तथा उन्हें अधिकार सम्पन्न बनाने के उद्देश्य से किया गया था। सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्रवण कुमार ने कहा कि बिहार की सरकार इस वर्ग के लोगों के विकास एवं उत्थान के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। सरकार ने इस दिशा में कई उल्लेखनीय कार्य किये हैं। सरकार अपनी योजनाओं का कार्यान्वयन इनके विकास को ध्यान में रखते हुए करती है। शराबबंदी की चर्चा करते हुए मंत्री ने कहा कि शराबबंदी से राज्य में जबरदस्त बदलाव आया है। सामाजिक स्तर पर महिलाओं की सम्मान में वृद्धि हुई है। जो महिला पहले पीड़ित एवं प्रताड़ित होती थी अब वे अपने पैरों पर खड़े होकर देश में महिला सशक्तिकरण का संदेश फैला रही है। बिहार में जीविका दीदियों ने उल्लेखनीय कार्य किया है। जीविका दीदियां ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को स्वावलंबी बनाती है तथा उन्हें अपने पैरों पर खड़ा होना सिखाती है। सम्मेलन में असम के सांसद नवा कुमार सरेनिया, साहेब सिंह धनगर, राष्ट्रीय संयोजक, सामाजिक न्यास परिषद, रामवक्ख सिंह वर्मा, पूर्व सांसद, वृजलाल खाबरी, पूर्व सांसद, डॉ सुरेश माने, राष्ट्रीय अध्यक्ष, बहुजन रिपब्लिक सोसलिस्ट पार्टी डॉ अनीश अंसारी, भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व पदाधिकारी, मेजर अमर सिंह चैहान, राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय जनवादी पार्टी, अवधेश सिंह, राष्ट्रीय अध्यक्ष, इंसाफ पार्टी एवं अन्य कई गणमान्य लोग उपस्थित थे ।

प्रदेश मुख्यालय में धूमधाम से मना राहुल गांधी का 53वां जन्मदिन

- प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में बिहार कांग्रेस ने मनाया जन्मदिन
- युवाओं और मजलूमों के नेता हैं राहुल गांधी: अखिलेश

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के मुख्यालय सदाकत आश्रम में सोमवार को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का 53वां जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया।

प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने इस मौके पर केक काटकर सभी उपस्थित कांग्रेसजन सहित छोटे बच्चों को खिलाया। इस मौके पर छोटे बच्चों को पाठ्य पुस्तक एवं मिठाई वितरित किया गया। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि हमारे नेता देश के भविष्य हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि हमारे पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी महिलाओं, युवाओं और मजलूमों के हक की आवाज बनकर हमेशा देशहित में संघर्षरत रहते हैं। देश की एकता और अखंडता की रक्षा करने के लिए वें 4000 किमी की पैदल यात्रा कर देश को एकसूत्र में पिरोने का काम उन्होंने किया है। राहुल गांधी को युवाओं का प्रेरणास्त्रोत बताते हुए उन्होंने कहा कि उनके जन्मदिन पर पाठ्य पुस्तक का वितरण कर सशक्त भारत के लिए हम कांग्रेसजन अपना सहयोग देते रहेंगे। जन्मदिन के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में पूर्व राज्यपाल निखिल कुमार, विधायक दल के नेता डॉ. शकील अहमद खान, पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. मदन मोहन झा, पूर्व मंत्री कृपानाथ पाठक, अवधेश कुमार सिंह, विधान पार्षद प्रेमचंद्र मिश्र, डॉ समीर कुमार सिंह, मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़, विधायक आनंद शंकर, पूर्व विधायक डॉ अशोक कुमार, नरेन्द्र कुमार, बंटी चौधरी, निर्मल वर्मा, ब्रजेश पाण्डेय, ब्रजेश प्रसाद मूनन, आनंद माधव, असित नाथ तिवारी, लाल बाबू लाल, ज्ञान रंजन, आलोक हर्ष, डॉ. अजय कुमार सिंह, कपिल देव यादव, अजय चौधरी, रामायण प्रसाद यादव, राजेश कुमार सिन्हा, सौरव सिन्हा, डॉ. स्नेहाशीष वर्धन पांडेय, मनोज कुमार सिंह, चंद्रप्रकाश सिंह, कमल देव नारायण शुक्ला, गुंजन पटेल शशिकांत तिवारी, मनजीत आनंद साहू दुर्गा गुप्ता, दशरथ प्रसाद केशरी, गरीब दास, प्रदुमन कुमार, अनुराग चंदन, राजनंदन कुमार, रीता सिंह, मृणाल अनामय, सत्येन्द्र कुमार, उदय शंकर पटेल, शशी रंजन, सुनील कुमार सिंह, अशफर अहमद, रूमा सिंह, निधि पांडे, संतोष श्रीवास्तव, वशी अख्तर, राहुल पासवान, खुशबु कुमारी सहित सैंकड़ों की संख्या में कांग्रेसजन और छोटे बच्चें शामिल रहें।

मौलाना मजहरूल हक के पोते के निधन पर कांग्रेस ने जताया शोक

पटना। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रथम अध्यक्ष एवं महान स्वतंत्रता सेनानी स्व. मौलाना मजहरूल हक के पोते अब्दुल्ला हुसैन के निधन पर बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने अपने शोक संदेश में कहा कि अब्दुल्ला हुसैन के इंतकाल कि खबर से व्यक्तिगत तौर पर दुःखी हूं क्योंकि उस परिवार से कांग्रेस का भावनात्मक लगाव रहा है। सामाजिक जीवन में उनका योगदान हमेशा याद रखा जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष ने ईश्वर से प्रार्थना की है कि वे उन्हें जन्नत अता करें और उनके परिवार वालों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की ताकत दें। प्रदेश अध्यक्ष के अलावे विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के नेता डॉ शकील अहमद खान, विधानपरिषद में दल के नेता डॉ मदन मोहन झा, पूर्व राज्यपाल निखिल कुमार, विधान पार्षद प्रेमचंद मिश्र, प्रदेश मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़, कपिलदेव यादव, रामायण यादव, पूर्व विधायक बंटी चौधरी, पूर्व विधान पार्षद लालबाबू लाल, प्रवक्ता असित नाथ तिवारी, ज्ञान रंजन सहित सभी कांग्रेस नेताओं ने शोक जताया।

2024 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में फिर से बनेगी सरकार:सम्राट

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता कुंतल कृष्ण, रोहतास जिला परिषद के पूर्व अध्यक्ष शीला सिंह कुशवाहा, गया जिला परिषद सदस्य व राजद नेता कौशल वर्मा सहित सैकड़ों लोगों ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने आने वाले लोगों को सदस्यता ग्रहण करवाई और स्वागत किया। उन्होंने भाजपा में आए लोगों का पार्टी में स्वागत करते हुए कहा कि आप लोगों के सहयोग से भाजपा दिन प्रतिदिन मजबूत हो रही है और 2024 में बिहार की जनता महागठबंधन को साफ कर देगी और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में फिर से सरकार बनेगी। श्री चौधरी ने कहा कि जिस तरह रविवार को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने मंत्रिमंडल विस्तार होने की सूचना दी, उससे साफ है कि मुख्यमंत्री का महागठबंधन में अब कुछ नहीं चल रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार में लोकतंत्र समाप्त हो गया है। बिहार में लोकतंत्र स्थापित हो। बिहार में जो समाजवाद की धारा थी उसे आगे बढ़ाने का काम करे।

श्री चौधरी ने कहा कि आपातकाल के दौरान कांग्रेस ने समाजवादियों पर लाठियां चलाईं आज वही नेता कांग्रेस की गोद में खेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि 74 आंदोलन के नेता जो समाजवादी आंदोलन का प्रतीक माने जाते हैं, वे आज कांग्रेस की गोद में खेल रहे। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए आए साथियों के आने से भाजपा और मजबूत होगी और 2024 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में सरकार बनेगी और 2025 में बिहार में भी कई लोगों को मुख्यमंत्री बनाने वाली भाजपा की सरकार बनेगी और भाजपा का कार्यकर्ता ही मुख्यमंत्री बनेगा। उन्होंने कहा कि जदयू 2024 में हाफ होगा और 2025 में राजनीतिक तौर पर साफ हो जाएगा।

कांग्रेस के कुंतल कृष्ण, शीला सिंह सहित सैकड़ों ने थामा भाजपा का दामन

भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने वालों में कुंतल कृष्ण, शीला सिंह कुशवाहा, कौशल वर्मा, अमित कुमार सिंह बेगूसराय, अमरेंद्र कुमार मोतिहारी, प्रसून कुमार उर्फ टिंकू पटना, मधु दांगी सोनपुर, सुनील कुमार वर्मा पटना सहित सैकड़ों लोग शामिल रहे। मिलन समारोह में मुख्य रूप से भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी डॉक्टर संजय मयूख प्रदेश मुख्यालय प्रभारी सुरेश रुंगटा प्रदेश मीडिया प्रभारी राकेश कुमार सिंह अशोक भट्ट भाजपा के प्रदेश कार्यालय मंत्री सतपाल नरोत्तम भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अजीत चौधरी गया जिला भाजपा के अध्यक्ष प्रेम प्रकाश चिंटू आदि उपस्थित थे।

समान नागरिक संहिता मंजूर नहीं: माले

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

भाकपा-माले राज्य सचिव कुणाल ने कहा है कि सामाजिक और कानूनी सुधार के एजेंडे को चुनावी गुणा-गणित के हिसाब से अलग करना चाहिए। भाजपा ने एक बार फिर इस राग को छेड़ा है और इसके जरिए वह वोटों का ध्रुवीकरण करना चाहती है। उन्होंने आगे कहा कि भारत विविध संस्कृतियों और रीति-रिवाजों का देश है। ऐसे में देश की विविधता को खत्म करने और समान नागरिक संहिता के नाम पर एकरूपता थोपने का कोई भी प्रयास प्रतिकूल साबित हो सकता है। यह पर्सनल लॉ में प्रगतिशील महिला-समर्थक बदलावों को सुविधाजनक बनाने की बजाए उलटे बाधित कर सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा ने आज पूरे देश को हिंसा व उन्माद की आग में झोंक दिया है। मणिपुर जल रहा है। उत्तराखंड में आग लगी हुई है। और अब समान नागरिक संहिता के नाम पर आग लगाकर भाजपा नया चुनावी स्टंट करना चाह रही है। यह हमें स्वीकार नहीं है।

देश में सम्प्रदायिक तनाव पैदा करना चाहती है भाजपा : उमेश

पटना। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि चुनाव जीतने के लिए भाजपा देश में सम्प्रदायिक तनाव पैदा करना चाहती है। कहा कि महंगाई और बेरोजगारी से जनता का ध्यान भटकाने के लिए केंद्र की भाजपा सरकार अब समान नागरिक संहिता का शिगूफा छोड़ रही है। लोकसभा चुनाव नजदीक है और भाजपा को यह एहसास हो चुका है कि देश की जनता इस बार दुबारा उन्हें सत्ता में बैठने का मौका नहीं देगी लिहाजा भाजपा वाले अब जनता को भ्रमित करने के लिए तरह तरह के हतकंडे अपना रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि धार्मिक तुष्टीकरण के लिए सम्प्रदायिक मुद्दों को हवा देना भाजपा का पारंपरिक राजनीतिक संस्कार बन चुका है। 9 सालों से केंद्र में भाजपा की सरकार है मगर इतने दिनों में इनलोगों को एक भी बार समान नागरिक संहिता की याद नहीं आई परन्तु कर्नाटक चुनाव में मिली करारी शिकस्त से भाजपा वाले बौखलाहट में है नतीजन ये लोग धार्मिक मुद्दों के उछालकर देश में सम्प्रदायिक तनाव पैदा करने की कोशिश में जुटे हुए हैं। आगे उन्होंने कहा कि भाजपा की गंदी राजनीति जनता के सामने बेनकाब हो चुका है। देश की होशियार जनता इनके गलत मंसूबो को अब सफल नहीं होने देगी। कमदतोड़ महंगाई से देश का गरीब भूखे पेट सोने पर मजबूर है, रिकॉर्डतोड़ बेरोजगारी से देश का युवा दर-दर की ठोकरें खा रहा है लेकिन सरकार इन तमाम गम्भीर विषयों पर विचार करने के बजाए वोटों की राजनीति के लिए धार्मिक मुद्दों को तूल दे रही है। भाजपा दुनिया की इकलौती सबसे बेशर्म राजनीतिक दल है जो धर्म के नाम पर सत्ता हासिल करती है। प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि सत्ता के नशे में भाजपा सरकार संवेदनहीन हो चुकी है। चुनाव जीतना ही इनका अंतिम और एकमात्र मकसद है। जनता किन परेशानियों से जूझ रही है, इस बात से भाजपा वालो का कोई वास्ता नहीं है। आज महंगाई-बेरोजगारी सभी जाति और धर्म के परेशानी की सबब बनी हुई है इसलिए देश की जनता ने तय किया है कि इस बार जनविरोधी भाजपा को केंद्र की सत्ता से उखाड़ फेंकना है।

नीतीश कुमार की कोशिशों के चलते एकजुट हो रहा विपक्ष : जदयू

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने आगामी 23 जून को पटना में आयोजित विपक्षी दलों की बैठक के पहले बड़ा बयान दिया है। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी की कोशिशों के चलते देश में विपक्षी एकता की कवायद तेज हो गई है और जल्द ही केंद्र की बीजेपी सरकार के खिलाफ एक साझा और मजबूत विपक्ष कड़ी चुनौती पेश करेगा। जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने कहा कि मुख्यमंत्री की पहल के बाद देश के तमाम विपक्षी नेताओं ने सकारात्मक कदम उठाया है और एकजुट होने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का तमिलनाडु दौरा भी इसी कड़ी का उदाहरण है। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री का वहां के मुख्यमंत्री स्टालिन के निमंत्रण पर तमिलनाडु जाना और एक बड़े सरकारी कार्यक्रम में हिस्सा लेना उनकी देश भर में स्वीकार्यता को दिखाता है। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि मजबूत होती विपक्षी एकता को देख बीजेपी घबरा गई है और अनाप शनाप बयान दे रही है। राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने कहा कि केंद्र की बीजेपी सरकार के नौ साल पूरे हो गए हैं लेकिन उपलब्धि गिनाने को लेकर उनके पास कुछ भी नहीं है। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार की विफलताओं से लोगों का ध्यान हटाने के मकसद से बीजेपी घबराहट में उल्टा पुल्टा बयान दे रही है। जदयू प्रवक्ता ने कहा कि पूरा देश आज विपक्षी एकता के तौर पर एक मजबूत विकल्प तलाश रहा है। उन्होंने कहा कि इस बैठक में कई पार्टियों के नेता बैठक में शामिल होंगे और बीजेपी के खिलाफ निर्णायक बिगुल फूकेंगे।

हम राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक संपन्न, मांझी फैसले लेने को अधिकृत

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ संतोष कुमार सुमन की अध्यक्षता में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक हुई। बैठक के बाद प्रेस वार्ता में संतोष सुमन ने बताया कि बैठक में पार्टी के संस्थापक संरक्षक पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी को फैसला लेने के लिए अधिकृत किया गया है। वह जो फैसला लेंगे पार्टी को लोगों को मंजूर होगा। श्री सुमन ने बताया कि जल्द ही हमलोग दिल्ली जानेवाले हैं। भाजपा नेताओं से मुलाकात से जुड़े सवाल पर कहा कि हमलोग के सामने अभी सारे विकल्प खुले हैं। उन्होंने कहा कि हमलोगों ने सरकार से समर्थन वापस लेने को लेकर राज्यपाल से मिलेंगे। बैठक में मंच संचालन पार्टी के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव राजेश पांडे के द्वारा किया गया। राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में पार्टी के संस्थापक संरक्षक पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी, जेपी वर्मा, जेपी वर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रमेश सिंह, डॉ वीरेंद्र कुमार सिंह, डॉ मार्कंडेय प्रसाद, राष्ट्रीय प्रधान महासचिव राजेश पांडेय, डॉक्टर अनिल कुमार राष्ट्रीय महासचिव (विधायक), इंजीनियर देवेंद्र मांझी, उमाकांत चौधरी, ज्योति देवी मांझी महासचिव सह राष्ट्रीय महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष (विधायक), प्रफुल्ल मांझी प्रदेश अध्यक्ष सिकंदरा विधायक (विधायक), भागवत लाल वैश्यंत्री, दिलीप यादव, शंकर मांझी, रितेश कुमार उर्फ चुन्नू शर्मा, इंजीनियर नंदलाल मांझी, अमरेंद्र शर्मा शर्मा पंपी शर्मा, जेपी वर्मा राजेश्वर मांझी, कपिल देव मांझी, धर्मेंद्र भुईयां, रामचरित्र सदा, सुनील चौबे, कमलेश सिंह, महेंद्र मांझी, नीलेश सिंह, राजेंद्र यादव, अमरेंद्र कुमार त्रिपाठी, रघुवीर मोची, प्रफुल्ल चंद्र, गीता पासवान, सुनीता अशोक, श्यामसुंदर शरण रंजीत कुमार उर्फ.रंजीत चंद्रवंशी, बिंदेश्वर कुमार, राजन सिद्दीकी, रंजन सिंह, धर्मेंद्र कुमार उर्फ धर्म सिंह, विजय यादव, रविंद्र शास्त्री, नीतीश दांगी, राज गौतम, डॉ शशि कुमार, कौशलेंद्र कुमार, रोहित सिंह, पूजा सिंह, इंद्रजीत गोस्वामी, अजय राय, आरके दत्ता, कमाल परवेज, राधेश्याम प्रसाद, वरुणेश विजय आदि हम राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य बैठक में मौजूद थे।

एल-20 के शिखर सम्मेलन में होगी सामाजिक सुरक्षा पर चर्चा

मुख्य समन्वयक ने की तैयारी की समीक्षा बैठक

पटना। आगामी 21 से 23 जून तक पटना में प्रस्तावित एल-20 के शिखर सम्मेलन में सभी के लिए सामाजिक सुरक्षा तथा महिला और रोजगार विषय पर चर्चा होगी। इस सम्मेलन में 28 देशों के केंद्रीय श्रम संगठनों के प्रतिनिधि एवं श्रम क्षेत्र के विशेषज्ञ भाग लेंगे, जिसका उदघाटन बिहार के राज्यपाल द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया जायेगा। उक्त बातें भारतीय मजदूर संघ के अखिल भारतीय संगठन मंत्री सह एल-20 के मुख्य समंवयक बी. सुरेंद्रन ने कही। स्थानीय एक्जीबिशन रोड अवस्थित एक होटल में एल-20 बैठक की तैयारी की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य समंवयक श्री सुरेंद्रन ने बताया कि बिहार की धरती पर आने वाले देशी-विदेशी प्रतिनिधियों का स्वागत बीएमएस एवं इसकी अनुषांगिक इकाई करेगी। पटना एयरपोर्ट, ज्ञान भवन एवं पटना साहिब गुरुद्वारा प्रांगण में स्थानीय कार्यकताओं द्वारा देशी-विदेशी प्रतिनिधियों का स्वागत किया जायेगा। 24 जून को प्रतिनिधियों का समूह नालंदा का दर्शन-परिदर्शन करेगा और वहाँ के स्थानीय कार्यकर्ता समूह का स्वागत करेंगे। श्री सुरेंद्रन ने बताया कि भारतीय मजदूर संघ के लिए यह सुनहरा अवसर है कि एल-20 की मेजबानी बीएमएस को दी गयी है। बीएमएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिरण्मय पंड्या एल-20 के अध्यक्ष हैं। बिहार की धरती पर आयोजित होने वाले इस शिखर सम्मेलन को यादगार बनाने का संकल्प दुहराया गया। समीक्षा बैठक में भारतीय मजदूर संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुखमिंदर सिंह डिक्की, संगठन मंत्री पवन कुमार, धर्मदास शुक्ला व ब्रजेश कुमार, प्रांतीय महामंत्री संजय कुमार सिन्हा, वित्त प्रभारी मनीष कुमार, प्रांतीय मंत्री अशोक कुमार, मुरारी प्रसाद व रामबाबू सिंह, प्रांतीय उपाध्यक्ष राकेश चौधरी, प्रांतीय मीडिया प्रभारी मुकेश कुमार सिन्हा के अलावा यश शर्मा, नीरज वर्मा, राजू कुमार आदि उपस्थित थे। समीक्षा बैठक की अध्यक्षता प्रांतीय अध्यक्ष राजेश कुमार लाल ने की।

दवा दुकान में लगी आग, लाखों का नुकसान

पटना। राजधानी सहित पूरे प्रदेश में प्रचंड गर्मी का कहर जारी है। भीषण गर्मी से अगलगी की घटना में भी इजाफा हो गया है। ताजा मामला पटना का है। जहां शॉर्ट सर्किट से भीषण अगलगी की घटना सामने आई है। बताया जा रहा कि इस घटान में लाखों का नुकसान हुआ है। दरअसल, यह मामला पटना के पीरबहोर थाना क्षेत्र के अंतर्गत दवा के सबसे बड़ी मंडी गोविंद मित्रा रोड स्थित कमल फॉर्मा की है। जहां शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई है। बताया जा रहा है कि पहले धुआं उठा और उसके बाद पूरे बिल्डिंग को अपने चपेट में ले लिया। वहीं, मौके पर तीन दमकल की गाड़ियां पहुंची। पीरबहोर थाना की पुलिस और स्थानीय लोगों ने मिलकर आग पर काबू पाया। बताया जा रहा कि इस घटना में लाखों का नुकसान हुआ है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सिर्फ लिट्टी चोखा खाने आ रहे हैं नेता, बिहार में मिलेगा कुछ नहीं : शाहनवाज

पटना। विपक्षी दल कुछ भी कर ले बिहार में उन्हें कुछ हासिल होने वाला नहीं है। विपक्षी एकता के लिए आने वाले नेताओं को बिहार में सिर्फ लिट्टी चोखा मिलेगा, वोट नहीं मिलने वाला। राहुल गांधी, अखिलेश यादव, केजरीवाल कई साल से बिहार नहीं आए। ममता बनर्जी भी बिहार नहीं आती हैं । वो आएँ उनका स्वागत है लेकिन उन्हें बिहार में चिट्ठी चोखा के अलावा कुछ मिलने वाला नहीं है। उक्त बातें पूर्व मंत्री शाहनवाज हुसैन ने कही। कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अन्य राज्यों में घूम घूमकर नाना प्रकार के व्यंजन खा रहे हैं, बिहार आने वाले नेताओं को भी उन्हें खिलाना पड़ेगा। विपक्षी एकता के लिए जुटने वाले नेता बढ़िया लंच डिनर करेंगे, अच्छे सपने देखेंगे लेकिन उनके सभी सपने, सभी ख्वाब अधूरे रहने वाले हैं। शाहनवाज हुसैन ने कहा कि सीता की भूमि बिहार 2024 में नरेंद्र मोदी की झोली में 40 की 40 सीटें डालेंगी और उत्तर प्रदेश जो राम की जन्मभूमि है, वहां से मोदी की झोली में 80 की 80 सीटें मिलेगी। उन्होंने कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव में गुजरात, दिल्ली, राजस्थान ने शत प्रतिशत सीटें नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए दी थी। इस बार बिहार और यूपी की भूमि भी शत प्रतिशत सीटें नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए उनकी झोली में डालेगी। महागठबंधन से जीतन राम मांझी के अलग होने पर शाहनवाज हुसैन ने तंज कसते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विपक्षी एकता की बात कर रहे हैं लेकिन महागठबंधन के नांव से मांझी ही कूद गए हैं। जब नांव में मांझी जी नहीं तो क्या होगा। उन्होंने कहा कि विपक्षी एकता के नाम पर सभी नेता बिहार देखने आ रहे हैं, वो बिहार देखकर लौट जाएंगे। बिहार की जनता का प्रण है कि तीसरी बार नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए बिहार की 40 की 40 सीटें उनकी झोली में डाली जाएगी।

जाप राष्ट्रीय अध्यक्ष पप्पू यादव ने हज यात्रियों से की मुलाकात

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

जन अधिकार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पप्पू यादव ने हज यात्रियों से पटना रेलवे स्टेशन पर जाकर मुलाकात की। उन्होंने कहा कि इस्लाम के 5 फर्ज.में से एक फर्ज.हज है। आज इस फर्ज.की अदायगी को पूर्णिया, सहरसा, सुपौल और मधेपुरा से रवाना के क्रम में पटना पहुंचे हाजियों का स्वागत और खैर मखदम हमने पटना जंक्शन पर गुलाब देकर किया। तमाम हाजी आज संध्या हज के लिए सऊदी अरब के मक्का को रावना होंगे। जाप राष्ट्रीय अध्यक्ष ने हज यात्रियों को मुबारकबाद दी और हज मुबारक के दौरान हमारे मुल्क में अमन और भाईचारगी बरकरार रहे, इसके लिए खुसूसी दुआ की दरख्वास्त की। मौके पर प्रदेश अध्यक्ष राघवेन्द्र कुशवाहा मौजूद थे।

अच्छे काम करने वाले मुखिया को पारस ने कीर्तिमान मुखिया सम्मान से किया सम्मानित

पटना। अपने-अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करनेवाले मुखियाओं को पारस एचएमआरआई के सभागार में सोमवार को समारोह आयोजित कर सम्मानित किया गया। अपनी पंचायत में विकास की इबारत लिखनेवाले वैशाली जिले की जतकौली पंचायत के मुखिया विश्वजीत कुमार, वैशाली जिले की ही राघोपुर पंचायत की रीता देवी, गया जिले की विकोपुर पंचायत की मेहरेअंगेज खानम, जहानाबाद जिले की मांदील पंचायत के बब्लू कुमार, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह जिले नालंदा की मेयार पंचायत की चमेली देवी, रोहतास जिले की खरारी पंचायत के अरविंद कुमार, नवादा जिले की भीखमपुर पंचायत के विकास कुमार, पंचायत गोमहार, पंचायत मरची, जिला पटना के परिमल कुमार राय, पंचायत एकंगर डीह, जिला नालंदा के मदन प्रसाद, पंचायत रुनीसैदपुर उत्तरी, जिला सीतामढ़ी की प्रज्ञान देवी समेत कई अन्य मुखियों को अपने पंचायत में उल्लेखनीय विकास कार्य और कोविड महामारी के दौरान तत्परता से लोगों की सेवा के लिए मोमेंटो और प्रशस्तिपत्र देकर कीर्तिमान मुखिया सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विश्वप्रसिद्ध सर्जन और पारस एचएमआरआई के सर्जरी विभाग के निदेशक डॉ. एए हई ने कहा कि इमानदार प्रयास का ही नतीजा है कि आपकी पंचायत के साथ सूबे का भी चौमुखी विकास हो रहा है। आपके साथ जुड़कर हम भी समाज के लिए वह सबकुछ करना चाहते हैं जो स्वस्थ समाज के लिए जरूरी है। पारस एचएमआरआई अस्पताल में विभिन्न बीमारियों के इलाज की विश्वस्तरीय अत्याधुनिक सुविधा उपल्बध है। कम खर्च में कैंसर, हृदय रोग समेत तमाम बीमारियों के इलाज की सुविधा है । कार्डियोलॉजी के एचओडी और मुख्य निदेशक डॉ. नीरज कुमार ने कहा कि जब अपनी जन्मभूमि के लिए कुछ करने की चाहत हुई तो करोड़ों का पैकेज छोड़ अपनों के बीच चला आया। अब आपके साथ मिलकर काम करना है। पल्मोनरी के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रकाश सिन्हा ने कहा कि आप लोगों का साथ मिलने से हमें समाज के लिए कुछ और बेहतर करने का संबल मिला है। मेडिकल आंकोलॉजी (कैंसर विभाग) के प्रमुख डॉ. अभिषेक आनंद ने कहा कि खानपान और जीवनशैली में सुधार कर हम कई बीमारियों से बचे रह सकते हैं। पारस आपकी सेवा में तत्पर है। मैं इस अवसर पर यह घोषणा करता हूं कि आपकी पंचायत के किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार के इलाज की जरूरत होगी तो उन्हें काफी कम लागत में जांच और इलाज की सुविधा उपल्बध कराई जाएगी। इमरजेंसी रोगियों के लिए यहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम अलग से तैनात है। वैशाली विधान सभा के विधायक सिद्धार्थ पटेल, डॉ. वी के ठाकुर, डॉ. शेखर केसरी, डॉ. आर एन टैगोर, डॉ. सत्यम सिन्हा, डॉ. शाहिद सिद्दीकी एंव कई और डॉक्टर मौजूद थे।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि राजनीतिक दल **लोकप्रिय समता पार्टी** के नाम से रजिस्ट्रीकृत होना प्रस्तावित है। पार्टी कार्यालय **Alpha Tutorial, Behind Sudha Dairy, Katari Hill Road, Shantibagh, New Karimganj, PS-Civil Line, Po.-Karimganj, District-Gaya, Bihar-823001** में स्थित है। इस दल ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 29क के अधीन राजनीतिक दल के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली को आवेदन प्रस्तुत किया है, पार्टी के पदाधिकारियों के नाम/पता नीचे दिए गए हैं:-

अध्यक्ष: वसीम नैयर

महासचिव: प्रिंस रंजन

कोषाध्यक्ष: मोहम्मद बिलाल अहमद

यदि किसी को **लोकप्रिय समता पार्टी** के रजिस्ट्रीकरण में कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति इसके कारणों सहित सचिव (राजनीतिक दल), भारत निर्वाचन आयोग निर्वाचन सदन, अशोका रोड़, नई दिल्ली-110001 को इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर भेंजे।

27 से 31 जुलाई तक होगा परिवार नियोजन कार्यक्रमों का आयोजन

जनसंख्या स्थिरीकरण के लिए योग्य दंपती तक पहुंचेगी स्वास्थ्य विभाग की टीम

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

बिहार में जनसंख्या स्थिरीकरण के सपने को साकार करने के लिए स्वास्थ्य विभाग योग्य दंपतियों तक अपनी पहुंच को बढ़ाए

संक्षिप्त खबरें

सड़क हादसे में पुत्र की मौत की पिता ने दर्ज करवायी प्राथमिकी

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर थाना क्षेत्र के विभूतिपुर पूरब निवासी रामविलास यादव ने सड़क हादसे में हुए 2 पुत्र की मौत की प्राथमिकी दर्ज करवाया है। दर्ज प्राथमिकी के माध्यम से पीड़ित ने बताया कि 14 जून को मेरा पुत्र ललित कुमार एवं चंदन कुमार अपने मोटरसाइकिल से बहन के यहां खानपुर खेरही जा रहा था। बेलसंडी शंकर चौक व भरपुरा के बीच धर्म कांटा के निकट विपरीत दिशा से आ रहे पिकअप मालवाहक गाड़ी तेजी व लापरवाही से चलाते हुए मेरे पुत्र के मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दिया। तथा ड्राइवर गाड़ी लगाकर फरार हो गया। इस घटना में मेरे दोनों पुत्र की मौत मौके पर ही हो गई। वहीं मोटरसाइकिल पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

मकान बनाने को लेकर मांगी रंगदारी, दीवार तोड़ा, 53 दिन बाद प्राथमिकी दर्ज

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर थाना क्षेत्र के नरहन निवासी विजय कुमार चौधरी ने मकान बनवाने के एवज में रंगदारी मांगने, दीवार तोड़ने को लेकर प्राथमिकी दर्ज करवाया है। दर्ज प्राथमिकी के माध्यम से पीड़ित ने बताया कि अपने दखल कब्जा 4 कट्ठा 15 धूर जमीन में 06 अप्रैल से मकान निर्माण का कार्य शुरू किया। डीपीसी से साढ़े 4 फीट ऊपर दीवार बन जाने के बाद 25 अप्रैल की संध्या कमलेश्वरी महत्व महेश महतो दिनेश कुमार विशेश्वर महतो एवं 10 अज्ञात लोग आया और दीवार को तोड़ने लगा। मना करने पर पिस्तौल का भय दिखाकर मारपीट किया एवं घर बनाने की एवज में डेढ़ लाख रुपए की मांग किया। नहीं देने पर मारपीट करते हुए कमीज फाड़ दिया एवं एक हजार रुपए निकाल लिया। वहीं घटना के 53 दिन बाद विभूतिपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

शोक सभा आयोजित

सरायरंजन, समस्तीपुर। सरायरंजन प्रखंड के बथुआ बुजुर्ग निवासी सह गायत्री शक्तिपीठ के व्यवस्थापक प्रमोद प्रसाद सिंह की धर्मपत्नी मिथिलेश देवी (66) के आकस्मिक निधन को लेकर सोमवार को एक शोकसभा का आयोजन हुआ। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि दिवंगत मिथिलेश देवी एक ईमानदार, मृदुभाषी एवं धर्मपरायण महिला थी। उनका संपूर्ण जीवन त्याग, संघर्ष एवं समर्पण का रहा। ऐसी जीवट वाली स्त्री के संपूर्ण जीवन चरित्र से आज की नई पीढ़ी को प्रेरणा लेने की जरूरत है। मौके पर प्रो० शंभू कुमार झा, प्रो० अमरेंद्र कुमार, स्मित कुमार झा, संजय कुमार सिन्हा, रामकिशोर गिरि, पदार्थ ठाकुर, सुबोध सिंह, घनश्याम प्रसाद सिंह, अजय कुमार सिंह, रेखा कुमारी, विजय कुमार चौरसिया आदि मौजूद रहे।

नेत्र रोगियों का हुआ निशुल्क इलाज

सरायरंजन, समस्तीपुर। सरायरंजन प्रखंड के बथुआ बुजुर्ग स्थित गायत्री शक्तिपीठ में सोमवार को निशुल्क नेत्र रोग चिकित्सा शिविर का आयोजन हुआ। शिविर में प्रसिद्ध नेत्र रोग सर्जन डॉ० सच्चिदानंद के द्वारा 22 नेत्र रोगियों की जांच की गई। वहीं मोतियाबिंद के 5 मरीजों को निशुल्क ऑपरेशन हेतु दलसिंहसराय भेजा गया। मौके पर सहायक प्रमोद कुमार, प्रमोद प्रसाद सिंह, अजय कुमार सिंह, राम कृपाल सिंह, मनोज सिंह, लक्ष्मण कुमार, अश्वमेध देवी, रेणु देवी आदि मौजूद रहे।

प्रियदर्शी प्रिंस जेईई एडवांस की परीक्षा में सफलता हासिल कर किया क्षेत्र का नाम रोशन

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर प्रखंड क्षेत्र के चकहबीब निवासी सुनील कुमार मिश्र व शबनम मिश्र के पुत्र प्रियदर्शी प्रिंस जेईई एडवांस की परीक्षा में सफलता हासिल कर क्षेत्र का नाम रौशन किया है। बता दें कि प्रियदर्शी प्रिंस मैट्रिक की परीक्षा सेंट जोसेफ पब्लिक स्कूल से फार्म भरकर 2021 में 94 प्रतिशत अंक के साथ एवं इंटर 2023 में 86 प्रतिशत अंक के साथ सफलता हासिल किया। जिसके बाद एल एन कोटा से तैयारी कर प्रथम प्रयास में ही जेईई एडवांस में सफलता हासिल किया। प्रियदर्शी प्रिंस अपनी सफलता का श्रेय माता पिता एवं गुरुजनों को देते हैं। वहीं उनकी सफलता पर जनप्रतिनिधि एवं शिक्षा प्रेमी शुभकामनाएं देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

एसपी ने क्राइम मीटिंग में जनता से जुड़े मामले को गंभीरता से लेने का दिया सख्त निर्देश

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

रविवार को समाहरणालय स्थित सभागार में एसपी विनय तिवारी ने जिले के सभी थानों के अधिकारियों, इंस्पेक्टरों व अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों के साथ क्राइम मिटिंग को लेकर बैठक की। इस दौरान उन्होंने बारी-बारी से सभी थानों के थानाध्यक्ष से उनके क्षेत्र में होने वाले कांडों के बारे में चर्चा किया तथा अहम निर्देश दिए। क्राइम मीटिंग के दौरान सभी थानाध्यक्षों को संबोधित करते हुए एसपी ने कहा कि थाना पहुंचने वाले लोगों के साथ पुलिस शिष्ट व्यवहार करें ताकि हम पीपुल्स फ्रेंडली बन सके और लोग हम पर भरोसा रख सके, इससे पुलिस को भी कांडों के अनुसंधान में मदद मिल सकेगी। वहीं एसपी ने अपराध पर नियंत्रण, लंबित मामलों में गिरफ्तारी, आसूचना संकलन कर शराब तस्करों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई, जनता से जुड़े मामलों को जल्द से जल्द निपटारा, सभी थाना व ओपी अध्यक्ष रात्रि गश्ती के दौरान बैंक एरिया में निगरानी रखने, लंबित कांड का तीव्र गति से निष्पादन करने, सोमवार को सभी पुलिस पदाधिकारियों व कर्मियों को फील्ड में रहने, सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एवं अंचल पुलिस निरीक्षक सभी दिन अलग-अलग थाने पर जाकर कांडों की समीक्षा करने को लेकर उन्होंने सख्ती से पालन करने को कहा। मौके पर सदर डीएसपी संजय कुमार पांडेय, मुख्यालय डीएसपी अमित कुमार, दलसिंहसराय डीएसपी, दिनेश कुमार पांडेय, रोसड़ा डीएसपी शिवम कुमार, पटोरी डीएसपी रवि शंकर प्रसाद के अलावा अंचल पुलिस निरीक्षक अरुण कुमार राय, मुफस्सिल थानाध्यक्ष सुरेंदर कुमार सिंह, नगर थानाध्यक्ष विक्रम आचार्य एवं पूसा थानाध्यक्ष चंद्रकांता गौरी आदि पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे।

सिंघिया खुर्द में पीएनबी के ग्राहक सेवा केंद्र का विधायक ने किया शुभारंभ

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर प्रखंड के ग्राम पंचायत सिंघिया खुर्द में 18 जून को पंजाब नैशनल बैंक के नए ग्राहक सेवा केंद्र का शुभारंभ विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन के द्वारा किया गया। ग्राहक सेवा केंद्र के इस शुभारंभ में पंजाब नेशनल बैंक के लोन पॉइंट के प्रमुख राहुल कुमार, जिला समन्वयक अधिकारी सुबोध कुमार झा, शाखा प्रबंधक तरुण चंद, उप प्रबंधक खुर्शीद आलम, अधिकारी राहुल सुमन, गौतम कुमार, राजद प्रखंड अध्यक्ष संतोष कुमार यादव, राजद अल्पसंख्यक सेल के प्रदेश महासचिव मो० परवेज आलम, उत्कर्ष बैंक के वरीय प्रबंधक रवि आनंद, समाजसेवी जयलाल राय, ग्राम पंचायत सिंघिया खुर्द के मुखिया उषा देवी के सुपुत्र गुलशन कुमार, पंचायत समिति जितेंद्र सिंह उर्फ (जितू), सरपंच सुरेश राय, ग्राहक सेवा केंद्र संचालक मो० मुजाहिद सैयद, मुर्शिद आलम, मो० हैदर, मो० सोहराब आलम, सुरेंद्र सिंह, भारतीय युवा कांग्रेस सचिव ई० प्रशांत पाठक प्रदेश सचिव, समाजसेवी सहाब एवं अन्य ग्रामीण की उपस्थिति रही। पंजाब नैशनल बैंक का इस ग्राहक सेवा केंद्र के द्वारा आमजनों का खाता खुलवाना, प्रधान मंत्री जीवन ज्योति एवं सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना एवं समस्त जन कल्याणकारी योजनाओं के साथ साथ आधार एवं खाता से जमा- निकासी की व्यापक सुविधाओं से ग्राहकों को अनवरत सेवा देने हेतु कृतसंकल्पित है। वित्तीय समावेशन से समतामूलक समाज का निर्माण ही पंजाब नेशनल बैंक के ग्राहक सेवा केंद्र का मुख्य उद्देश्य है।

ट्रेन में बीमार बच्चे का इलाज करने पहुंची मेडिकल टीम, ट्रेन खुलने पर चलती ट्रेन से पड़ा कूदना

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर स्टेशन पर कर्मियों के बीच एक बार फिर सामंजस्य की कमी के कारण बीमार यात्री के बिना इलाज के ही ट्रेन को रवाना कर दिया गया। जिसके कारण ट्रेन में इलाज करने पहुंची मेडिकल टीम को चलती ट्रेन से कूदना पड़ा। नतीजतन सूचना देने के बावजूद बीमार यात्री की समुचित इलाज समस्तीपुर में नहीं हो पाया। घटना बीती रात की है। मिली जानकारी के अनुसार बीती रात ट्रेन संख्या 13020 काठगोदाम हावड़ा एक्सप्रेस के बी वन में एक सात वर्षीय बच्चे के बीमार होने की सूचना रेलवे के हेल्पलाइन नंबर पर दी गयी। सूचना मिलते ही वाणिज्य अधीक्षक महेश कुमार ने इसकी सूचना रेलवे अस्पताल को दी और मेडिकल टीम समस्तीपुर स्टेशन पर पहुंच गयी। ट्रेन के पहुंचते ही मेडिकल टीम बी-वन कोच में पहुंच कर बर्थ संख्या 23 व 24 पर जाकर बीमार बच्चे का इलाज करना शुरू कर दिया। इस दौरान एक अन्य यात्री के भी बीमार होने की सूचना यात्रियों ने मेडिकल टीम को दी। बच्चे को बार-बार उल्टी होने की शिकायत थी। जिसके बाद मेडिकल की टीम ने बच्चे की जांच पड़ताल की। इसी दौरान ट्रेन को खोल दिया गया। ट्रेन के खुलते ही मेडिकल टीम अपनी सामग्री समेट ली और बिना इलाज के लिए चलती ट्रेन से कूद गयी। संयोग था कि किसी भी कर्मी को कुछ नहीं हुआ। बता दें कि कुछ महीने पूर्व भी राजधानी एक्सप्रेस में भी इसी तरह की घटना हुई। जिसमें भी इलाज के दौरान ही ट्रेन को रवाना किया गया और मेडिकल टीम को कूदना पड़ा। जिसके बाद डीआरएम आलोक अग्रवाल के निर्देश पर उक्त मामले की जांच करायी गयी। जिसके बाद कर्मियों को सख्त निर्देश दिया गया था कि जब कोई मेडिकल टीम ट्रेन में इलाज करती है तो इलाज होने तक ट्रेन को स्टेशन पर ही रोका जाए। इलाज पूर्ण होने एवं मेडिकल टीम के द्वारा सहमती देने के बाद ही ट्रेन को प्रस्थान करायी जाए। इसके बावजूद बीती रात समस्तीपुर स्टेशन पर पूर्व की घटना को फिर से दोहरा दिया गया।

हथौड़ी पुलिस ने किया 40 कार्टन विदेशी शराब बरामद, कारोबारी फरार

शिवाजीनगर, प्रात : किरण संवाददाता

हथौड़ी थाना क्षेत्र में रविवार रात पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद किया। जब्त शराब की कीमत लाखों रुपए मूल्य बताई जा रही है। थानाध्यक्ष मनू राय ने बताया कि शराब कारोबारी रोसड़ा-हथौड़ी मुख्य मार्ग से चोरी छुपे शराब ले जा रहे थे मालवाहक टेंपो से शराब लेकर जा रहे थे इसकी जानकारी पुलिस को मिली सूचना मिलते ही पुलिस पुनमा धर्मपुर वाटर बेज बांध पहुंची। पुलिस को आते देख गाड़ी चालक सहित कारोबारी भाग निकला। पुलिस माल वाहक टेंपो से 40 कार्टन अंग्रेजी शराब बरामद किया। बरामद शराब की कीमत लाखों रुपए से अधिक की बताई जा रही है। पुलिस ने मौके से एक माल वाहक टेंपो कुरकुरे मस्त मसाला का 10 कार्टन को भी जब्त किया इस संबंध में थाना अध्यक्ष मोनू राय ने बताया कि पुलिस एक माल वाहक टेंपो से 40 कार्टन अंग्रेजी शराब पुनमा धरमपुर वाटर वेज बांध से जप्त कर वाहनों के मालिक के सत्यापन के बाद प्राथमिकी दर्ज कर इसमें संलिप्त अन्य कारोबारी की पहचान में जुटी हुई है। बिहार में पूर्ण शराबबंदी कई साल से लागू है बावजूद शराब कारोबारी आज भी चोरी छुपे इसकी खरीद बिक्री में दिन-रात जुटे हैं। इसको लेकर स्थानीय पुलिस उत्पाद विभाग एवं एंटी लिकर टास्क फोर्स एलटीएफ शराब कारोबारियों के विरुद्ध अभियान छेड़ रखा है। वहीं चंदौली थाना वारिसनगर निवासी लालू राय के पुत्र कुंदन कुमार को गलगल चौक से शराब के नशे में हंगामा करते हुए गिरफ्तार किया गया। मौके पर अपर थानाध्यक्ष रमेश कुमार, एसआई कुंदन कुमार, राजेंद्र सिंह, ओमप्रकाश सिंह, मिथिलेश पासवान, सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे।

अग्नि पीड़ितों के बीच जल्द से जल्द मिलेगी सरकारी सहायता राशि : जिला पार्षद

प्रात : किरण संवाददाता

शिवाजीनगर, समस्तीपुर। खानपुर थाना क्षेत्र के शोभन पंचायत के वार्ड नं एक में बीती शनिवार की रात करीब 10:30 वजे में अचानक एक घर में बिजली के शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। जिसमें लुखो देवी एवं सविता देवी का घर तथा घर में रखा अनाज, कपड़ा, बर्तन, जेवरात आदि सभी समान जलकर राख हो गए। साथ हीं रेखा देवी पति शिवशंकर राम का घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय जिला पार्षद स्वर्णिमा सिंह घटना स्थल पर पहुंच घटना का जायजा लिया तथा पीड़ित परिवार के बीच अपने निजी कोष से सहायता के रूप में तिरपाल, कपड़ा, चावल दाल आदि कीट उपलब्ध कराया। साथ ही कहा कि जल्द ही सरकार से मिलने वाली सहायता राशि भी उपलब्ध करवा दिया जाएगा। मौके पर जदयू पंचायत अध्यक्ष पवन कुमार महतो, दिलीप कुमार महतो, बौएलाल महतो, अशर्फी महतो, चंदन कुमार, रितु राज, डॉक्टर लाल बाबू, लूखो देवी, सविता देवी, रेखा देवी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

राइस मिल के संचालक सह गल्ला व्यवसाय व वार्ड सदस्या के पति को छुरा मारकर किया घायल

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर थाना क्षेत्र के सुरौली वार्ड 5 में अपनी दुकान पर बैठे गला व्यवसाई को छुरा मारकर जख्मी कर दिया गया है। घायल व्यक्ति की पहचान सुरौली वार्ड 4 के वार्ड सदस्या मिंटू देवी के पति सह राइस मिल के संचालक 35 वर्षीय चंदन कुमार मिश्र के रूप में की गई है। घटना की सूचना पर लोगों ने आनन-फानन में उपचार के लिए बेगूसराय के एक निजी क्लीनिक में भर्ती कराया जहां गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया। घटना के संबंध में बताया जाता है कि जमीनी विवाद को लेकर पूर्व से चल रही दुश्मनी के कारण घटना का अंजाम दिया गया। बताया जाता है कि दोपहर में चंदन अपनी दुकान पर बैठे थे उसी समय एक युवक ने आकर पीछे से गर्दन पर छुरा से दो तीन बार वार कर जख्मी कर फरार हो गया।

बचपन से ही इंजीनियर बन देश की सेवा करने का था दीपक का तमन्ना

ग्रामीण क्षेत्र में रहकर किया था प्रारंभिक पढ़ाई पुरी

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी दीपक ने जिला सहित खजौली प्रखंड का नाम किया रोशन कौन कहता है आसमा में सुराख नही होता एक पत्थर तो तवियत से उछालों यारों कहावत को दीपक ने चरितार्थ किया. खजौली प्रखंड के चतरा गोबरौड़ा उत्तर पंचायत के गौबरौड़ा गांव निवासी एक साधारण दवा दुकानदार रामसागर सिंह एवं कुशल गृहणी ललिता देवी का पुत्र व लखन महतो को पौत्र दीप कुमार ने देश का प्रतिष्ठित एवं कठिन परीक्षा जेईई एडवांस की परीक्षा में उतीणर्ता प्राप्त कर न केवल खजौली प्रखंड का नाम रोशन किया है बल्की पूरे जिला का नाम रोशन किया है। उन्होंने ऑल इंडिया में 6217 तथा ओबीसी मं 1269वां रैंक प्राप्त किया है. दीपक ने जेईई मेंस में 99 प्रतिशत एवं सीबीएसी 12वीं परीक्षा में 92.2 प्रतिशत प्राप्त किया है। दीपक बचपन से ही मेधावी रहा है। वह अपनी प्रारंभिक पढ़ाई खजौली बाजार के सवोर्दय पब्लिक से की. जबकी दसवीं की पढ़ाई इण्डियन पब्लिक स्कूल मधुबनी तथा 11वी एवं 12वीं की पढ़ाई दिल्ली पब्लिक स्कूल मधुबनी से पूरी की. उन्होंने इंजीनियरिंग की पढ़ाई कोट राजस्थान से किया है। दीपक ने अपनी सफलता का श्रेय अपने अभिभावक यथा माता-पिताबड़े भाई, दादा, चाचा-चाची एवं गुरूजनों को दिया है. उन्होंने कहा कि उनका बचपन से ही इंजीनियर बनकर देश की सेवा करने की सपना था. दीपक की सफलता पर दूरभाष एवं आसपास के लोगों द्वारा बढाई का तांता लगा हुआ है। बधाई देने वालों में गंगा सागर सिंह, जीबछ महतो, राजा बाबू, राहुल कुमार, रौशन कुमार, प्रमोद सिंह सहित अन्य शामिल है।

19 लाख के मोबाईल एवं घड़ी के साथ भारतीय नागरिक नेपाल में गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

रक्सौल। भारत से तस्करी कर ले जा रहे लाखों रुपए मूल्य के मोबाइल एवं अन्य विद्युतीय उपकरण सहित एक भारतीय नागरिक को नेपाल की बीरगंज पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी पूर्वी चंपारण के अमवा विशुनपुरवा के 33 वर्षीय मनोज कुमार है। पुलिस के अनुसार युवक के पास से 19 लाख रुपए मूल्य के मोबाइल एवं स्मार्ट वॉच बरामद किया गया है। इस संबंध में डीएसपी दीपक गिरी ने बताया कि बीरगंज महानगरपालिका के वार्ड नंबर 32 में स्थित एक घर से उक्त समान बरामद हुआ, जहां से मनोज को गिरफ्तार किया गया। उक्त कार्रवाई विदेश सूचना पर की गई। जहां से 51 पीस मोबाइल एवं 185 पीस स्मार्ट वॉच बरामद हुआ। उक्त मोबाइल में एपल, सैमसंग, वीवो एवं रेडमी सहित सोनाटा और टाइटन की घड़ियां भी बरामद हुई। जिसे बीरगंज कस्टम में जमा कर आरोपी पर कार्रवाई की जा रही है।

विष्णु महाज्ञ को लेकर 551 कन्याओं ने निकाली कलश यात्रा

प्रात : किरण संवाददाता

कल्याणपुर, समस्तीपुर। कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र के गोविंदपुर खजुरी पंचायत के विष्णु महाज्ञ को लेकर सोमवार को 551 कलश यात्रियों ने कलश शोभा यात्रा निकालकर यज्ञ स्थल पर स्थापना किया। कुमारी कन्याओं ने बूढ़ी गंडक नदी के वासुदेवपुर घाट से कलश में जल भरकर यज्ञ स्थल पर पहुंचे, जहां वैदिक रीति रिवाज के अनुसार शुरू स्थापित किया। शांति व्यवस्था को बनाए रखने के लिए थाना के एस आई राधा मोहन कुमार सिंह मौजूद थे। मौके पर पंचायत समिति सदस्य जनार्दन ठाकुर, रामबली महतो, विनोद राय, पंकज कुमार राय, प्रकाश रंजन सिंह, छोटू कुमार उर्फ शिव रंजन यादव, भोला राय, पवन राय, हिमांशु कुमार शेखर, मुन्ना सरपंच, उपेन्द्र राम सहित सभी सदस्य मौजूद थे।

डायन का आरोप लगाकर दबंगों ने पति पत्नी को पीट-पीट कर किया घायल, पति की हालत नाजुक

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई, जिले के चकाई थाना क्षेत्र अंतर्गत घुटियारी गांव में रविवार को डायन का आरोप लगाकर दबंगों ने टांगी व लाठी से पीट-पीटकर पति पत्नी को घायल कर दिया। जिसे परिजनों द्वारा इलाज के लिए चकाई रेफरल अस्पताल लाया गया। इसके बाद पति की स्थिति गंभीर होने पर बेहतर इलाज के लिए डॉक्टर ने उसे सदर अस्पताल रेफर कर दिया। जहां डॉक्टर अभिषेक गौरव के द्वारा इलाज किया जा रहा है। इस दौरान घायल पति पत्नी की पहचान चकाई थाना क्षेत्र के घुटियारी गांव निवासी ओजीर यादव के पुत्र नंदू यादव के रूप में हुई है। घटना को लेकर घायल नंदू यादव ने बताया कि एक साल पहले गांव के ही पांडू यादव गले में रस्सी डालकर आत्महत्या कर लिया था। और उसी को लेकर उसके पूरे परिवार मेरी पत्नी को डायन का आरोप लगाकर अक्सर गाली गलौज करने लगा। हलांकि किसी तरह मामला शांत हो गया था। लेकीन रविवार को मेरी पत्नी घर में खाना बना रही थी तभी दबंग प्रवृत्ति के करूं यादव, छोटू यादव, मनोज यादव, फाल्गुनी यादव, अनिल यादव, उमा यादव व गीता देवी ने मिलकर गाली गलोज करते हुए आया और पत्नी को डायन का आरोप लगाकर टांगी, रड, लाठी और भाला से मारपीट करने लगा। जब बीच बचाव करने गया तो उक्त लोगों ने मुझ पर भी लाठी डंडा व टांगी से हमला कर दिया। जिससे दोनों पति पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे परिजनों द्वारा इलाज के लिए चकाई रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां पति की हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने बेहतर इलाज के लिए जमुई सदर अस्पताल रेफर कर दिया। जहां उसका इलाज किया जा रहा है। इधर घटना की जानकारी चकाई थाना को दी गई जिसके बाद सूचना मिलने पर चकाई थाने की पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन में जुट गई है।

पंचायत को स्वच्छ और सुंदर बनाना एकमात्र मकसद

प्रात : किरण संवाददाता

लोहिया स्वच्छ अभियान एवं स्वच्छ भारत मिशन फेज दो के तहत ठोस एवं तरल अपशिस्ट प्रबंधन को लेकर प सोमवार को कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम में मुखिया टिंकू देवी, पंचायत सचिव शोभी दास व मुखिया प्रतिनिधि संजय यादव ने संयुक्त रूप से एक सौ से अधिक ग्रामीणों के बीच कचरा प्रबंधन के लिए एक हरा और एक नीला डस्टबिन को वितरण किया। इसके पश्चात मुखिया ने पंचायत के सभी वार्डो में कचरा संग्रह करने के लिए पैडल रिक्शा एबं एक ई रिक्शा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुखिया ने कहा कि लोहिया स्वच्छ अभियान एवं स्वच्छ भारत मिशन के तहत में फेज 2 में ठोस एवं तरल अपशिस्ट प्रबंधन के लिए हर परिवार को एक हरा और एक नीला दो डस्टबिन दी जा रही।प्रत्येक वार्ड में एक पैडल रिक्सा के साथ दो स्वच्छता कर्मियों बहाल की गई है।पैडल रिक्शा चालक सभी के घरों में जाकर कचरा उठाब कर डंपिंग तक स्थल तक पहुंचाएगा।इस कार्य के लिए पंचायत के 16 वार्डों में दो स्वच्छता कर्मी को बहाल किया गया है।ताकि हर घर से कचरा का उठाव समुचित तरीके से किया जा सके।पंचायत को स्वच्छ ओर सुंदर बनाने की जिम्मेदारी सभी लोगों की है।पंचायत अगर स्वच्छ रखते हैं तो पर्यावरण को भी बहुत फायदा होगी।कार्यक्रम में सभी वार्ड सदस्य व ग्रामीण मौजूद थे।

भाजपा का विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन संपन्न

सरायरंजन, प्रात :किरण संवाददाता

स्थानीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के सभागार में सोमवार को भाजपा के विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन हुआ। सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने कहा मोदी सरकार के 9 साल के पूरे होने पर सभी लोकसभा क्षेत्रों में विशेष जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने तय समय सीमा में लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया। उन्होंने दावा किया कि मोदी सरकार ने गरीब जरूरतमंदों को विकास की मुख्यधारा में ले आई है। वहीं भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश मंत्री प्रो० अमरेंद्र कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक वैभवशाली, गौरवशाली और समृद्ध भारत का निर्माण हो रहा है। आज भारत विश्व गुरु बनने की ओर तेजी से अग्रसर है। उन्होंने केंद्र प्रायोजित योजनाओं की विस्तार से लोगों को जानकारी दी तथा उसे लाभ लेने को कहा। सम्मेलन की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष बलवंत सिंह राठौर ने की। संचालन बबलू झा ने किया। मौके पर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी पूजा सिंह, किसान मोर्चा के प्रदेश मंत्री शशिधर झा, किसान मोर्चा के क्षेत्रीय प्रभारी अनिल सिंह, किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष सुजीत पटेल, जिला महामंत्री चंदेश्वर प्रसाद, विस्तारक राजेश ओझा, मंडल प्रभारी दीपक सिंह, जिला महामंत्री प्रेम दास, वीणा साह, अमरेश झा, रूप नारायण झा, मंटू चौधरी, मणिकांत मिश्र, सुमन गिरि समेत सैकड़ों पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

06 किलो गांजा के साथ महिला गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जिला के जयनगर इंडो नेपाल बॉर्डर पर तैनात एसएसबी 48 वीं बटालियन बेतौंहा बीओपी के जवानों ने सीमा पार कर रहे एक महिला को 06 किलो गांजा के साथ एक महिला तस्कर को गिरफ्तार किया ।एसएसबी ने गिरफ्तार महिला को जप्त गांजा के साथ स्थानीय थाना पुलिस को सुपुर्द कर दिया गया। थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि गिरफ्तार महिला बासोपट्टी थाना क्षेत्र के जसू गांव निवासी नेहा देवी उर्फ सुनैना देवी बतायी जाती है। मामला दर्ज कर आरोपियों को को न्यायिक हिरासत में मधुबनी भेज दिया गया है ।वही जयनगर थाना पुलिस के द्वारा जमीनी विवाद एवं शराब तस्करी मामले में फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति थाना क्षेत्र के बलडिहा गांव निवासी विजय रोहिता उर्फ विजय यादव है। आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

संक्षिप्त खबरें

कांग्रेस की बैठक में राहुल गांधी और राष्ट्रीय अध्यक्ष के कार्यक्रम पर चर्चा

पूर्णिया । जिला कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की एक आपात बैठक जिला कांग्रेस कार्यालय गोकुल कृष्ण आश्रम में आयोजित हुई। बैठक में पटना में कांग्रेस पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे के 23 जून के आगमन को लेकर चर्चा हुई। बैठक में पूर्व विधायक मोहम्मद गुलाम हुसैन, रंजन सिंह, आशा नारायण चौधरी, गौतम वर्मा, जवाहर किशोर उर्फ रिंकू यादव, मोहम्मद विक्टर, मोहम्मद जब्बार आलम, रविंदर सिंह, मिथिलेश कुमार सिंह, मुन्ना सिंह, अखिलेश कुमार, सुरेश चौहान, मनोबल आलम आदि ने संयुक्त रूप से कहा कि पूर्णिया जिले के सभी प्रखंडों से कांग्रेस के कार्यकर्ता पटना में भाग लेंगे जिसको लेकर तैयारी शुरू कर दी गई है। पूर्णिया का प्रतिनिधि मजबूती के साथ पटना में दिया जाएगा और दोनों नेताओं से पूर्णिया के गौरवमई राजनीति की चर्चा की जाएगी। इसे सफल बनाने के लिए सभी प्रखंडों का दौरा भी किया जाएगा। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि राहुल गांधी के 4000 किलोमीटर के भारत जोड़ो यात्रा से उत्साहित कार्यकर्ता पटना में उनसे मिलने के लिए तत्पर है और पूरी तरह से उत्साहित भी दिख रही है।

बढ़ते लू को लेकर सभी स्कूल 24 तक बंद

पूर्णिया । लू का लहर इस सप्ताह से अधिक दिखने लगा है। इस बदलते सीजन में लू लहर से बचना बेहद जरूरी है। तापमान बढ़ा हुआ है। ऐसे में गर्मी के कारण स्वास्थ्य समस्याएं यथा हीट स्ट्रोक की संभावना बनी रहती है। ऐसे आने वाले दिनों में बढ़ते तापमान के साथ-साथ लू लहर से बचना भी जरूरी है। इसी कड़ी में जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार द्वारा आदेश जारी कर जिला शिक्षा पदाधिकारी पूर्णिया को 24 जून 2023 तक सभी सरकारी और निजी स्कूलों को बंद कराने का निर्देश दिया गया है।

साहित्य के क्षेत्र में बेहतर कार्य हेतु पूर्णिया के कमलेश कमल दिल्ली में सम्मानित

पूर्णिया । विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के लिए पांच लोगों को वर्ष का प्रतिष्ठित विष्णु प्रभाकर राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया गया। साहित्य के लिए यह सम्मान पूर्णिया के कमलेश कमल को मिला, जो विगत दो दशकों से साहित्य एवं भाषा-विज्ञान के क्षेत्र में लगातार कार्य कर रहे हैं। उनकी पुस्तकें देश भर में पढ़ी जाती हैं। देश भर के विश्वविद्यालयों एवं प्रमुख संस्थाओं में हिंदी-भाषा के शुद्ध रूप का प्रचार-प्रसार करने के कारण विद्यार्थियों के बीच उनकी अच्छी लोकप्रियता है। साथ ही, संघ लोक सेवा आयोग हेतु वे हिंदी और निबंध विषय की निश्शुल्क कक्षाएं भी चलाते हैं। कमलेश कमल के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों के 04 अन्य लोगों को यह सम्मान दिया गया। प्लास्टिक के विरोध में गांव-गांव और शहर-शहर में सघन अभियान चलाने वाली डॉ अनुभा पुंढीर को समाज सेवा और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए विष्णु प्रभाकर स्मृति सम्मान दिया गया। इस अवसर पर जनसत्ता के मुख्य संपादक मुकेश भारद्वाज, ज्ञानेन्द्र रावत, प्रभात प्रकाशन के निदेशक प्रभात कुमार सहित अनेक गणमान्य लोगों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के समापन पर विष्णु प्रभाकर प्रतिष्ठान के मंत्री अतुल कुमार ने सबके प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कमलेश कमल को पुरस्कार मिलने से उन्हें लगातार बधाईयां मिल रही है।

आदिश्वर ऑटो राइड इंडिया कीवे एसआर 250 और एसआर 125 का स्थानीयकरण करने के लिए तैयार

पटना। आदिश्वर ऑटो राइड इंडिया प्रा. लि. (एएआरआई), भारतीय सुपरबाइक उद्योग में एक स्थापित निमार्ता, ने हाल ही में एंट्री-लेवल प्रीमियम सेगमेंट की सेवा के लिए दो नियो-रेट्रो मोटरसाइकिलें पेश कीं। इनमें हंगेरियन मार्के कीवे की उबर कूल एसआर 250 और सामान्य एसआर 125 शामिल हैं, जिनकी 98 से अधिक देशों में मौजूदगी है। ये मोटरसाइकिलें स्कूल के पुराने दिनों की याद दिलाती हैं, जिससे ग्राहक आधुनिक परफॉर्मेंस और भरोसे से समझौता किए बिना 80 और 90 के दशक के अनुभव का आनंद ले सकते हैं। कीवे एसआर 125 पहले से ही बिक रही है । आदिश्वर ऑटो राइड इंडिया भी 2023 के अंत तक दोनों नियो-रेट्रो गाड़ियों को स्थानीय बनाने की योजना बना रहा है। स्थानीयकरण की दिशा में कदम एसआर 250 और एसआर 125 को मिल रही अविश्वसनीय प्रतिक्रिया के परिणामस्वरूप उठाया गया है।

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सशक्त एवं वैभवशाली राष्ट्र बना: डॉ सीएन गुप्ता

प्रात : किरण संवाददता

छपरा। भाजपा सरकार के 9 साल बेमिसाल महा जनसंपर्क अभियान कार्यक्रम के तहत स्नेही भवन छपरा में नगर अध्यक्ष राजेश फैशन की अध्यक्षता में टिफिन बैठक एवं परिचर्चा का आयोजन किया गया सभी प्रबुद्ध जन पार्टी कार्यकर्ता पदाधिकारी एवं वरिष्ठ भाजपा नेतागण उपस्थित थे जिसमें छपरा विधायक डॉ सीएन गुप्ता ने टिफिन बैठक एवं परिचर्चा को संबोधित करते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने 9 वर्षों के कार्यकाल में भारत को सशक्त वैभवशाली एवं एक विकसित राष्ट्र बनाने का काम किया है।

यह सब भाजपा की सरकार में ही संभव आज पूरे भारतवर्ष को एक बार फिर नरेंद्र मोदी जैसे मजबूत निश्चय मजबूत इरादे एवं राष्ट्र को समर्पित नेता की आवश्यकता है ,2024 में एक बार फिर नरेंद्र मोदी को देश का प्रधानमंत्री बनाना है, आज हम सब को यह संकल्प लेना है सभा को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष गोपालगंज के प्रभारी अशोक कुमार सिंह ने कहा कि आज भाजपा कार्यकताओं के बदौलत विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है जो कार्यकताओं की पार्टी है बाकी देश में जितनी पार्टियां है वह परिवारिक पाटिया है वह परिवारिक पाटिया है जो दल नहीं भ्रष्टाचार दलदल हैएवं व्यक्तिगत लाभ के लिए देश में सरकार बनाने का प्रयास करती है जिससे उनका परिवारिक धंधा लूट खसोट चलता रहे महामंत्री विवेक कुमार सिंह ने कहा कि अगर भारत को विश्व गुरु बनाना है तो हर भाजपा कार्यकर्ता ने ठाना है कि नरेंद्र मोदी जी को फिर से एक बार भारत का प्रधानमंत्री बनाना है। तभी देश की संस्कृति सांस्कृतिक विरासत एक सुरक्षित हाथों में सुरक्षित रहेगी नगर अध्यक्ष राजेश फैशन ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि कि आज भाजपा का हर कार्यकर्ता नरेंद्र मोदी जी को एक बार फिर केंद्र में प्रधानमंत्री के रुप में देखना चाहता है और इस बार भाजपा 400 से ज्यादा सीटों पर अपनी जीत दर्ज करेगी क्योंकि चुनाव को लेकर भाजपा का हर कार्यकर्ता तैयार हो चुका है कमर कस चुका है आज की बैठक का संचालन नगर अध्यक्ष राजेश फैशन एवं धन्यवाद ज्ञापन महामंत्री विवेक कुमार सिंह ने आज की टिफिन बैठक में डॉ सीएन गुप्ता , प्रोफेसर अरुण कुमार सिंह, रामाकांत सोलंकी, लोकसभा संयोजक पूर्व प्रत्याशी डॉ धर्मेंद्र कुमार सिंह,जिला उपाध्यक्ष अनु सिंह , महामंत्री विवेक कुमार सिंह, नगर अध्यक्ष राजेश फैशन,जिला मंत्री सत्यानंद सिंह, अरदेदू शेखर ,रंजन यादव, जिला प्रवक्ता धर्मेंद्र चैहान, महिला मोर्चा अध्यक्ष पूजा शर्मा,, मीडिया प्रभारी बलवंत सिंह, आईटी सेल संयोजक निशांत राज, रिंकू सिंह, अनुरंजन प्रसाद, अजीत सोनी, महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष ममता मिश्रा, पीडी बाबा, नगर युवा मोर्चा अध्यक्ष राकेश यादव, अनूप यादव, निकी श्रीवास्तव, नगर मंत्री अलीसा परवीन, संख्या में भाजपा कार्यकर्ता पदाधिकारी एवं छपरा विधानसभा के लोग उपस्थित थे।

गर्मी की तपिश नहीं ले रहा है थमने का नाम, इंसान के साथ जीव जंतु भी हैं परेशान

प्रात : किरण संवाददता

छपरा। मौसम के बदले मिजाज ने इस साल गर्मी की तपिश से लोगों का जीना मुहाल हो गया है, गर्मी की बढ़ती तपिश को लेकर सारण के जिलाधिकारी अमन समीर ने शिक्षण संस्थानों की छुट्टी में इजाफा कर दिया है।

सुबह 9:00 बजे के बाद सड़कों पर निकलना मुश्किल प्रतीत हो रहा है, सड़कें सुनी दिखाई दे रही है, वाहनों का परिचालन भी आंशिक हो रहा है, चल रहे हीट वेब के कारण आम लोगों को घरों से निकलना मुश्किल हो गया है, जरूरी कार्य को लेकर ही लोग अपने अपने घर से निकल रहे हैं, सोमवार का तापमान लगभग 42 डिग्री सेल्सियस रहा। मिली जानकारी के अनुसार इस साल गर्मी की तपिश ने कई साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया हैस चल रहे हीट वेव के कारण सारण में रविवार का 2 लोगों की मौत हो गई स मानसून का बिहार में दस्तक देने के बाद भी अब तक सारण में बारिश नहीं हो सका हैस बढ़ रहे गर्मी के कारण मौसमी फलों, पेय पदार्थ और डिब्बाबंद पानी बोतलों की बिक्री खूब बढ़ गई है, गर्मी से बचने के लिए लोग मौसी फलों के जूस, गन्ना के जूस का सहारा ले रहे हैं। हालांकि चल रहे हीट वेव के कारण सरकार द्वारा भी घरों से नहीं निकलने की हिदायत दी जा रही है। चल रहे लू के प्रकोप से इंसान के साथ-साथ जीव जंतु भी परेशान दिख रहे हैं, और ठंडी जगह की तलाश में इधर उधर भटक रहे हैं। हालांकि मौसम विभाग द्वारा बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया गया है, लेकिन अब तक लोगों को इससे निजात नहीं मिला हैस गर्मी से परेशान लोग जरूरी काम को लेकर घर से तो निकल रहे हैं लेकिन गमछा का सहारा लेकर लू से बचने की कोशिश जरूर कर रहे हैं। जानलेवा गर्मी को देखते हुए जिलाधिकारी अमन समीर ने वर्ग 1 से 12 तक के सरकारी एवं गैर सरकारी शिक्षण संस्थानों को 24 जून तक बंद करने का आदेश दिया है। फिलहाल गर्मी की तपिश थमने का नाम नहीं ले रहा है, गर्मी से परेशान लोग बारिश का बेसब्री से इंतजार भी कर रहे हैं और इंद्र भगवान से पूजा-अर्चना भी कर रहें, ताकि गर्मी से लोगों को निजात मिल सके स फिलहाल गर्मी का सितम जारी है, मानसून भी दस्तक दे चुकी है, अब देखना है कि लोगों को गर्मी से कब राहत मिल रही है।

साप्ताहिक समन्वय समिति की उच्च स्तरीय बैठक में डीएम ने दिये कई महत्वपूर्ण निर्देश

प्रात : किरण संवाददता

छपरा। समाहरणालय सभागार में आयोजित साप्ताहिक समन्वय समिति की बैठक में जिलाधिकारी अमन समीर के द्वारा उपस्थित जिलास्तरीय पदाधिकारियों को महत्वपूर्ण दिशानिर्देश दिया गया। बैठक में जिलाधिकारी के द्वारा विभिन्न विभागों से संबंधित सी. डब्लू. जे. सी/एम. जे. सी के 20 मामलों पर विस्तार से समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी के द्वारा सभी मामलों का संक्षिप्त विवरणी तैयार कर अगली बैठक में शामिल करने का निदेश दिया गया। साथ ही सभी मामलों में प्रतिशपथ पत्र तैयार करवाने का निदेश दिया गया। इसके लिए संबंधित विभाग के कार्यालय प्रधान को तत्परता से कार्य करने का निर्देश दिया गया।

समीक्षा बैठक में विभागीय कार्रवाई से संबंधित 11 मामलों पर चर्चा करते हुए जिलाधिकारी के द्वारा आवश्यक निदेश दिया गया। वर्ष 2023 के नये विभागीय कार्रवाई से संबंधित मामलों को तीन माह के अंतर निष्पादित करने का निदेश जिलाधिकारी के द्वारा सभी विभाग के नोडल पदाधिकारी को दिया गया। शहर में जल जमाव की समस्या पर चर्चा करते हुए जिलाधिकारी ने बुडको एवं पथ निर्माण विभाग को इस समस्या का समाधान अतिशीघ्र करने का निदेश दिया गया । जाति प्रमाण पत्र के आवेदनों की कुल संख्या एवं निष्पादित आवेदनों की संख्या की संपूर्ण विवरणी तैयार कर अगले बैठक में लाने का निदेश संबंधित पदाधिकारी को दिया गया। सभी विभागों के नोडल पदाधिकारियों को उनके विभाग में तीन वर्ष से अधिक वाले कर्मियों की पहचान कर उनकी सूची उपलब्ध कराने का निदेश दिया गया। कार्यपालक अभियंता विद्युत पूर्वी एवं पश्चिमी को बिना सूचना के विद्युत कटौती करने पर सख्त नाराजगी जाहिर करते हुए प्रेस विज्ञप्ति के जरिए लोगों को पूर्व में सूचना देकर विद्युत कटौती करने का निदेश दिया गया। जिला पदाधिकारी महोदय ने निर्देश देते हुए कहा कि प्रेस-विज्ञप्ति में ग्रिड का नाम, प्रखंड, पंचायत, गॉव, वार्ड इत्यादि का नाम शामिल करते हुए विद्युत कटौती का समय सारणी दिया जाय। ताकि संबंधित प्रभावित होने वाले आम जनों को आसानी से बात समझ में आ जाय। जिलाधिकारी के द्वारा पूर्व में दिये गये आदेश की चर्चा करते हुए कहा कि 01 से 12 तक के कक्षाओं के बच्चों के विद्यालय भीषण गर्मी के कारण 24 जून तक बंद कर दिये गये हैं। परन्तु ऐसी शिकायत प्राप्त हो रही है कि कुछेक विद्यालय अभी भी खुल रहे हैं।

अतः इस संबंध में आदेश का सख्ती से अनुपालन करवाने का निदेश सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी एवं अनुमंडल पदाधिकारी को दिया गया। पी.एच.ई.डी.के. कार्यपालक अभियंता को सारण जिले में पानी की कोई समस्या नही हो, इसके लिए खराब पड़े चापाकलों की अविलंब मरम्मति करने का निदेश दिय गया। साथ ही चापाकलों की जिला में कुल आवश्यकता की सूची उपलब्ध कराने का निदेश दिया गया।

हर खेत में सिंचाई का पानी योजना अंतर्गत जलालपुर एवं माँझी में चल रही योजनाओं की जानकारी कार्यपालक अभियंता नगर प्रमंडल के द्वारा दिया गया। बताया गया कि जलालपुर में कुल चार योजनाओं का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। जबकी माँझी में एक योजना किसानों के द्वारा रोका गया है। जिलाधिकारी के द्वारा अंचलाधिकारी को निरीक्षण कर किसानों के समस्याओं का समाधान करने का निदेश दिया गया। इसके अलावे सामुदायिक भवन, कब्रिस्तान आदि के लिए जमीनों के सीमांकन पर जिलाधिकारी ने कई आवश्यक निदेश दिये। बैठक में नगर आयुक्त सुमित कुमार, अपर समाहर्त्ता डॉ गगन एवं सभी जिलास्तरीय पदाधिकारीगण, सभी कार्य विभागों के कार्यपालक अभियंता गाने एवं संबंधित कर्मी गण उपस्थित थे।

सरयु नदी में नहाने आये एक युवक की गहरे पानी में डूबने से हुई मौत

छपरा। मांझी थाना क्षेत्र में सोमवार की सुबह स्थानीय रामघाट पर अपने पाँच दोस्तों के संग सरयु नदी में नहाने आये एक युवक की गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई। युवक के डूबने की खबर पाकर रामघाट पर सैकड़ों की संख्या नहा रहे लोगों में अफरा तफरी मच गई। घाट पर मौजूद लोग इधर उधर भागने लगे। घटना की खबर मिलते ही मृतक के ननिहाल माँझी के अलियासपुर तथा उसके गांव चपरैठा से लोग बड़ी संख्या में घाट पर पहुँच गए।

मौत से आहत परिजनों के रुदन क्रन्दन से वहाँ का माहौल गमगीन हो गया। घटना की सूचना पाकर पहुँचे सीओ धनञ्जय कुमार माँझी नगर पंचायत के मुख्य पार्षद प्रतिनिधि बिट्टू यादव भाजपा नेत्री पूजा शर्मा एवम मरहा पंचायत के मुखिया मुन्ना साह के अथक प्रयास के बाद चार घण्टे के भीतर ही स्थानीय गोताखोरों की सहायता से युवक के शव को बरामद कर लिया गया। मृतक रसूलपुर थाना क्षेत्र के चपरैठा गांव निवासी अनिल भारती का पुत्र आर्यन कुमार भारती उम्र 18 वर्ष बताया जाता है। मृतक अपने दो भाई व एक बहन में उम्र के लिहाज से दूसरे नम्बर पर था। परिजनों ने बताया कि मृतक अपने माता पिता के साथ कानपुर में रहता था तथा वही वह पढ़ाई कर्तव्य था। घाट पर पहुँचे लोगों ने बताया कि पिछले दिनों वह अपने परिजनों के साथ अपने पैतृक घर ।चपरैठा। में सम्पन्न एक एक शादी समारोह में शामिल होने आया था। शादी समारोह सम्पन्न होने के बाद मृतक रविवार की शाम को अपने ननिहाल माँझी के अलियासपुर निवासी अपने मामा दीनबंधु गिरी के घर रिश्तेदारों से मिलने आया था। शव के बरामद होने के बाद माँझी थाना पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए उसे छपरा भेज दिया। माँझी के रामघाट पर नदी किनारे बने गड्ढे में आये दिन लोगों के डूबने तथा बचा लिए जाने की खबर मिलती रही हैं। कल सुबह उसी स्थान पर नहाने के क्रम में डूब रही दो युवतियों सहित एक युवक डूबने लगे हालाँकि घाट पर मौजूद गजाधर चैधरी ने कड़ी मशक्कत कर उन्हें सकुशल बचा लिया। डूब रहे युवकों ने बताया कि रामघाट के पास नदी में कोल्ह। ढाब। बन जाये से अनजान लोगों के डूबने का खतरा बना हुआ है।

गर्मी का सितम जारी, हीट वेव से हो रही लगातार मौतें

प्रात : किरण संवाददता

छपरा। वैसे तो इस बार बिहार के अनेक जिले हीट वेव की चपेट में है और लगातार मौतें भी हो रही है। भले ही प्रशासन इसकी पुष्टि करें ना करें। हिट वेब से छपरा में भी स्थिति ज्यादा अच्छी नहीं है यहां भी प्रतिदिन 42 डिग्री से लेकर 43 डिग्री सेल्सियस तक तापमान रिकार्ड किया जा रहा है। गर्मी से न दिन में चैन न ही रात में सकून। दिन और रात के तापमान में चार से पांच डिग्री सेल्सियस का ही अंतर दिखने को मिल रहा है। रात में भी यह तापमान 38 डिग्री सेल्सियस रहता है. हीट वेव के कारण छपरा में भी प्रतिदिन दर्जन मौतें हो रही है। आलम यह है कि हीट वेव के कारण प्रतिदिन डेढ से दो दर्जन मरीज अस्पताल पहुंच रहे हैं जिनमें से प्रतिदिन 8 से 12 मरीजों की जान जा रही है. लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पा रही है. छपरा सदर अस्पताल में डॉक्टर भी इस बात को मानते हैं लेकिन बयान के नाम पर वे लोग भी चुप्पी साध ले रहे है, लेकिन बीते सप्ताह एक महिला और एक पुरुष दो बुजुर्गों की मौत में पुलिस के द्वारा भी उनकी मौत का कारण लू लगना प्रतीत होना बताया गया है। मौतों में बुजुर्गों की संख्या अधिक है। हिट वेव के कारण मांझी थाना क्षेत्र के नटवर बघार मंगरुआ चंवर में 10 जून को 65 वर्षीय अज्ञात महिला का शव बरामद किया गया था, जिसकी मौत में लू लगने का अंदेशा दशार्या गया था। वही 11 जून को मढौरा थाना क्षेत्र में भी 80 वर्षीय एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत का कारण लू लगना बताया गया था।क्योंकि दोनो का शव सुनसान इलाके से बरामद किया गया था और उनके शरीर पर जख्म के कोई निशान नहीं थे. जिसको लेकर पुलिस द्वारा पोस्टमार्टम कराए जाने के दौरान लू लगने का अंदेशा जताया गया था।

छपरा सदर अस्पताल बनाया गया है एयर कंडीशनर लू (हीट वेव) वार्ड

छपरा सदर अस्पताल में प्रतिदिन हीट वेव के मरीजों के पहुंचने के कारण अस्पताल प्रशासन के द्वारा इमरजेंसी वार्ड परिसर में ही एयर कंडीशनर लू (हीट वेव) वार्ड बनाया गया है जिसमें वैसे मरीजों को रखा जा रहा है, लेकिन लाख प्रयास के बावजूद लू लगने के कारण प्रतिदिन 8-10 मौतें हो रही हैं। जिनमें सबकी शिकायत तेज बुखार का होना और अचानक गिरकर बेहोश होना सामान्य है।

हाजी अहमद खान को इसुआपुर का आरजेडी अध्यक्ष बनाए जाने पर खुशी

प्रात : किरण संवाददता

छपरा। राष्ट्रीय जनता दल के सारण जिला अध्यक्ष सुनील कुमार द्वारा इसुआपुर प्रखंड के मुड़वां एराजी गांव के वसीर खान के पुत्र एमडी हाजी अमजद खान को राजद के प्रखंड अध्यक्ष बनाए जाने पर पार्टी कार्यकताओं में खुशी व्याप्त है। कार्यकताओं ने कहा कि हाजी साहब एक कुशल, कर्मठ, जुझारू व कर्तव्यनिष्ठ राजनीतिज्ञ हैं। उनके अध्यक्ष पद पर चयन से पार्टी को नई दिशा,गति, व ऊर्जा मिलेगी। खुशी व्यक्त करने वालों में तरैया के पूर्व आरजेडी विधायक मुद्रिका प्रसाद राय, राजद के जिला उपाध्यक्ष सह पैक्स अध्यक्ष राजेश राय,मुखिया अजय राय, विजय राय, राज्य कार्यकारिणी सदस्य विश्वनाथ यादव, गुड्डू कुशवाहा, टुनटुन हाशमी,रामबाबू राय, खुर्शीद आलम व अन्य है।

वाराणसी मंडल : एनआई कार्य के कारण ट्रेनों के परिचालन में बदलाव

प्रात : किरण संवाददता

पटना। वाराणसी मंडल के औड़िहार स्टेशन के यार्ड रिमाडलिंग कार्य के लिये नान इण्टरलॉक तथा औड़िहार-भटनी रेल खण्ड पर औड़िहार-सादात स्टेशनों के मध्य पैच डबलिंग कार्य हेतु ट्रेनों का परिचालन रद्द, मार्ग परिवर्तन, आंशिक समापन/प्रारंभ, पुनर्निर्धारित कर चलाया जायेगा जिनका विवरण निम्नवत हैः रद्द ट्रेनें -गाड़ी सं. 15551 दरभंगा-वाराणसी सिटी एक्सप्रेस 21 जून को, गाड़ी सं. 15552 वाराणसी सिटी-दरभंगा एक्सप्रेस 22 जून को, गाड़ी सं.14008 आनंद विहार-रक्सौल सदभावना एक्सप्रेस 22 जून को, गाड़ी सं.14007 रक्सौल-आनंद विहार सदभावना एक्सप्रेस 23 जून को, गाड़ी सं. 12538/12537 प्रयागराज रामबाग- मुजफ्फरपुर- प्रयागराज रामबाग एक्सप्रेस 26 को परिवर्तित मार्ग से चलायी जाने वाली ट्रेनें - 22 जून को सीतामढ़ी से खुलने वाली गाड़ी सं. 14005 सीतामढ़ी-आनंद विहार लिच्छवी एक्सप्रेस का परिचालन परिवर्तित मार्ग छपरा-गाजीपुर सिटी-औड़िहार के रास्ते चलायी जाएगी ।21 जून को आनंद विहार से खुलने वाली गाड़ी सं. 14018 आनंद विहार-रक्सौल एक्सप्रेस का परिचालन परिवर्तित मार्ग अयोध्या-मनकापुर-गोरखपुर -सीवान-छपरा के रास्ते चलायी जाएगी ।

21 से 24 जून तक गोंदिया से खुलने वाली गाड़ी सं. 15232 गोंदिया-बरौनी एक्सप्रेस का परिचालन परिवर्तित मार्ग वाराणसी-शाहगंज-मऊ-फेफना के रास्ते चलायी जाएगी । 25 जून को बरौनी से खुलने वाली गाड़ी सं. 15231 बरौनी-गोंदिया एक्सप्रेस का परिचालन परिवर्तित मार्ग फेफना-मऊ-शाहगंज-वाराणसी के रास्ते चलायी जाएगी । 22 जून को नई दिल्ली से खुलने वाली गाड़ी सं. 12562 नई दिल्ली-जयनगर स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस का परिचालन परिवर्तित मार्ग वाराणसी-डीडीयू-पाटलिपुत्र-सोनपुर के रास्ते चलायी जाएगी। 22 जून को लोकमान्य तिलक टर्मिनल से खुलने वाली गाड़ी सं. 11061 लोकमान्य तिलक-जयनगर पवन एक्सप्रेस का परिचालन परिवर्तित मार्ग वाराणसी-डीडीयू-पाटलिपुत्र -सोनपुर के रास्ते चलायी जाएगी। 22 जून को डा. अम्बेडकर नगर से खुलने वाली गाड़ी सं. 19305 डा. अम्बेडकर नगर-कामाख्या एक्सप्रेस का परिचालन परिवर्तित मार्ग वाराणसी-डीडीयू-पाटलिपुत्र-सोनपुर के रास्ते चलायी जाएगी ।22 को रक्सौल से खुलने वाली गाड़ी सं. 14017 रक्सौल-आनंद विहार एक्सप्रेस का परिचालन परिवर्तित मार्ग छपरा-सीवान-गोरखपुर -मनकापुर-अयोध्या के रास्ते चलायी जाएगी । 24 जून को अम्बाला कैंट से खुलने वाली गाड़ी सं. 14524 अम्बाला कैंट-बरौनी हरिहर एक्सप्रेस का परिचालन परिवर्तित मार्ग अयोध्या-मनकापुर-गोरखपुर-सीवान-छपरा के रास्ते चलायी जाएगी।

आंशिक समापन व प्रारंभ कर चलायी जाने वाली ट्रेनें :

22 को कोलकाता से खुलने वाली गाड़ी सं. 22323 कोलकाता-गाजीपुर सिटी एक्सप्रेस का आंशिक समापन वाराणसी सिटी में किया जायेगा।

24 जून को गाजीपुर सिटी से खुलने वाली गाड़ी सं. 22324 गाजीपुर सिटी-कोलकाता एक्सप्रेस का आंशिक प्रारंभ वाराणसी सिटी से किया जायेगा। पुनर्निधारित कर चलायी जाने वाली ट्रेन - सीतामढ़ी से 23.06.23 को खुलने वाली गाड़ी सं. 14005 सीतामढ़ी-आनन्द विहार टर्मिनस एक्सप्रेस सीतामढ़ी से 90 मिनट पुनर्निर्धारित कर चलाई जायेगी । नोट - यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर दिनांक 22 जून को खुलने वाली 12562, 11061 एवं 19305 का परिवर्तित मार्ग से चलाये जाने वाले दिन को पाटलिपुत्र जं. पर 02 मिनट का ठहराव दिया गया है ।

आयुक्त के निदेश पर पटना शहर में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया

पटना। आयुक्त, पटना प्रमंडल, कुमार रवि के निदेश पर पटना शहर में छठे दिन अतिक्रमण उन्मूलन मल्टी-एजेंसी विशेष अभियान चलाया गया। विभिन्न नगर निकायों में यह अभियान चलाया जा रहा है। इस पर आयुक्त लगातार नजर रखे हुए हैं एवं नियमित समीक्षा कर रहे हैं। जिला नियंत्रण कक्ष से प्राप्त सूचना के अनुसार आज नूतन राजधानी अंचल में 09.30 बजे पूर्वाह्न से 02 बजे अपराह्न तक अतिक्रमण उन्मूलन अभियान चला। यहाँ 05, दारोगा प्रसाद राय पथ के पास एवं ब्लॉक डी में अतिक्रमण हटाया गया। अतिक्रमण उन्मूलन अभियान के दौरान लोहा का दो गुमटी, पाँच ठेला, एक लोहा का व्यावम, एक टीपर बालू, दो पंखा, बांस-बल्ला तथा एक छोटा गैस सिलेंडर हटाया गया। नूतन राजधानी अंचल में अतिक्रमण-उन्मूलन अभियान में अभी तक 33,100/- रुपया की कुल वसूली हुई है। पाटलिपुत्रा अंचल में 07.00 बजे पूर्वाह्न से 12.30 बजे अपराह्न तक अतिक्रमण उन्मूलन अभियान चला। यहाँ गाँधी मैदान, बापू सभागार एवं कारगिल चौक पर अतिक्रमण हटाया गया। अतिक्रमण उन्मूलन अभियान के दौरान दो ठेला एवं एक स्टॉल हटाया गया तथा 3,500/- रुपये की वसूली की गई। बांकीपुर अंचल में 10 बजे पूर्वाह्न से 04 बजे अपराह्न तक अतिक्रमण उन्मूलन अभियान चला। यहाँ राजेन्द्र सर्किल (कैन्टीन) पीएमसीएच के नजदीक अतिक्रमण हटाया गया। अतिक्रमण उन्मूलन अभियान के दौरान बांस-बल्ला एवं राविस हटाया गया। गौरतलब है कि छः दिनों में अतिक्रमण हटाओ अभियान में अभी तक 49,900/- रुपया की वसूली हुई है। आयुक्त रवि के निदेश पर यातायात पुलिस द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान क्षेत्र में विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। यातायात नियंत्रण कक्ष द्वारा आज अतिक्रमण हटाओ अभियान क्षेत्र में कुल 14 वाहनों से 13,500/- रुपया की राशि शमन के रूप में वसूल की गयी। छः दिनों में अतिक्रमण हटाओ अभियान क्षेत्र में अभी तक कुल 162 वाहनों से 2,79,500/- की राशि शमन के रूप में वसूल की गयी।

सरकारी योजना का बंदरबाट, लाखों खर्च के बावजूद तालाब पानीविहीन

बीकोठी एवं वासुदेवपुर पंचायत में तालाब का सौंदर्यीकरण साबित हो रहा बेकार

प्रात : किरण संवाददता

पूर्णिया/बड़हरा कोठी । प्रखंड अंतर्गत बड़हरी छठ पोखर व खादी भंडार तालाब के सौंदर्यीकरण के लिए बड़हरा एवं बासुदेवपुर पंचायत द्वारा विभिन्न मदों से अबतक कुल 6198324 रुपया कुल खर्च खर्च किया जा चुका है। बड़हरा के पूर्व मुखिया द्वारा 9,99,900 रुपया खर्च किया गया था।

योजना संख्या 01/22-23 द्वारा 13,60,500 रु योजना संख्या 02/22-23 द्वारा 13,61,100 रुपये पंचायत समिति बड़हरा द्वारा योजना संख्या 17/22-23 द्वारा 7,44,300 रु यानी कुल 44,65,800 रु बड़हरा पंचायत द्वारा खर्च किया गया है तथा बासुदेवपुर पंचायत से योजना संख्या 10/20-21 द्वारा 9,92,724 एवं योजना संख्या 06/22-23 द्वारा 7,39,800 रुपया कुल 17,32,524 रुपया खर्च किया गया है। तालाब में पानी नही रहने के सवाल पर प्रखंड मनरेगा पदाधिकारी अबू नजर फैजी ने बताया कि तालाब में पानी नही रहना प्राकृतिक मामला है। उन्होंने बताया कि तालाब के उराही के लिए प्राक्कलन तैयार है लेकिन बासुदेवपुर और बड़हरा पंचायत के मुखिया को लेकर मामला अटक हुआ है। स्वामित्व के निराकरण के लिए मैंने अंचलाधिकारी बड़हरा कोठी को लिखित पत्र दिया है। जल्द ही मामले का निपटारा कर उराही शुरू कर दिया जाएगा। पोखर एवं महार सहित 6.1/2 एकड़ जमीन में पांच बीधा जमीन में पोखर बना हुआ है।

सम्पादकीय

नाम गुम नहीं होगा

देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू से लेकर पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह तक नामकरण बदलने की जरूरत क्या है? प्रधानमंत्री, अंततः, देश का प्रधानमंत्री होता है और वह संवैधानिक होता है। यदि कैबिनेट ने किसी स्थान, भवन, संस्थान, पुरस्कार आदि का नामकरण, किसी प्रधानमंत्री के नाम पर, तय किया है, तो उसे एक अच्छी, खूबसूरत लोकतांत्रिक परंपरा के तौर पर स्वीकार करना चाहिए। यदि मौजूदा प्रधानमंत्री किसी पूर्व प्रधानमंत्री के स्मारक में हस्तक्षेप करता है और नामकरण ही बदल दिया जाता है, तो यह राजनीति की क्षुद्रता है। कमोबेश मौजूदा प्रधानमंत्री यह तो स्पष्ट करेंगे कि ऐसा क्यों किया गया? क्या सरकारें पहले की कैबिनेट के फैसलों को खारिज करने में ही जुटी रहेंगी? ऐसा करने से किसी प्रधानमंत्री स्तर के व्यक्तित्व का नाम, कद, ख्याति गुम नहीं हो सकते और न ही ऐसा जबरन किया जा सकता है। भारत में चंद्रशेखर, देवगौड़ा, इंद्रकुमार गुजराल सरीखे प्रधानमंत्री भी हुए हैं, जिनके कार्यकाल बेहद कम रहे, लेकिन प्रधानमंत्री के तौर पर उन्होंने जो भी निर्णय लिये, वे इतिहास में दर्ज हैं। देश उनके नाम पर मिट्टी फेरकर गुम नहीं कर सकता। प्रधानमंत्री के तौर पर पंडित नेहरू की लंबी विरासत है। 1947 से लेकर 27 मई, 1964 तक वह लगातार प्रधानमंत्री चुने जाते रहे। वह कालखंड संक्रमण, संकट और अभाव का था।

आज के भारत की अर्थव्यवस्था 3.75 ट्रिलियन डॉलर की है। उसकी तुलना में तब भारत गरीब देश ही था। यदि प्रधानमंत्री के तौर पर नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के नाम पर देश की 74 सडकों और भवनों, 98 शैक्षणिक संस्थानों, 52 राष्ट्रीय पुरस्कारों, 39 अस्पतालों, 15 राष्ट्रीय अभयारण्य, 28 खेल मुकाबलों, 19 स्टेडियम, 15 फेलोशिप, 09 हवाई अड्डों, 12 केंद्रीय और 52 राज्य योजनाओं तथा 37 अन्य संस्थानों के नामकरण किए गए थे, तो आज उन्हें खुरचने या मिटाने अथवा बदलने के औचित्य और तर्क क्या हैं? इन नेताओं को भरपूर जनादेश मिले और उन्होंने देश का नेतृत्व किया था। इन नामकरणों को ह्यवंशवादह्न की परिधि में तब बांधा जा सकता था, यदि वे किसी साम्राज्य की पीढ़ी-दर-पीढ़ी ईकाई होते और उनका राजतिलक शाही परंपराओं के मुताबिक किया जाता। ब्रिटेन के महाराजा किंग चार्ल्स की हालिया ताजपोशी लोकतांत्रिक नहीं है, लेकिन भारत में नेहरू-गांधी नामधारी प्रधानमंत्रियों के अलावा, असंख्य नेताओं के नामकरण पर सार्वजनिक स्थल और स्मारक हैं। यह सूची बहुत लंबी है। देश बखूबी जानता है। प्रधानमंत्री मोदी ने नेहरू मेमोरियल एंड लाइब्रेरी का नामकरण बदल कर प्रधानमंत्री स्मारक एवं पुस्तकालय कर दिया है।

इसका तर्क क्या हो सकता है? प्रधानमंत्री के रूप में यह भवन 16 साल तक नेहरू का आधिकारिक आवास था। उनकी स्मृतियां हैं। स्वतंत्रता संघर्ष से जुड़ी यादें और कुछ महत्त्वपूर्ण दस्तावेज यहां हैं। देश के दिवंगत प्रधानमंत्रियों की स्मृति में राजधानी दिल्ली में सैकड़ों एकड़ के भूखंड आवंटित किए गए हैं। उन्हें पर्यटन-स्थल भी बनाया गया है। जिन आवासों में नेतागण रहते थे, उन्हें स्मारक भी बनाया गया है और उन्हीं के नाम परह्न! नेहरू के नाम पर क्या दिक्कत है? परेशान करने वाली यह प्रवृत्ति है कि ऐसे फैसलों पर प्रधानमंत्री मोदी चुप्पी साध लेते हैं, जबकि खुद उनके ही फैसले होते हैं। सवाल है कि क्या नेहरू-गांधी के नामकरण वाले स्मारकों का नाम बदलना ही भाजपा की राजनीति है? ये नामकरण प्रधानमंत्री मोदी को क्यों चुभते हैं और उन्हें बदल कर भाजपा कौन-सा लंबा-चौड़ा जनादेश हासिल कर सकती है? इस विषय पर मोदी को चुप्पी तोड़ते हुए स्पष्टीकरण देना चाहिए।

अब मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में बढ़ी नौकरियां

डा. जयंतीलाल भंडारी

यकीनन देश के बढ़ते हुए मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में रोजगार के मौके भी तेजी से बढ़ते हुए दिखाई दे रहे है। पिछले माह मई 2023 में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के लिए पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) 58.7 पर पहुंच गया। पिछले 31 महीनों में पीएमआई का यह सबसे ऊंचा स्तर है। यह स्पष्ट रेखांकित हो रहा है कि उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रही है। हाल ही में केंद्रीय संचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) हार्डवेयर के लिए पीएलआई योजना-2.0 को स्वीकृति देते हुए इसके लिए 17000 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया है। इस पीएलआई योजना से चीन से अन्यत्र जा रही विश्व की दिग्गज आईटी हार्डवेयर कंपनियों के भारत आने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। साथ ही भारत से आईटी हार्डवेयर का निर्यात भी तेजी से बढे का परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि सरकार ने आईटी हार्डवेयर की इस नई पीएलआई योजना के पिछले स्वरूप के लिए 7325 करोड़ रुपये का प्रावधान किया था। इस योजना का उद्देश्य देश में इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण को बढ़ावा देते हुए लैपटॉप, टैबलेट, पर्सनल कंप्यूटर और आधुनिक कंप्यूटिंग उपकरणों के उत्पादन को प्रोत्साहित करना है। इस पीएलआई योजना में किए गए नए बदलावों और प्रोत्साहनों से सरकार को उम्मीद है कि तय अवधि में आईटी हार्डवेयर क्षेत्र में 2430 करोड़ रुपये के निवेश आने के साथ-साथ 75000 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित करने और उत्पादन मूल्य 3.55 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का परिदृश्य दिखाई दे सकेगा।

ज्ञातव्य है कि देश में वर्ष 2020 से शुरू हुए आत्मनिर्भर भारत अभियान में मैन्युफैक्चरिंग के तहत उद्योगों को प्राथमिकता के साथ तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। देश को इस सेक्टर में तेजी से आगे बढ़ाने और चीन से आयात किए जाने वाले दवाई, रसायन और अन्य कच्चे माल का विकल्प तैयार करने के लिए पिछले तीन वर्ष में सरकार ने प्रोडक्शन लिंक्ड इनसेंटिव (पीएलआई) स्कीम के तहत 14 उद्योगों को करीब 1.97 लाख करोड़ रुपए आवंटन के साथ प्रोत्साहन सुनिश्चित किए हैं। पीएलआई योजना के तहत पांच वर्षों में 60 लाख नौकरियों के अवसर सृजित किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। उल्लेखनीय है कि देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में करीब 17 फीसदी योगदान देने वाला मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर करीब 2.73 करोड़ से अधिक श्रमबल के साथ अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। भारत विश्व में दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन विनिमार्ता है और तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल मार्केट है। भारत का फार्मा उद्योग उत्पादित मात्रा के आधार पर दुनिया में तीसरे क्रम पर है। साथ ही भारत दुनिया में सबसे अधिक मांग वाला तीसरा बड़ा विनिर्माण गंतव्य है। इलेक्ट्रानिक्स और रक्षा क्षेत्र में लगातार आयात पर निर्भर रहने वाला भारत अब बड़े पैमाने पर इनका निर्यात करने लगा है। देश में ऑटोमोबाइल, फार्मा, केमिकल, फूड प्रोसेसिंग और टेक्सटाइल सेक्टर जैसे मैन्युफैक्चरिंग के विभिन्न सेक्टरों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का प्रवाह तेजी से बढ़ रहा है। भारत का वाणिज्यिक वस्तुओं का निर्यात पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में 447 अरब डॉलर के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गया है। देश से बढ़ते हुए मैन्युफैक्चरिंग निर्यात मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को गतिशील कर रहा है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि देश के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को आगे बढ़ाने के लिए सरकार रणनीतिक रूप से आगे बढ़ रही है।

भारत को एक वैश्विक डिजाइन और विनिर्माण केंद्र में बदलने के लिए मेक इन इंडिया 2.0, मैन्युफैक्चरिंग इकाइयों के लिए तकनीकी समाधान को बढ़ावा देने के लिए उद्योग 4.0, स्टार्टअप संस्कृति को उत्प्रेरित करने के लिए स्टार्टअप इंडिया, मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी अवसंरचना परियोजना के लिए पीएम गति शक्ति और उद्योगों को डिजिटल तकनीकी शक्ति प्रदान करने के लिए डिजिटल इंडिया जैसी सफल पहलों के कारण भारत चतुर्थ औद्योगिक क्रांति की दिशा में आगे बढ़ रहा है। भारतीय कंपनियां शोध व नवाचार में आगे बढ़ रही हैं। ऑटोमेशन और रोबोटिक्स जैसे क्षेत्रों पर भी उद्योग की ओर से अपेक्षित ध्यान दिया जा रहा है। सरकार को उम्मीद है कि ऐसे विभिन्न कार्यक्रमों और नीतियों के कारगर कार्यान्वयन से वर्ष 2025 तक जीडीपी का 25 फीसदी योगदान मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर से आएगा। उल्लेखनीय है कि 30 अप्रैल को प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात की 100वीं कड़ी में कहा कि देश में स्थानीय अर्थव्यवस्था का समर्थन करने और वोकल फॉर लोकल मुहिम के प्रसार ने स्थानीय उत्पादों की खरीदी को पहले की तुलना में अधिक समर्थन दिया है और इससे मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को भारी प्रोत्साहन मिला है। स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि चीन के खिलाफ नकारात्मक धारणा बनने से भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को नया आधार मिल रहा है। भारत सस्ती लागत और कार्य कौशल के मद्देनजर विनिर्माण में चीन को पीछे छोड़ते हुए दिखाई दे रहा है। 85 देशों के मैन्युफैक्चरिंग से संबंधित विभिन्न कारकों का समग्र मूल्यांकन करने वाली विश्व प्रसिद्ध यूएस न्यूज एंड वर्ल्ड रिपोर्ट-2022 के तहत सस्ते विनिर्माण के मद्देनजर भारत ने चीन और वियतनाम को पीछे छोड़ते हुए दुनिया भर में सबसे कम विनिर्माण लागत वाले देश का दर्जा हासिल कर लिया है। जैसे-जैसे सरकार के द्वारा चीन से आयात होने वाले घटिया स्तर के उत्पादों पर विभिन्न तरह से प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं ।

योग दिवस 21 जून पर विशेष : योग से इंडिया बनेगा फिट एण्ड हिट

योगेश्वर भगवान कृष्ण ने योग को सर्वोपरि बताया है। उन्होंने कहा है कि योगस्थ : कुरु कर्माणि इसका तात्पर्य है कि योग में स्थिर होकर ही सद्चित कर्म संभव है। गीता का छठवां अध्याय योग को समर्पित है। योग हमारा आध्यात्मिक और वैज्ञानिक ज्ञान है। योग की सार्थकता को दुनिया के कई धर्मों ने स्वीकार किया है। योग सिर्फ व्यायाम का नाम नहीं है बल्कि मन, मस्तिष्क, शारीरिक और विकारों को नियंत्रित करने का माध्यम भी है। जब समाज अच्छा होगा तो देश की प्रगति में हमारा अहम योगदान होगा। आज पूरी दुनिया योग और प्राणायाम की तरफ बढ़ रही है। योग भारत के लिए आने वाले दिनों में बड़ा बाजार साबित हो सकता है। विश्व के लगभग 200 से अधिक देश भारत की इस गौरवशाली वैदिक परंपरा का अनुसरण कर रहे हैं। योग को अब वैश्विक मान्यता मिल गई है। कोरोना संक्रमण काल में भी योग हमारे लिए संजीवनी साबित हो रहा है। हम योग को अपना कर इस महामारी में भी अपने स्वस्थ रख सकते हैं। भारत में योग की परंपरा 5000 हजार साल पुरानी है।

प्रभुनाथ शुक्ल
वरिष्ठ पत्रकार, लेखक और समीक्षक

भगवान कृष्ण ने गीता में कहा है-योगः कर्मसु कौशलम यानी हमारे कर्मों में सर्वश्रेष्ठ योग है। योग यज्ञ है और यज्ञ कर्म है। योग जीवात्मा और परमेश्वर के मिलन का साधन मात्र ही नहीं बल्कि ईश साधना का भी साध्य भी है। योगेश्वर भगवान कृष्ण ने योग को सर्वोपरि बताया है। उन्होंने कहा है कि योगस्थः कुरु कर्माणि इसका तात्पर्य है कि योग में स्थिर होकर ही सद्चित कर्म संभव है। गीता का छठवां अध्याय योग को समर्पित है। योग हमारा आध्यात्मिक और वैज्ञानिक ज्ञान है। योग की सार्थकता को दुनिया के कई धर्मों ने स्वीकार किया है।

योग सिर्फ व्यायाम का नाम नहीं है बल्कि मन, मस्तिष्क, शारीरिक और विकारों को नियंत्रित करने का माध्यम भी है। जब समाज अच्छा होगा तो देश की प्रगति में हमारा अहम योगदान होगा। आज पूरी दुनिया योग और प्राणायाम की तरफ बढ़ रही है। योग भारत के लिए आने वाले दिनों में बड़ा बाजार साबित हो सकता है। विश्व के लगभग 200 से अधिक देश भारत की इस गौरवशाली वैदिक परंपरा का अनुसरण कर रहे हैं। योग को अब वैश्विक मान्यता मिल गई है। कोरोना संक्रमण काल में भी योग हमारे लिए संजीवनी साबित हो रहा है। हम योग को अपना कर इस महामारी में भी अपने स्वस्थ रख सकते हैं।

भारत में योग की परंपरा 5000 हजार साल पुरानी है। 11 दिसम्बर, 2014 को इसका प्रस्ताव भारत ने संयुक्त राष्ट्र में दिया था। अमेरिका और यूरोप समेत दुनिया के 177 देशों ने भारत के पक्ष में वोट किया था, जिसके बाद भारत दुनिया का विश्वगुरु बन गया। संयुक्त राष्ट्र संघ ने 90 दिनों के भीतर पीएम मोदी के प्रस्ताव को मंजूर किया। हम योग के 21 आसनों को अपनाकर अपनी जिंदगी को सुखी, शांत और निरोगी बनाकर खुशहाल जीवन जी सकते हैं। जब हम तन और मन से स्वस्थ रहेंगे तो राष्ट्र निर्माण और उसके विकास में अपनी अहम भूमिका निभा सकते हैं। योगगुरु बाबा रामदेव योग को वैश्विक मान्यता मिलने पर इसे भारत की जीत बताया था। दुनिया योग को अपने जीवन की दिनचर्या बना लिया है। योग संपूर्ण जीवन और चिकित्सा पद्धिति बन गया है। दुनिया में शांति युद्ध से नहीं योग से आएगी। भारत के साथ दुनिया में 20 करोड़ से अधिक लोग योग साधना का लाभ उठा रहे हैं। आधुनिक युग की व्यस्त दिनचर्या में योग हमारे लिए अमृत है। अपनी जिंदगी को खुशहाल और डिप्रेशन मुक्त बनाने के लिए योग हमें खुला आकाश देता है। हम धर्म, जाति, भाषा, संप्रदाय के साथ बंधकर स्वयं के साथ देश का अहित करेंगे।

योग शास्त्र का इतिहास गौरवशाली उपलब्धि से अटा पड़ा है। हमारे यहां लययोग, राजयोग का भी वर्णन है। योगशास्त्र का इतिहास गौरवशाली उपलब्धि से अटा पड़ा है। हमारे यहां लययोग, राजयोग का भी वर्णन है। चित्त की निरुद्ध अवस्था लययोग में आती है। राजयोग सभी योगों से श्रेष्ठ बताया गया है। महर्षि पतंजलि की योग परंपरा भारत में अधिक समृद्धशाली है। योगगुरु बाबा रामदेव आज पतंजलि योग व्यवस्था के संवाहक बने हैं। दुनिया भर में योग की महत्व स्थापित करने में पतंजलि योग संस्थान ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। योग और आयुर्वेद को उन्होंने वैश्विक स्वीकारोक्ति बना दिया है। पतंजलि योग साधना के आठ आयाम हैं। जिसमें यम, नियम, आसन, प्रणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि है। योग का संबंध सिंधु घाटी सभ्यता से भी है। प्राचीन काल की कई मूर्तियां योग मुद्रा में स्थापित हैं। भगवान शिव को योग मुद्रा में देखा जा सकता है। बुद्ध की मूर्तियां भी योग साधना में स्थापित हैं। बौद्ध और जैनधर्म में भी योग की महत्ता पर काफी कुछ है। बौद्ध और धर्म के अलावा ईसाई और इस्लाम में सूफी संगीत परंपरा में भी योग की बात आई हैं। भारत की योग व्यस्था को पटल पर लाने में योग गुरु बाबा रामदेव और बीकेएस अंयगर के योगदान को नहीं भूलाया जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल से संयुक्तराष्ट्र संघ ने भी योग के महत्व को स्वीकार किया है। प्रधानमंत्री मोदी योग को लेकर स्वयं बेहद जागरूक है। वह योग करते हुए अपने कई वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करते रहते हैं। फिट इंडिया, हिट इंडिया उनका मूलमंत्र है। इसके साथ वह लोगों से अपील करते हैं कि आप योग के जरिए अपने मन, मस्तिष्क और शरीर को स्वस्थ रखें, जिससे आपका सहयोग देश के विकास में अच्छे तरीके से हो।

विज्ञान और विकास के बढ़ते कदम तनाव की जिंदगी दे रहा है। जिंदगी की गति अधिक तेज हो चली है। लोगों के जीने का नजरिया बदल रहा है। काम का अधिक दबाव बढ़ रहा है इससे हाईपर टेंशन, और दूसरी बीमारियां फैल रही हैं। तनाव का सबसे बेहतर इलाज योग विज्ञान में हैं, वहीं लोगों में सुंदर दिखने की बढ़ती ललक भी योग और आयुर्वेद विज्ञान को नया आयाम देगी। यह पूरे भारत के लिए गर्व का विषय है। आम आदमी के जिंदगी में तनाव तेजी से बढ़ रहा है। आजकी भगदौड़ में पूरी जिंदगी असंयमित हो गई है, जिसकी वजह से परिवार में तनाव और झगड़े होते हैं। लोगों के पास आज पैसा है लेकिन शांति नहीं है, जिसकी वजह से परिवार में संतुलन गायब है। लोग खुद से संतुष्ट नहीं है। इस स्थिति से निकालने के लिए योग सबसे बेहतर उपाय हो सकता है। इसलिए भागदौड़ की जिदंगी को अगर संयमित और संतुलित करना है तो मन को स्थिर रखना होगा। जब तक हमें मानसिक शांति नहीं मिलेगी तब तक हम जीवन के विकारों से मुक्त नहीं हो सकते हैं। उस स्थिति में योग ही सबसे सरल और सुविधा युक्त माध्यम हमारे पास उपलब्ध है। हमारी हजारों साल की वैदिक परंपरा को वैश्विक मंच मिला है। योग का प्रयोग अब दुनिया भर में चिकित्सा विज्ञान के रूप में भी होने लगा है, उसे स्थिति हमें अपने जीवन के साथ जीने का नजरिया भी बदलना होगा। योग से संबंधित यूनिवर्सिटी, शोध संस्थान, आयुर्वेद मेडिसिन उद्योग नई उम्मीदें और आशाएं लेकर आएगा। भारत और दुनिया भर में योग के लिए संस्थान स्थापित हुए हैं। योग को पर्यटन उद्योग के रूप में विकसित किया जा सकता है। योग स्वस्थ दुनिया की तरफ बढ़ता कदम है।

देशों के शीर्ष नेताओं की कथनी और करनी में अंतर क्यों?

टीबी पर प्रथम उच्च स्तरीय बैठक 2018 में हुई थी (जिसमें शामिल होने का सौभाग्य मुझे भी मिला था) जब देशों के शीर्ष नेताओं ने एक राजनीतिक घोषणापत्र जारी करके अनेक वायदे किए थे जो 2022 तक पूरे करने थे। पर इन सभी वायदों पर अधिकांश देशों ने असंतोषजनक प्रगति की है। अब आगामी सितंबर में यही नेता टीबी उन्मूलन हेतु एक नया राजनीतिक घोषणापत्र जारी करेंगे। क्या 2023 का नया घोषणापत्र जमीनी असलियत में भी बदलेगा या पुराने घोषणापत्र की तरह कागजों में ही कैद रह जाएगा? दुनिया में संक्रामक रोगों के कारण होने वाली मृत्यु में, सबसे अधिक मृत्यु टीबी से होती है। टीबी गरीब और विकासशील देशों में आज भी सबसे घातक संक्रामक रोग बना हुआ है। सरकारी नारा टीबी से बचाव मुमकिन है और पक्का इलाज मुमकिन है-जो वैज्ञानिक रूप से तो सत्य है-परंतु भारत में प्रति वर्ष टीबी से जो 30 लाख व्यक्ति ग्रसित होते हैं और 5 लाख से अधिक व्यक्ति मृत्यु को प्राप्त होते हैं, उनके लिए यह खोखला नारा मात्र है। विश्व में टीबी से ग्रसित रोगियों की संख्या और टीबी से मरने वालों की संख्या घटने के बजाय बढ़ी है-2019 में 1 करोड़ लोग टीबी से ग्रसित हुए थे परन्तु 2021 में यह संख्या 1.6 करोड़ तक पहुँच गई।

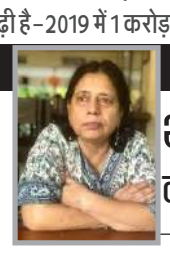

शोभा शुक्ला
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

विश्व के सभी देशों के शीर्ष नेता आगामी सितंबर 2023 को न्यू यॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासम्मेलन में भाग लेंगे जहां टीबी पर दूसरी संयुक्त राष्ट्र उच्च स्तरीय बैठक भी होगी। टीबी पर प्रथम उच्च स्तरीय बैठक 2018 में हुई थी (जिसमें शामिल होने का सौभाग्य मुझे भी मिला था) जब देशों के शीर्ष नेताओं ने एक राजनीतिक घोषणापत्र जारी करके अनेक वायदे किए थे जो 2022 तक पूरे करने थे। पर इन सभी वायदों पर अधिकांश देशों ने असंतोषजनक प्रगति की है। अब आगामी सितंबर में यही नेता टीबी उन्मूलन हेतु एक नया राजनीतिक घोषणापत्र जारी करेंगे। क्या 2023 का नया घोषणापत्र जमीनी असलियत में भी बदलेगा या पुराने घोषणापत्र की तरह कागजों में ही कैद रह जाएगा?

दुनिया में संक्रामक रोगों के कारण होने वाली मृत्यु में, सबसे अधिक मृत्यु टीबी से होती है। टीबी गरीब और विकासशील देशों में आज भी सबसे घातक संक्रामक रोग बना हुआ है। सरकारी नारा ह्लटीबी से बचाव मुमकिन है और पक्का इलाज मुमकिन हैह्न-जो वैज्ञानिक रूप से तो सत्य है-परंतु भारत में प्रति वर्ष टीबी से जो 30 लाख व्यक्ति ग्रसित होते हैं और 5 लाख से अधिक व्यक्ति मृत्यु को प्राप्त होते हैं, उनके लिए यह खोखला नारा मात्र है। विश्व में टीबी से ग्रसित रोगियों की संख्या और टीबी से मरने वालों की संख्या घटने के बजाय बढ़ी है-2019 में 1 करोड़ लोग टीबी से ग्रसित हुए थे परन्तु 2021 में यह संख्या 1.6 करोड़ तक पहुँच गई। उसी प्रकार वैश्विक स्तर पर 2019 में 14 लाख लोग टीबी से मृत हुए थे परंतु यह संख्या 2021 तक 16 लाख पहुँच गई।

2018 की टीबी पर प्रथम संयुक्त राष्ट्र उच्च स्तरीय बैठक में किए वायदों का क्या हुआ? 2018 की संयुक्त राष्ट्र की उच्च स्तरीय बैठक में देश के प्रमुखों ने तय किया था कि 2022 तक 4 करोड़ लोगों को टीबी जाँच और इलाज मिलेगा, जिनमें 35 लाख बच्चे और 15 लाख दवा प्रतिरोधक टीबी से ग्रसित लोग शामिल हैं। परंतु 2021 के अंत तक टीबी का इलाज केवल 2.63 करोड़ (लक्ष्य का 66%) को मिल सका, जिनमें 19 लाख बच्चे (लक्ष्य का 38%) और 6.5 लाख दवा प्रतिरोधक टीबी (लक्ष्य का 43%) से ग्रसित लोग शामिल थे। 2018 के टीबी जाँच के लक्ष्य पर भी प्रगति असंतोषजनक रही-केवल 38% को विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा प्रमाणित रैपिड मॉलिक्यूलर जाँच नसीब हुई। टीबी की जाँच नहीं होगी तो इलाज नहीं मिलेगा, और अनावश्यक मानवीय पीड़ा झेलनी पड़ेगी एवं संक्रमण का फैलाव भी नहीं रुकेगा। 62% टीबी से ग्रसित लोगों को यह रैपिड मॉलिक्यूलर जाँच तक नहीं मिली, यह अत्यंत चिंता का विषय है। जरा सोचें कि क्या यह मानवाधिकार का मुद्दा नहीं है?

टीबी बचाव इतना कमजोर क्यों?

2018 के राजनीतिक घोषणापत्र में एक लक्ष्य यह भी था कि कम-से-कम 3 करोड़ लोगों तक टीबी से बचाव वाला इलाज पहुँचाना। लेटेंट टीबी (यानी व्यक्ति में टीबी बैकटीरिया तो है पर रोग नहीं उत्पन्न कर रहे हैं) से संक्रमित लोगों में न तो कोई टीबी लक्षण होता है और न टीबी रोग, और न ही इनसे किसी अन्य को संक्रमण फैल सकता है। परंतु जिन लोगों को लेटेंट टीबी के साथ-साथ एचआईवी, मधुमेह, तम्बाकू सेवन, धूम्रपान या शराब का नशा, कुपोषण, या अन्य खतरा बढ़ाने वाले कारण भी होते हैं, उन लोगों में लेटेंट टीबी के टीबी रोग में परिवर्तित होने का खतरा बढ़ जाता है।

टीबी का हर नया रोगी, पूर्व में लेटेंट टीबी से संक्रमित हुआ होता है। और हर नया लेटेंट टीबी से संक्रमित रोगी इस बात की पुष्टि करता है कि संक्रमण नियंत्रण निष्फल था जिसके कारणवश टीबी बैक्टीरिया एक टीबी संक्रमित रोगी से एक असंक्रमित व्यक्ति तक फैला। अब विज्ञान ने ऐसे प्रभावकारी इलाज मुहैया कराये हैं जिनके चलते लेटेंट टीबी से ग्रसित व्यक्ति को टीबी रोग होने का खतरा नहीं रहता। टीबी उन्मूलन की दिशा में एक अति आवश्यक कदम लेटेंट टीबी का उन्मूलन है।

इसीलिए 2018 में सरकारों ने लेटेंट टीबी का सर्वोत्तम प्रभावकारी इलाज कम-से-कम 3 करोड़ लोगों को मुहैया करवाने का वायदा किया था जिससे कि इन 3 करोड़ लोगों को (जिनकी लेटेंट टीबी, टीबी रोग में परिवर्तित हो सकती है) टीबी रोग न हो। इन 3 करोड़ लोगों में 40 लाख 5 साल से कम आयु के बच्चे, 2 करोड़ ऐसे लोग जो टीबी रोगी के घर के सदस्य हों आदि, और 60 लाख एचआईवी के साथ जीवित लोग शामिल थे। परंतु 2021 के अंत तक, इस लक्ष्य की केवल 42% प्राप्ति हुई थी। 3 करोड़ के बजाय मात्र 1.25 करोड़ लोगों को लेटेंट टीबी का इलाज मिल सका (जिनमें 16 लाख बच्चे (लक्ष्य का 40%), 6 लाख टीबी रोगी के घर-परिवार के सदस्य (लक्ष्य का 3%) और 1.03 करोड़ एचआईवी के साथ जीवित लोग शामिल थे।

2018 में किया गया एक अंतर-सरकारी वायदा यह भी था कि 2022 तक वैश्विक टीबी कार्यक्रम के लिए आवश्यक पूरा निवेश प्रदान किया जाएगा जो अमरीकी डॉलर 13 अरब है। परंतु 2021 के अंत तक केवल 42% धनराशि ही उपलब्ध हो सकी है। जब नवीनतम और प्रभावकारी टीबी जाँच और इलाज दुनिया के सभी गरीब-अमीर देशों के सभी जरूरतमंद पात्र लोगों को मुहैया नहीं होगा तो टीबी उन्मूलन कैसे संभव होगा?

वायदा तो किया पर निवेश क्यों नहीं किया? इसी तरह टीबी के शोध पर सालाना अमरीकी डॉलर 2 अरब व्यय करने का वायदा भी केवल कागजी वायदा बन कर ही रह गया क्योंकि 2021 के अंत तक टीबी शोध पर व्यय 1 अरब अमरीकी डॉलर से भी कम रहा। गौर करें कि टीबी की अधिक प्रभावकारी जाँच (जो गरीब और विकासशील देशों में भी मुस्तैदी से हो सके), और इलाज (जो अत्यंत प्रभावकारी, सरल, सहज और अत्यंत कम अवधि के हों और दवा की विषाक्तता भी रोगी को न झेलनी पड़े) के लिए शोध अत्यंत जरूरी है। इसमें टीबी वैक्सीन टीका भी शामिल है। मौजूदा टीका 100 साल से पुराना बीसीजी टीका है जो फि लहाल दुनिया की एकमात्र टीबी वैक्सीन है-जो अधिकांश लोगों को हर प्रकार की टीबी से बचाने में सफल नहीं है। नयी प्रभावकारी वैक्सीन, बेहतर जाँच और इलाज के लिए शोध जरूरी है, और इससे भी ज्यादा जरूरी यह है कि जब कोई भी नवीन जाँच, इलाज या टीके उपलब्ध हों तो दुनिया के प्रत्येक टीबी रोगी को समानता से बिना-विलंब मिल सकें। यदि टीबी उन्मूलन के सपने को साकार करना है तो 2023 के राजनीतिक घोषणापत्र को कमजोर न करें। सितंबर 2023 में होने वाली संयुक्त राष्ट्र उच्च स्तरीय बैठक में पारित होने वाला नया राजनीतिक घोषणापत्र यदि कमजोर हुआ तो निःसंदेह वैश्विक टीबी आंदोलन के लिए एक बड़ा सदमा होगा। इस घोषणापत्र में सरकारें महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखें, निवेश बढ़ायें, जवाबदेही प्रणाली को मजबूत करें, और मानवाधिकार के सिद्धांतों पर आधारित वैश्विक और जमीनी टीबी कार्यक्रम को संचालित करने में अपना योगदान दें। सुब्रत मोहंती, वैश्विक स्टॉप टीबी पार्टनरशिप के बोर्ड सदस्य हैं और एक लंबे अरसे से टीबी उन्मूलन के लिए प्रयासरत रहे हैं। उनका कहना है कि इस 2023 के राजनीतिक घोषणापत्र में जो वायदे किए जाएँ वे 2018 के राजनीतिक घोषणापत्र से कमजोर नहीं हो सकते हैं।

शरीर, मन और आत्मा को जोड़ता है योग का धागा!

सोनम लववंशी

समस्त सृष्टि और संस्कार में योग समाहित है। योग विकारों से मुक्ति का मार्ग है। योग हमारे आध्यात्मिक और वैज्ञानिक ज्ञान का परिचायक है। योग की सार्थकता को दुनिया के लगभग सभी धर्मों ने स्वीकृति प्रदान की है। आत्मा को परमात्मा से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण साधन योग ही है। इसमें शरीर, मन और आत्मा को एक साथ लाने का गुण होता है। सनातन परम्परा में योग को काफी महत्व दिया गया है। तभी तो श्रीमद्भागवत गीता में योग शब्द का कई मर्तबा उपयोग किया गया है, जैसे बुद्धि योग, सन्यास योग, कर्मयोग इत्यादि। श्रीमद्भागवत गीता में श्रीकृष्ण जी ने कहा ही है कि, योगः कर्मसु कौशलम। अर्थात कर्म में कुशलता ही योग है। इतना ही नहीं महर्षि पतंजलि ने योग दर्शन में कहा है कि, योगश्चितवृतिनिरोधः जिसका अर्थ हुआ चित की वृतियों के निरोध का नाम योग है। वहीं विष्णु पुराण के अनुसार- योगः संयोग इत्युक्त जीवात्म परमात्मने अर्थात जीवात्मा तथा परमात्मा का पूर्णतया मिलन ही योग है।

योग एक प्राचीन परंपरा है। जो लगभग 5 हजार वर्षों से अनवरत चली आ रही है और इस योग परंपरा को नरेंद्र मोदी जी की सरकार में काफी बढ़ावा मिला है। आज विश्व के 200 से अधिक देश भारत की इस गौरवशाली वैदिक परंपरा का अनुसरण कर रहे और जीवन को बेहतर बनाने का जरिया योग को बना रहे हैं। तो इसके पीछे अहम योगदान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का है। उन्होंने योग को वैश्विक पटल पर स्थापित करने का कार्य किया है। योग को वैश्विक मान्यता मिल चुकी है। ऐसे में अब, योग जीवात्मा और परमेश्वर के मिलन का साधन मात्र ही नहीं बल्कि ईश साधना का भी साध्य बन चुका है। गीता का छठवां अध्याय योग को समर्पित है। योग की ताकत कोरोना काल में दुनिया ने देखी है।

योग और प्राणायाम ने जहां कोरोना काल में फेफड़ें को मजबूती प्रदान की। वहीं ऑक्सीजन का स्तर भी बढाने में मदद की। प्राचीन काल से ही हमारी संस्कृति सत्व प्रधान रही है और योग जीवनशैली का महत्वपूर्ण अंग हुआ करता था। जिसे कोरोना काल में पुनः एक बार मजबूती मिली। कोरोना काल के बाद से लोग योगिक जीवनशैली के प्रति सचेत हुए हैं। जो एक सुखद संदेश है। योग स्वयं को स्वस्थ रखने और इम्यून शक्ति बढ़ाने का सबसे उपयोगी साधन है और यही वजह है कि इसको वैश्विक स्तर पर प्रचारित-प्रसारित करने का काम केंद्र की सरकार कर रही है। 21 जून को ही अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाए जाने के पीछे भी अपना वैज्ञानिक तर्क है। गौरतलब है कि 21

संक्षिप्त खबरें

बूढ़ी गंडक नदी में डूबने से एक व्यक्ति की मौत

बूढ़ी गंडक नदी के बुधनगरा घाट के समीप नहाने के दौरान एक व्यक्ति की मौत घटनास्थल पर ही हो गई है।, स्थानीय गोताखोर ने कड़ी मशक्कत कर शव को बाहर निकाला।घटना मुसहरी थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है । सोमवार की दोपहर करीब 1:00 बजे भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए नदी में नहाने चले गए जहां उनकी डूबने से मौत हो गई, मृतक की पहचान बोचहां थाना क्षेत्र के चक अब्दुल रहमान निवासी रविंद्र सहनी 35 के रूप में हुई है, ।इस घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।, मृतक की चार बेटियां जो अभी काफी छोटी है।, बड़ी पुत्री की उम्र महज 8 वर्ष है।, मुसहरी और बोचहा थाने के पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंच कर कागजी कार्रवाई पूरी की और शव को पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया।

ट्रेन से गिरकर युवक हुआ घायल,रेफरल अस्पताल से जमुई किया गया रेफर

झाझा-झाझा सिमुलतला मुख्य रेलखंड के बीच पड़ने वाले घोरपाड़न हॉल्ट के पास ट्रेन से गिरकर एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।उस रास्ते से गुजर रहे एक ई रिक्शा चालक ने लहुलुहान अवस्था में गिरे पड़े युवक की मदद करते हुये उसे उठाकर इलाज के लिये रेफरल अस्पताल लाया जहाँ चिकित्सक डॉ.नबाब के द्वारा घायल युवक का इलाज किया गया लेकिन घायल युवक की स्थिति गंभीर देखकर डॉक्टर ने घायल युवक को बेहतर इलाज के लिये जमुई सदर अस्पताल रेफर कर दिया।घायल युवक के पास मिले पहचान पत्र से उसकी जमुई जिला के खैरा थानाक्षेत्र अंर्तगत बोड़न गांव निवासी संधु मुर्मू का 30 वर्षीय पुत्र सुबोध मुर्मू के रूप में हुई है।बताया जाता है कि युवक बैंग्लोर में दैनिक मजदूरी का काम करता है और और वह किसी ट्रेन से सोमवार को अपने घर जाने के लिये झाझा रेलवे स्टेशन पर उतरने वाला था कि तभी वह घोरपाड़न हॉल्ट के पास चलती ट्रेन से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया।

पाटलीपुत्रा एक्सप्रेस से शराब,बियर हुआ बरामद

झाझा-झारखंड दिशा से आने वाली गाड़ी हटिया पटना पाटलीपुत्रा एक्सप्रेस में रेलपुलिस ने सर्च अभियान चलाकर विदेशी शराब और केन बियर बरामद किया है।जानकारी देते हुये रेलथानाध्यक्ष अरबिंद कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर उक्त गाड़ी के लगते ही सर्च अभियान चलाया गया।जिसमें इंजन से पीछे तीसरा साधारण बोगी के शौचालय के पास से एक बैग लावारिस स्थिति में बरामद हुआ तो उसे संदेह के आधार पर सर्च किया गया तो बैग से विदेशी शराब और केन बियर बरामद हुआ।रेलथानाध्य ने आगे बताया कि बरामद बैग से छह बोतल विदेशी शराब तथा अठारह पीस केन बियर बरामद हुआ।इस संदर्भ में रेलथाना में अज्ञात शराब तस्कर के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने के बाद आगे की कार्रवाई रेलपुलिस के द्वारा की जा रही है।

अनुरंजन सिंह बने लोकसभा चुनाव का प्रभारी

मधुबनी जयनगर प्रखण्ड क्षेत्र के शीलानाथ गांव निवासी अनुरंजन सिंह को आगामी लोकसभा के चुनाव देखते हुए झंझारपुर लोकसभा का प्रभारी बनाया गया इससे पूर्व अनुरंजन सिंह एनएसयूआई के कॉलेज अध्यक्ष विश्वविद्यालय महासचिव दो बार एनएसयूआई का जिला अध्यक्ष निर्वाचित लोकसभा युवा कांग्रेस का अध्यक्ष युवा कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष रह चुके हैं इन्हें युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष निवास बीवी युवा कांग्रेस के बिहार के प्रभारी राजेश सनी और युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शिव प्रकाश गरीबदास जी ने पर विश्वास कर इन्हें झंझारपुर लोकसभा का प्रभारी बनाया इनके प्रभारी बनाए जाने पर पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ शकील अहमद शाहब पूर्व मंत्री कृपा नाथ पाठक विधान परिषद प्रेम चंद्र मिश्रा पूर्व विधायक भावना झा पूर्व जिला अध्यक्ष शीतलामबर झा जिला अध्यक्ष मनोज मिश्रा कृष्णकांत झा गुड्डू शब्बीर अहमद दीपक कुमार सिंह राम इकबाल पासवान ललन सिंह नरेंद्र झा रामचंद्र शाह नित्यानंद झा मोहम्मद चांद धनुष लाल महतो शिवनाथ ठाकुर अमन झा अवधेश सिंह नेहाल शेख मोहम्मद आसिफ सुजीत यादव अन्य कांग्रेसी नेताओं ने बधाई दी।

निक्षय मित्र बनकर यक्ष्मा मरीजों का रखें ध्यान और घर तक पहुंचाएं पोषण की पोटली : राज्यपाल

दवा एवं पोषणयुक्त आहार सेवन के बारे में भावनात्मक रूप से प्रेरित करें

प्रात : किरण, संवाददाता

मोतिहारी। राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने बिहार को वर्ष 2025 तक टीबी मुक्त राज्य बनाने के लिए अभियान चलाकर लोगों व समाजसेवी संस्थानों से आगे बढ़कर यक्ष्मा मरीजों की सहायता करने की अपील की है। उन्होंने परिसदन मोतिहारी में टीबी पर नियंत्रण हेतु संबंधित पदाधिकारियों, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं रेडक्रॉस सोसायटी के सदस्यों के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान राज्यपाल ने कहा कि टीबी मरीजों को गोद लेकर उनके पूर्णतः ठीक होने तक उन मरीजों की देखभाल करना बेहद जरूरी है। तभी जिला या राज्य टीबी से लड़ाई जीत सकता है। उन्होंने कहा कि निक्षय मित्र बनकर समय पर यक्ष्मा मरीजों के घर तक पोषण की पोटली पहुंचाएं ताकि उसका सेवन कर यक्ष्मा मरीज स्वस्थ हो सकें। उन्होंने कहा कि प्रायः देखा जा रहा है कि प्रधानमंत्री निक्षय मित्र योजना के तहत विभिन्न संगठनों के लोग एवं समाजसेवी निक्षय मित्र बन फूड बास्केट मरीजों के घर से काफी दूरी पर देते जिसके कारण उन्हें पोषण पोटली प्राप्त करने में कठिनाई होती है। जिसके कारण मरीज समय पर पोषण पोटली लेने नहीं आ पाते है या उन्हें तकलीफ होती है। इसलिए अब निक्षय मित्र बने लोग और स्वास्थ्य विभाग की यह जिम्मेदारी है कि पोषण की पोटली हर हाल में टीबी मरीजों के घर या नजदीकी क्षेत्र में उपलब्ध कराएं। साथ ही गोद लिए हुए टीबी मरीजों के पूर्णतः ठीक होने तक देखभाल करें। उन्हें समय पर दवा एवं पोषणयुक्त आहार सेवन के बारे में भावनात्मक रूप से प्रेरित करें।

टीबी मुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत राज्य के टीबी रोगियों को मिल रही फूड बास्केट की समीक्षा के दौरान डीसी ललित कुमार ने बताया कि निक्षय मित्र बनाने में अभियान चलाया जा रहा है। निक्षय मित्र बनाने में पूर्वी चम्पारण पहले स्थान पर आया है। पूरे बिहार में यहाँ सबसे ज्यादा 164 निक्षय मित्रों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। वहीं 686 फूड बास्केट किट वितरित कर जिला दूसरे स्थान पर आया है।उन्होंने बताया कि सामाजिक संगठनों,जनप्रतिनिधि एवं समाजसेवियों को निक्षय मित्र बनाकर टीबी मरीजों को पोषण सम्बंधित सहयोग लिया जा रहा है। जिससे टीबी मरीजों को फायदा हो रहा है। मौके पर राज्यपाल ने इस कार्य में लगे सभी स्वास्थ्यकर्मी को बेहतर ढंग से कार्य करने की बात कही। मौके पर जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल, रेडक्रॉस के अध्यक्ष विभूति नारायण सिँह, स्टेशन मास्टर दिलीप कुमार, डीसी ललित कुमार व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

अमृत सरोवर के निर्माण में मुजफ्फरपुर को मिला द्वितीय स्थान : जिलाधिकारी

मुजफ्फरपुर , प्रात : किरण संवाददाता

अमृत सरोवर निर्माण में इस जिले को सूबे में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। इस जिले में 75 अमृत सरोवर का निर्माण किया गया है।यह जानकारी डीएम प्रणव कुमार ने आज समाहरणालय सभाकक्ष में आयोजित जिला विकास समन्वय समिति की बैठक के दौरान दी। डीएम ने अंचलाधिकारियों को डब्लउपईयू निर्माण हेतु तत्काल जमीन चिह्नित करने का निर्देश देते हुए कहा कि विगत दिनों जिले में 219डब्लुपीयू की स्वीकृति दी गई थी जिसमें103 निमार्णाधीन है। उन्होंने कहा कि यदि किसी पंचायत में जमीन नहीं मिल रहा है तो उसे बगल के पंचायत में निमार्णाधीन डईडब्लउपईयू से सम्बद्ध किया जाए। आईसीडीएस केन्द्र भवन का निर्माण मनरेगा के कन्वर्जन से किया जा रहा है। निर्माण कार्य में तेजी लाने का निदेश दिया गया। इसके लिए भी जमीन चिन्हित करने का निदेश पूर्व से है। औराई, कुढ़नी, बोचहां, पारू आदि में 4-4 आंगनवाड़ी केन्द्र मनेरेगा कन्वर्जन से बनाया जाना है। जमीन चिन्हित करने को लेकर अंचलाधिकारी के स्तर पर पीओ और सीडीपीओ के साथ शुक्रवार को बैठक कर निष्पादन करे। साथ ही उन्होंने कहा कि स्थलीय निरीक्षण कर जमीन चिन्हित करें। हर घर नल का जल की कार्यशीलता को लगातार पंचायत तकनीकी सहायक रोस्टर के साथ मोनेटिरिंग करेंगें। गौरतलब है कि नल का जल योजना कार्य पंचायत से पीएचइडी को ट्रांसफर किया है। इसके अतिरिक्त आईसीडीएस केन्द्र में कई स्थानों पर नल जल को कार्यशील करने का निदेश दिया गया। जिले ने 75 अमृत सरोवर का निर्माण कर सूबे में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। आरटीपीएस को सक्रिय करने साथ ही पंचायतों में पंचायत सचिव, राजस्व कर्मचारी का नाम पंचायत के साथ डिस्प्ले करने का निदेश दिया गया। साथ ही जिला वेबसाइट पर भी इनका नाम पता अपलोड करने को कहा गया। बैठक में आपूर्ति पदाधिकारी विजय पाण्डेय, अनुमंडल पीजीआरओ पूर्वी क्यूम अंसारी, जिला पंचायती राज पदाधिकारी श्री नवीन कुमार, डीपीओ आईसीडीएस, जिला योजना पदाधिकारी सहित सीओ, बीपीआरओ एवं अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

बाबुबरही विश्व हिंदू परिषद के द्वारा महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया

प्रात : किरण, संवाददाता

मधुबनी बाबुबरही प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत हनुमान मंदिर परिसर में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के द्वारा आज संगठन विस्तार के क्रम में बाबूबरही विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के प्रखंड अध्यक्ष की घोषणा हनुमान मंदिर परिसर में एक महत्वपूर्ण बैठक कर किया गया।जिसमें जिला अध्यक्ष महेश कुमार जिला मंत्री पंकज मेहता सह मंत्री जीव कांत झा अरुण कुमार जिला संयोजक सोनू कुमार झंझारपुर जिला मंत्री गोपाल सिंह राजनगर के आभूषण व्यवसाई एवं भाजपा नेता अमरनाथ प्रसाद भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष भाई रणधीर खन्ना और सैकड़ों कार्यकर्ता सम्मिलित हुए जिसमें बाबूबरही प्रखंड अध्यक्ष संतोष यादव मंत्री संतोष पासवान एवं दर्जनों कार्यकर्ता को दायित्व दिया गया घोषणा के उपरांत सभी जिला पदाधिकारियों को सम्मानित भी किया गया साथ ही प्रखंड के पूरे दायित्व धारियों को भी सम्मानित किया गया।

जिलाधिकारी अपने क्षेत्र भ्रमण में आंगनवाड़ी केंद्रों का करेंगे निरीक्षण

- जिले में बाल विकास परियोजना द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जिलाधिकारी ने किया समीक्षा

प्रात : किरण, संवाददाता

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में जिले में बाल विकास परियोजना द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक आयोजित हुई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी द्वारा प्रखंडवार सेविका और सहायिकाओं के लंबित बहाली की समीक्षा की गई और आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में उपस्थित अधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पोषाहार का वितरण सही प्रकार करें और इससे संबंधित डेटा को तत्पर होकर पोर्टल पर अपलोड करें। यह कह देना मान्य नहीं होगा कि इंटरनेट नेटवर्क की कमी से समय से डेटा अपलोड नहीं हो पाया है। उन्होंने इसके लिए प्रखंड स्तर पर सभी आंगनवाड़ी कार्यकताओं की बैठकों में उन्हें तकनीकी जानकारी के साथ साथ आवश्यक दिशानिर्देश भी दिए जाने पर जोर दिया। उन्होंने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि वे स्वयं अपने क्षेत्र भ्रमण के दौरान आंगनवाड़ी केंद्रों का निरीक्षण करेंगे और लापरवाही करने वाले पर कार्रवाई होगी। ऐसे में सभी आंगनवाड़ी केंद्रों का समय से खुलना सुनिश्चित करें। उन्होंने जोड़ देते हुए कहा कि सभी आंगनवाड़ी केंद्रों पर टैग किए गए बच्चों का प्रत्येक माह ऊंचाई और वजन लेकर पंजी में संधारित किया जाए। इसके लिए संबंधित बाल विकास परियोजना पदाधिकारी अपने अधीनस्थ आंगनवाड़ी कार्यकताओं से इसका अनुपालन सुनिश्चित करवाएं। उन्होंने कहा कि जिस वार्ड में नल जल योजना सुचारू रूप से चल रही है, वहां नल का कनेक्शन अचूक रूप से करवाएं। उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्रों पर शौचालय रहने और उसे क्रियाशील बनाए रखने के भी निर्देश दिए हैं।जिलाधिकारी ने पोषण ट्रेकर पर सभी संबंधित आंकड़ों को समय से अपलोड करने पर जोर देते हुए कहा कि सभी महिला पर्यवेक्षक भ्रमणशील रह कर आंगनवाड़ी केंद्रों की गतिविधियों पर लगातार नजर बनाए रखें। उन्होंने लापरवाही बरतने पर महिला पर्यवेक्षकों के मानदेय कटौती की बात भी कही। उक्त बैठक में डीपीओ आईसीडीएस कविता कुमारी सहित जिले के सभी प्रखंडों की बाल विकास परियोजना पदाधिकारी मौजूद थे।

रेलवे की लोहा चोरी के आरोप में दो आरोपियों को आरपीएफ ने पकड़ा

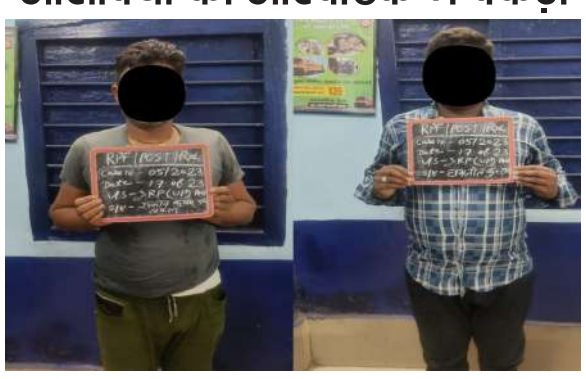

प्रात : किरण, संवाददाता

रक्सौल। लोहा के तीन पीस चादर चोरी करने के आरोप में रक्सौल आरपीएफ ने तीन में से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिसकी जानकारी देते हुए आरपीएफ इंस्पेक्टर ऋतुराज कश्यप ने बताया कि रामगढ़वा रेलवे स्टेशन परिक्षेत्र से चोरी कर लोहे का चादर तीन पीस तोड़ कर ले जाने के दौरान घेराबंदी कर दो को पकड़ा गया, जबकि एक फरार हो गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रामगढ़वा के भालुवाहिया निवासी 36 वर्षीय राजीव कुमार उर्फ बबलू, मंगलपुर निवासी 23 वर्षीय धनजीत कुमार राम के रूप में हुई है, जबकि फरार होने वाले की पहचान 26 वर्षीय दर्शन कुमारके रूप में हुई है।

गिरफ्तार दोनो ने पूछताछ में बताया कि रेलवे स्टेशन से लोहा चुरा कर रामगढ़वा रक्सौल के बीच मेन रोड स्थित आमोदेई के पास बगीचा में संचालित मो. तबरेज के कबाड़ में बिक्री करते है, जिसके आधार पर चारो के खिलाफ मामला दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

जलय गांव के एक घर में भीषण गर्मी से लगी आग, लगभग दो लाख का नुकसान

प्रात : किरण, संवाददाता

तपती हुई गर्मी के कारण सिकंदरा थाना क्षेत्र के सिझौड़ी पंचायत अंतर्गत जलैय गांव में सोमवार की दोपहर अचानक एक फुस के मकान में आग लग गई। आग की लपटें तेज होने के कारण एक ही घर के पक्के का मकान भी आग की चपेट में आ गया। जानकारी के मुताबिक जलैय गांव निवासी गोंगु चौधरी पिता स्वर्गीय होरिल चौधरी के फुस के मकान में भीषण गर्मी एवं हवा के कारण आग लग गई। आग लगने का कारण पता नहीं चल पाया है। लेकिन घरवालों का कहना है कि किसी शरारती तत्वों के द्वारा आग लगाया गया है। वही आग की लपटे धीरे-धीरे तेज होने के साथ घर के चारों ओर आग लगने से गोंगु चौधरी के पक्के का मकान एवं घर से सटे बिचाली के पुंज में भी आग लग गया। आग लगने से काफी संख्या में ग्रामीण आग बुझाने के लिए दौड़े। आग बुझाने के लिए समरसेबल एवं चापाकल के माध्यम से काफी प्रयास किया गया। आग बेकाबू होने पर वहीं स्थानीय लोगों के द्वारा इसकी सूचना सिकंदरा थाने को दी गई। मौके पर पहुंचे मिनी दमकल वाहन लेकर सिकंदरा थाना के अवर निरीक्षक अक्षय कुमार एवं स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से आग पर किसी तरह काबू पाया गया। आग लगने से गोगु चौधरी को लगभग दो लाख का नुकसान हुआ है। बताया गया कि आग लगने से घर में रखें सिलाई मशीन, साइकिल, पलंग, कपड़े लगभग 30 हजार नगद सहित मूंग, गेहूं, चावल सहित खाने-पीने का सभी अनाज जलकर राख हो गया। आग लगने से घर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। आग बुझाने में स्थानीय लोगों ने काफी प्रयास किया नहीं तो आग की लपटें कई घरों को अपनी चपेट में ले लेता।

धमना में तीन भाईयों के साथ मारपीट कर किया घायल

प्रात : किरण संवाददाता

झाझा-रविवार की शाम को धमना गांव में कुछ लोगों ने किसी बात को लेकर तीन भाईयों के साथ मारपीट कर उसे घायल कर दिया।मारपीट में घायल हुये तीनो भाईयों को इलाज के लिये रेफरल अस्पताल लोगों की मदद से लाया गया जहाँ डॉ.सदाब अहमद के द्वारा सभी घायलों का इलाज किया गया जिसमें दो भाईयों को गंभीर रूप से घायल होने पर डॉक्टर ने दोनो घायलों को बेहतर इलाज के लिये जमुई सदर अस्पताल रेफर कर दिया।घायल की पहचान धमना गांव निवासी देवेंद्र प्रसाद का राजेश रंजन,राकेश रंजन एवं राजीव रंजन के रूप में की गई जिसमें राकेश,राजीव को बेहतर इलाज के लिये जमुई रेफर किया गया।जबकि राजेश रंजन का अस्पताल में इलाज हुआ।मारपीट का कारण पुराना विवाद सामने आया।

अष्टयाम महायज्ञ के लिए निकाली गई शोभा यात्रा

मुजफ्फरपुर , प्रात : किरण संवाददाता

जिले के हरपुर बलड़ा गॉव स्थित हनुमान मंदिर परिसर में तीन दिवसीय श्री राम जय राम अष्टयाम महायज्ञ के लिए सोमवार को 551 कुंवारी कन्याओं द्वारा शोभायात्रा निकाली गई। माथे पर कलश लेकर कन्याओं ने रामपुर बलड़ा बाजार,गोला चौक,गांधी चौक होकर पांच किलोमीटर पर झिकटी कदाने नदी के तट पहुचे,जहां कलश यात्रा में शामिल सभी कन्याओं को शर्बत, फल से स्वागत किया.आचार्य ने कदाने नदी के पवित्र जल में वैदिक मंत्रोउच्चरण कर वैदिक रीति से पूजा अर्चना कर कन्याओं को जलबोझि कराकर कलश यात्रा नून नदी छठ घाट होते हुए पुनः यज्ञ स्थल पर पहुंचकर कलश को स्थापित किया गया।

यजमान भूतपूर्व सैनिक राम इकबाल राय,कांति देवी ने वैदिक मंत्रोउच्चरण से यज्ञ में आहुति देने के साथ मठ से पहुचे नागा बाबा ने महायज्ञ शुरू कराया गया .महायज्ञ प्रारंभ होते ही श्री राम जय राम जय जय राम की गूंज से पूरा इलाका भक्तिमय हो गया .एक ओर श्रद्धालुओं की ओर से जय श्री राम के जयघोष किया जा रहा था ,इससे पूरा क्षेत्र गुंजायमान होता रहा.कलश शोभा यात्रा की एक झलक पाने के लिए कई गांव के लोग सड़क के दोनों ओर महिला-पुरुष व बच्चों की हजारों की भीड़ उमड़ पड़ी थी.

मंदिर पूजा समिति के अध्यक्ष,लालबाबू साह,ने बताया समस्त ग्रामीणों के सहयोग से महायज्ञ किया जा रहा है. महायज्ञ समापन पर विशाल प्रसाद भंडारा का आयोजन के साथ ही देवी देवताओं के मनोरम झांकी के साथ राम बारात निकाली जायेगी. रात्रि में कलाकार व्यास मंडली राम विवाह व कीर्तन करेंगे.इस मौके पर विधायक केदार प्रसाद गुप्ता,जिला पार्षद पति प्रमोद कुमार, प्रभात सिंह राजपूत,मुखिया प्रतिनिधि संतोष सहनी,पंसस प्रतिनिधि गौरी शंकर शर्मा,सरपंच अरुण सिंह,अशोक साह,सुनील महतो,राजीव यादव,सुनील राय,राजकुमार साह समेत हजारों श्रद्धालु मौजूद थे।

पेयजल के लिये दर दर भटक रहे हैं कोल्हुआ पंचायत के वार्ड पांच के महादलित टोला वासी

150 की आबादी पेयजल व्यवस्था नदारद

- एक सरकारी चापाकल से कैसे बुझेगी प्यास
- महादलितों के लिये सात निश्चय योजना भी यहां हो रही नाकाफी साबित

प्रात : किरण संवाददाता गिद्धौर

प्रखंड क्षेत्र में इन दिनों शरीर जला देने वाली इस भीषण गर्मी से एक तरफ जहां पानी का जल स्तर काफी नीचे चला गया है तो दूसरी और ऐसी स्थिति में क्षेत्र भर के इलाकों में पेयजल की समस्या उत्पन्न हो गयी है। जिससे आम जन जीवन इन दिनों खासा प्रभवित है। पेयजल को ले जल संकट से जुड़े समस्या का ताजा उदाहरण आप गिद्धौर प्रखंड के कोल्हुआ पंचायत अंतर्गत पड़नेवाले कुमरडीह गांव के वार्ड 06 अंतर्गत पड़नेवाले महादलित टोला वासियों को पेयजल के लिये जदोजेहद करते देख आप इसका अंदाजा लगा सकते हैं। इस क्षेत्र मे सरकारी पहल से लगे एक चापाकल मौजुद है जो मृतप्राय के कगार पर है। चापाकल गंदा पानी उगलता ही जो पीने योग्य नही है। वहीं इस वार्ड में सरकार के सात निश्चय योजना के तहत लगे जल मीनार से भी पेयजल की आपूर्ति नही हो पा रही है। जिससे इन महादलित परिवारों को घोर पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। नल जल योजना के यहां प्रभावी रूप से काम नही किये जाने से राम भरोसे यहां के ग्रामीण महादलित दूसरे के निजी जलस्त्रोत से अपने गले की प्यास घटों सुबह लाइन में लगकर यहां रोजमरार्से जुड़े पेयजल के कार्य को पूरा करने में कड़ी मशक्कत कर अपनी प्यास बुझा रहे हैं। स्थिति यह है कोल्हुआ पंचायत के वार्ड 06 मे पानी के लिए इन महादलित परिवारों के बीच पेयजल आपूर्ति को ले हाहाकार मचा हुआ है कहते हैं कुमरडीह के ग्रामीण महादलित

इधर कुमरडीह महादलित टोला में पेयजल समस्या झेल रहे महादलित टोला के ग्रामीण कपिल मांझी, गोनो मांझी, जीतन मांझी, गोप्पी मांझी, डोमन मांझी, मुन्ना मांझी, गीता देवी, रूमका देवी, सोनामा देवी, फुदकी देवी पूछे जाने पर कहते हैं कि एक सरकारी चापाकल है वो भी पीने योग पानी देता है। नल जल योजना से पेयजल आपूर्ति की बात तो कोषों दूर है। अत्यधिक गर्मी में जल स्त्रोतों के धराशायी हो जाने के कारण आस पड़ोस के लोगों के रहमोकरम पर उनके घर में लगे निजी समर्सैबल द्वारा किसी तरह से पेयजल आपूर्ति हो रहा है। आखिर हम महादलितों की व्यथा सुनने वाला भी तो कोई नही है। वहीं पेयजल समस्या को लेकर कई बार स्थानीय प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों से गुहार लगा थक हार गए हैं। लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। अगर यही हाल रहा तो हम सभी महादलित प्रखंड मुख्यालय में इस समस्या को लेकर धरना प्रदर्शन को बाध्य हो जाएंगे।

स्वरोजगार के दृष्टिकोण से लोगों को पूंजी उपलब्ध कराने में बैंकों के सक्रिय भूमिका महत्वपूर्ण : जिलाधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में जिले में स्वरोजगार सृजन को गति प्रदान करने के लिए पीएमईजीपी और पीएमएफएमई ऋण योजना में प्रगति की समीक्षात्मक बैठक आहूत हुई। उक्त बैठक में जिलाधिकारी द्वारा जिले के सभी बैंकों के प्रतिनिधियों से बारी बारी पीएमईजीपी और पीएमएफएमई ऋण योजना मुहैया कराने में किए गए प्रयासों की जानकारी ली गई। अपने समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने पाया कि सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा लगातार कहने पर भी ऋण प्रदान करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई जा रही है। ऐसे में उन्होंने महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र को निर्देश दिया कि सरकारी योजनाओं के प्रति अनदेखी के मद्देनजर सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया से जुड़े सरकारी खातों को अपेक्षित रूप से कार्य प्रगति करने वाले बैंकों में शिफ्ट कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि जनहित को देखते हुए अब बैंकों को बेहतर प्रयास करने की जरूरत है। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्वरोजगार के दृष्टिकोण से लोगों को पूंजी उपलब्ध कराने में बैंकों को सक्रिय भूमिका निभानी होगी और सभी पात्र लाभुकों को उनकी योजना के अनुरूप आर्थिक सहायता प्रदान करनी होगी। उन्होंने उन बैंकों से स्पष्टीकरण पूछे जाने के निर्देश भी दिए हैं जिनके प्रतिनिधि बैठक से अनुपस्थित थे। उक्त अवसर पर महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र के साथ जिले के बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

निगरानी अन्वेषण ब्यूरो पटना के लिखित आवेदन पर खजौली थाना में केस हुआ दर्ज

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी फर्जी प्रमाण पत्र व अंक पत्र पर शिक्षक के पद पर नौकरी करने वाले फर्जी शिक्षकों का मामला थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। एक ऐसा ही मामला सहायक नियोजित शिक्षक जांचकर्ता निगरानी अन्वेषण ब्यूरो पटना द्वारा उजागर किया गया है. निगरानी विभाग के लिखित आवेदन पर खजौली थाना में फर्जी अंकपत्र पर शिक्षक के पद पर नौकरी करने वाले शिक्षक पर एफआईआर दर्ज हुई है। शिक्षक थानाक्षेत्र के दतुआर गांव निवासी व उत्क्रमित मध्य विद्यालय खजौली के शिक्षक कृष्णभूषण कुमार ने बिहार संस्कृत शिक्ष बोर्ड पटना के मध्यमा अंकपत्र एवं प्रमाणपत्र की अभिप्रमाणित मूल प्रति पर फेक मुहर लगाया है। इनके द्वारा वर्ष 1989, रौल कोर्ड-33 रौल नम्बर 452 जन्मतिथि 15 जनवरी 1976 कुल प्राप्तांक 559 प्रथम श्रेणी से उर्तीण होने का अंक पत्र संलग्न कर नौकरी कर रहा थां. जांच में यह फर्जी पाया गया. उक्त रॉल नम्बर पर केवल 449 अंक से द्वितीय श्रेणी से इन्होने मध्यमा की परीक्षा उर्तीण हुए थे। इनके द्वारा 110 अंक फर्जी तरीके से बढ़ाकर जालसाजी कर शिक्षक की नौकरी कर रहे थे। अन्वेषण ब्यूरो के अनुसार इनके प्राप्तांक में अंकर है एवं अंकपत्र एवं प्रमाण पत्र पर फेक मुहर लगाया गया है। उत्क्रमित मध्य विद्यालय खजौली के फर्जी शिक्षक कृष्ण भूषण कुमार सहित नियोजन में संलिप्त अन्य अज्ञात व्यतियों पर एफआईआर दर्ज हुई है. प्रभारी थानाध्यक्ष रामकुमार ने बताया कि निगरानी अन्वेषण ब्यूरो के लिखित आवेदन पर एफआईआर हुई है. मामले की जांच की जा रही हैं। दोषी सभी लोगों पर कार्रवाई होगी।

संक्षिप्त खबरें

सैकड़ो अतिक्रमण दुकानों पर चला प्रशासन का बुलडोजर

शाहकुंड (भागलपुर)। सुलतानगंज में विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला की तैयारी को लेकर जिला प्रशासन के निर्देश पर कांवड़िया मार्ग को अतिक्रमण से मुक्त करने को लेकर सैकड़ों दुकानों पर प्रशासन की टीम ने बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। इस दौरान एसडीओ धन्नजय कुमार, पंचायती राज्य पदाधिकारी सह कार्यपालक पदाधिकारी नीलीमा कुमारी, कार्यपालक पदाधिकारी अभीनव कुमार, अंचला पदाधिकारी अमित राज, मनरेगा पदाधिकारी कमल कुमार के द्वारा क्षेत्र के सब्जी मंडी, मुख्य बाजार, बालु घाट रोड, अजगैविनाथ गंगा घाट, नमामि गंगे घाट इलाके में जबरन अतिक्रमण किये दुकानों को बुलडोजर के माध्यम से तोडफोड कर उक्त मार्ग से हटाया गया है। इस दौरान एसडीओ धन्नजय कुमार ने बताया कि मेला की तैयारी को लेकर गंगा घाट सहित अन्य जगहों में बुलडोजर के माध्यम से अतिक्रमण मुक्त कराया जा रहा है। इस दौरान थाना के एएसआई अशौक कुमार सिंह, सहित अन्य पुलिस बल सहित भारी मात्रा में जिला पुलिस बल मौजूद थे।

जन पंचायत यात्रा के क्रम में लोजपा (आर) पहुंचा संग्रामपुर

संग्रामपुर (मुंगेर)।लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास की ओर से चलाये जा रहे जन पंचायत यात्रा का कार्यक्रम सोमवार को प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पार्टी के प्रदेश प्रधान महासचिव संजय पासवान, राष्ट्रीय सचिव मिथिलेश कुमार सिंह, प्रदेश सचिव रविंद्र पासवान, युवा लोजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉक्टर सर्वेश, प्रदेश महासचिव प्रमोद पासवान, सांसद प्रतिनिधि चंद्रशेखर चौधरी, संग्रामपुर प्रखंड अध्यक्ष जीवन सिंह, तारापुर प्रखंड अध्यक्ष जयराम मंडल आदि उपस्थित थे। जन पंचायत यात्रा के दौरान नेताओं द्वारा प्रखंड के सभी पंचायतों में जा जाकर आम जनता की समस्याओं को सुनकर उसके समाधान के लिए प्रयास किया गया। ग्रामीणों के द्वारा रखी गयी एक प्रमुख समस्या प्रखंड के दुरमट्टा पंचायत अंतर्गत चंदुकी गांव में रोड को लेकर थी। जिसको लेकर कार्यपालक अभियंता आरडब्ल्यूडी मुंगेर से बातचीत कर चंदुकी गाँव से कोराजी तक के सड़क को बनाये जाने के सबंध में बात की गई।

मुंगेर के विभिन्न थानों में लगा अंचलाधिकारी का जनता दरबार

सदर मुंगेर। सदर अंचल अंतर्गत अंचलाधिकारी प्रीति कुमारी द्वारा मुंगेर के विभिन्न थाना में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में उनके सामने विभिन्न मामले लाए गए। कोतवाली थाना, मुंगेर में अंचलाधिकारी के सामने 2 नए मामले लाए गए, जबकि 3 पुराने मामले भी थे। वहीं, कासिम बाजार थाना में सुनवाई के लिए विभिन्न तरह के 6 नये मामले लाए गए। यहां भी 5 पुराने मामले सुनवाई के लिए पहले से थे। जबकि, मुफस्सिल एवं नया रामनगर थाना में सुनवाई के लिए कोई भी मामला नहीं लाया गया। इस प्रकार केवल 2 स्थानों में नए एवं पुराने मिलाकर कुल 16 मामले सुनवाई के लिए लाए गए। इनमें से किसी भी मामले का निपटारा आज के दरबार में नहीं किया जा सका।

डॉ इकबाल बने ग्रामीण चिकित्सा सेवा समन्वयक समिति के अध्यक्ष

सदर मुंगेर। जनता दल यू के चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ एलबी सिंह द्वारा मुंगेर जिले की ग्रामीण चिकित्सक सेवा समन्वय समिति अध्यक्ष बनने पर डॉ इकबाल को नियुक्ति पत्र देकर किया गया सम्मानित वहीं उन्होंने अपने संबोधन में कहे की डॉ इकबाल के व्यवहार को देखते हुए यह पद उन्हें दिया गया है मुझे भरोसा है कि वह अपने कर्तव्य के प्रति सदा निष्ठा पूर्वक से निर्वाहन करेंगे वही वहीं उन्होंने यह भी कहा कि डॉ इकबाल के माध्यम से अब सरकार को मुंगेर जिले में एक्सपीरियंस चिकित्सक को ट्रेनिंग देने का सहायता होगा। वही डॉ इकबाल ने कहे कि हमें जो जिम्मेदारी मिली है उससे मैं निष्ठा पूर्वक सभी को साथ लेकर चलने का काम करूंगा। कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीण चिकित्सक सेवा समन्वय समितिके प्रदेश डॉ निवास ,सचिव डॉ विनोद कुमार, कोषाध्यक्ष डॉ अशोक कुमार, सहित सभी जिले के जिला अध्यक्ष जिला सचिव तथा प्रखंड अध्यक्ष एवं प्रखंड सचिव मुख्य रूप से उपस्थित थे सभी लोगों ने डॉ इकबाल को अध्यक्ष बनने पर स्वागत करते हुए उन्हें बधाई दिए।

नवजात बच्चे की रहस्यमई तरीके से हुआ गायब

मामले को लेकर पीड़ित परिवार के लोगों ने स्थानीय थाना में बच्चा चोरी का कराया मामला दर्ज

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। पूर्वी बिहार के सबसे बड़ा अस्पताल जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल है। जहां हर दिन किसी न किसी नयी समस्या को लेकर विवादों का दौर चलता रहता है। कभी चिकित्सक की लापरवाही से मरीजों की मौत का हो या फिर मरीजों के इलाज में लापरवाही का। वही एक अजीबोगरीब कारनामा घटित हुई है जिसे सुनकर लोगों के होश उड़ गए हैं। अस्पताल के गायनिक महिला प्रसव विभाग में एक भर्ती प्रसूता का नवजात बच्चा चोरी कर लिया गया है ।मामले को लेकर बताया जा रहा है कि नाथनगर करेला गांव के लखपति तांती की 35 बर्षीय पत्नी काजल को प्रसव पीड़ा होने के बाद जेएलएनएमसीएच के गायनिक विभाग के प्रसूति वार्ड में एडमिट कराया गया। जहां विगत रात करीब दस बजे उसने एक लड़के को जन्म दिया। वही जच्चा बच्चा की देखरेख के लिए काजल देवी की सास अस्पताल में मौजूद थी। वही अहली सुबह जब सास बाथरूम गयी तो इधर उसके बेड पर से बच्चा चोरी हो गया। जब सास ने अचानक बच्चे को लापता हुआ देख परिजन अचंभित व परेशान हो गए। वही मामले को लेकर स्थानीय बरारी थाना में बच्चा चोरी का मामला दर्ज कराया है। वहीं काजल अपने बच्चे को वापस करने की गुहार अस्पताल में मौजूद हर लोगों से लगा रही है। वही मामले को लेकर प्रसूता काजल की सास मंजू देवी ने बताया कि अस्पताल वालों से बोला किसी ने कोई सुनवाई नहीं की। वही वार्ड में एक महिला थी, जिसपर शंका जतायी जा रही है, रात से वो महिला वहां बैठी थी, फिर सुबह से वह गायब चल रही है। अब सवाल यह है कि इतने बड़े अस्पताल में जगह जगह दर्जनों सुरक्षा कर्मी की तैनाती के बावजूद भी कैसे इस तरह की घटना घटित हुई और इतनी बड़ी घटना घटित हुई और अस्पताल प्रशासन का रवैया क्यों सुस्त है सवाल का जवाब जानने जब अस्पताल अधीक्षक कार्यालय पहुंचे तो, वहाँ मौजूद कर्मियों ने बताया कि साहब पटना गये हुए है। इससे साफ तौर पर साबित हो रहा है कि अस्पताल भगवान भरोसे पर चल रहा है। ज्ञात हो कि विगत कुछ वर्ष पूर्व में भी बच्चा चोरी किये जाने का मामला घटित हुआ था, काफी हंगामा खड़ा होने के बाद उक्त गायब बच्चे को बरामद हुआ था।

कोसी नदी में कराया गया कटाव रोधी कार्य

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। जिले के से कोसी नदी में करोड़ों के लागत से बना पूल के गंगा में जल समाधि लेने के बाद अब करोड़ों के लागत से किये कटावरोधी कार्य अब कोसी नदी की भेंट चढ़ रहा है। मामले को लेकर बताया जा रहा है कि नवगछिया पुलिस जिला अनुमण्डल परिक्षेत्र अंतर्गत जहांगीरपुर बैसी में इनदिनों कोसी गंगा नदी में लगातार जलस्तर बढ़ने के साथ कटाव हो रहा है।

विगत वर्ष में इलाके के दर्जनों घर कटकर कोसी में विलीन हो गए थे, जिसे लेकर सरकार द्वारा लोगों के घर और जमीन न कटे, इसके लिए तीन करोड़ 40 लाख की लागत से कटाव रोधी कार्य शुरू कराया गया था। इस दौरान अधिकारीयों द्वारा गंगा के भीषण कटाव की रोकथाम के लिए करोडों के लागत में जियो बैग की को कोसी नदी किनारे डाल कर तटबांधा का निर्माण कार्य कराया गया था, लेकिन अब वह कोसी नदी की भेंट चढ़ता जा रहा है।

एक तरफ जहां जियो बैग के बहने के बाद वहाँ फिर री स्टोरेशन का कार्य किया जा रहा है, तो वहीं दूसरी तरफ जियो बैग नदी में समाता जा रहा है, कई जगह जियो के रूप में लगी बोरियां समाने के कगार पर है। वही ग्रमीणों में डर है कि फिर से कटाव न हो नहीं तो बाँकी बचे लोगों का आशियाना भी कोसी की भेंट चढ़ समाधि ले लेगा। जिस तरह कटाव की स्थिति जारी है ऐसे में गंगा के जलस्तर बढ़ोतरी के बाद हालात भयावह रूप में देखने को मिलेगी।

होमगार्ड जवान की ड्यूटी में तबीयत बिगड़ी, इलाज के दौरान हुई मौत

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। बिहार गृह रक्षा वाहिनी के 89 बैच के होमगार्ड जवान तिलकपुर सुल्तानगंज के सुशील कुमार मिश्र की इलाज के दौरान मायागंज अस्पताल के मेडिसिन विभाग में चिकित्सक द्वारा मृत घोषित कर दिया गया। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि स्थानीय जिला स्कूल परिसर स्थित बीआरसी कार्यालय परिसर में ड्यूटी पर कार्यरत थे, जहां हिट बेब के चपेट में आकर अचानक तबीयत बिगड़ गई थी, जिसे इलाज के लिए सहयोगी गार्ड द्वारा मायागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां इलाज के क्रम में उनका निधन हो गया है। वह पिछले कई दिनों से बीमार चल रहे थे चिकित्सक के मुताबिक जांच रिपोर्ट के मुताबिक बताया गया था कि उनको लिबर कैंसर है, जिसका इलाज मायागंज अस्पताल में चल रहा था, दिवंगत होमगार्ड जवान को समादेष्टा भागलपुर के द्वारा समाहरणालय परिसर स्थित होमगार्ड कार्यालय के समक्ष गार्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित करते हुए अंतिम विदाई दी गई, साथ ही उनके परिवार को मुआवजा राशि व पेंशन निर्धारित करने की भी संबंधित विभाग के अधिकारियों से मांग के साथ इनके बच्चों को विभाग के द्वारा सेवांत लाभ देने की मांग की गई। गृह रक्षक जिला इकाई के जिला अध्यक्ष अखिलेश्वर यादव ने कहा सभी गृह रक्षक इनके परिवार के लिए हर संभव मदद करने का प्रयास करेंगे।

संदिग्ध अवस्था में युवक का मिला शव, इलाके में मची सनसनी

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। जगदीशपुर थाना परिक्षेत्र के चांदन नदी स्थित दोस्तनी पुल के समीप एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। वही मृतक युवक के शव को देखने के लिए गांव के लोगों की भीड़ जुट गई। वही ग्रामीणों के सूचना पर जगदीशपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंच मृतक युवक के शव अपने कब्जे में लेकर थाना लेजाया गया। वही पुलिस ने जब मृतक युवक के शव को थाना लाया गया तो उसकी पहचान की गई। वही पुलिस ने मृतक युवक की पहचान जगदीशपुर प्रखंड के गोनू धाम तरडीहा के हीरालाल यादव उर्फ बोगी यादव के 25 वर्षीय पुत्र रॉकी यादव के रूप में हुई है ।घटना को लेकर परिजन के अनुसार रॉकी यादव घर से सुबह 7 बजे निकला था, बाद में पता चला कि रॉकी का मृत्यु हो गया है। वही रॉकी को दो भाई और दो बहन है। घटना के बाद से पूरे घर परिवार में कोलाहल का माहौल बना हुआ है वही इस घटना से आहत परिवार का रो रो कर बुरा हाल है। वही पुलिस घटना की जांच को लेकर आसपास के इलाके में पूछताछ कर रही हैं। वही पुलिस ने परिजनों के बताए तथ्यों के आधार पर फर्द बयान दर्ज कर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी करने के साथ मृतक के शव को नवलखा भेज दिया है।

आशा अपने पोषक क्षेत्र के सभी गर्भवती महिलाओं का लाइन लिस्ट तैयार करेंगी : सिविल सर्जन

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर : राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन कार्यक्रम अंतर्गत सदर प्रखंड मुंगेर के सभी शहरी आशा का मासिक समीक्षात्मक बैठक सिविल सर्जन के अध्यक्षता में क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रबंधन इकाई कार्यालय के सभागार में आयोजित की गई क बैठक में शहरी क्षेत्रों में चलाए जा रहे विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा की गई। जिसमे खासकर गर्भवती महिलाओं का प्रसव पूर्व जांच, नियमित टीकाकरण, परिवार नियोजन कार्यक्रम के ऊपर चर्चा की गई क समीक्षा के क्रम में पाया गया की शहरी क्षेत्रों में गर्भवती महिला का प्रसव पूर्व जांच की संख्या लक्ष्य के अनुरूप बहुत ही कम है कइस पर सभी आशा को स्पष्ट निर्देश दिया गया की सभी आशा अपने अपने पोषक क्षेत्र के अन्तर्गत आनेवाली सभी गर्भवती महिलाओं का लाइन लिस्ट तैयार करेंगी एवं उस लाइन लिस्टिंग के अनुसार अपने अपने सर्व पंजी में उसको अपडेट करने उपरांत समय समय पर प्रसव पूर्व जांच करवाना सुनिश्चित करेंगी कसभी आशा को जिले में चल रहे सघन दस्त नियंत्रण पखवारा कार्यक्रम के बारे में भी विस्तृत रूप से बताया गया जिसमे यह निर्देश दिया गया की सभी आशा अपने अपने क्षेत्र में 5 वर्ष तक के बच्चों को आर ओ एस एवं जिंक की टैबलेट घर घर जाकर वितरण करेंगी क साथ ही साथ 27 जून से 31 जुलाई तक चलाए जाने वाले परिवार नियोजन कार्यक्रम अंतर्गत जनसंख्या नियन्त्रण पखवारा के बारे में भी बताया गया जिसमे सभी शहरी आशा को 5 महिला बंध्याकरण एवं 1 पुरूष नसबंदी प्रति आशा को लक्ष्य निर्धारण किया गया एवं योग्य दंपति पंजी को अपडेट करते हुए ज्यादा से ज्यादा परिवार नियोजन ऑपरेशन करवाने को कहा गया क बैठक में निखिल राज जिला सामुदायिक उत्प्रेरक, संदीप कुमार यादव जिला शहरी स्वास्थ्य सलाहकार, योगेश कुमार परिवार नियोजन काउंसलर एवं पीएसआई इंडिया से कुशल किशोर उपस्थित हुए।

टाउन हॉल में किया जाएगा परिचर्चा कार्यक्रम आयोजन

मुंगेर , प्रात : किरण ब्यूरो

मुंगेर ।आगामी 25 जून 2023 को मुंगेर प्रमंडल स्तरीय माली (मालाकार) कल्याण समिति की ओर से टाउन हॉल में महासम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इस सम्मेलन में महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फूले एवं सावित्रीबाई फुले प्रथम शिक्षिका के द्वारा किए गए कार्यों को जन जन तक पहुंचाने का काम किया जायेगा। इस की जानकारी माली (मालाकार) कल्याण समिति की ओर से रविवार के दिन मुंगेर के कंपनी गार्डन में आयोजित प्रेस वार्ता में प्रदेश अध्यक्ष बबलू मालाकार ने प्रेस दिया है।

उन्होंने बताया कि महात्मा गांधी, भीमराव अंबेडकर के वे गुरु थे, शिक्षा का दीप जलाने वाले महान योद्धा ज्योतिबाई फूले को देश भूलते जा रहे हैं। इसलिए 5 नवंबर को गांधी मैदान पटना में रैली का आयोजन किया जाएगा। यह रैली फूले ,कपूर्री, अंबेडकर विचार रैली के नाम से आयोजित किया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष श्री महाकाल ने कहा है कि रैली के माध्यम से महात्मा ज्योतिबाई फुले और सावित्रीबाई फुले को भारत रतन की उपाधि दिए जाने, 3 जनवरी को माता सावित्री बाई फुले की जयंती मनाई जाएगी, इस दिन पूरे देश में यह जयंती मनाए जाने के साथ ही इसे पाठ्यक्रम में शामिल कर इस दिन को अवकाश घोषित किए जाने की मांग सरकार से की जाएगी। देश के सरकारी विभाग और गैर सरकारी विभाग में दोनों दंपत्ति की तस्वीर लगाई जाए। उन्होंने कहा कि माली जात को माली पद पर प्राथमिकता के साथ बहाल किया जाए और फूल के रोजगार को उद्योग का दर्जा दिया जाए, क्योंकि 1700 वर्ष पूर्व लहसुन मालाकार के द्वारा विषहरी पूजा की शुरूआत की गई थी, जो विदेशों में भी चर्चित है, जिसमें बिहार में मंजूषा कला की मांग शामिल है। उन्होंने कहा कि इन सभी मांगों को लेकर मुंगेर टाउन हॉल में आगामी 25 जून को परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर निधि भारती,ब्रजकिशोर प्रसाद के अलावा राजेश कुमार मालाकार, कुलानंद मालाकार, अजीत कुमार, कुंज आनंद प्रसाद, डॉ अमरदीप कुमार, कृपानंद नंद प्रसाद, उत्तम कुमार, , डॉ वीरेंद्र, नंदकिशोर मालाकार सहित दर्जनों माली (मालाकार) कल्याण समिति के सदस्य मौजूद थे।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष का कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत

प्रात : किरण संवाददाता

तारापुर मुंगेर। सोमवार को पूर्व से निर्धारित कार्यक्रम के तहत सम्राट चौधरी प्रदेश अध्यक्ष भाजपा नेता प्रतिपक्ष बिहार विधान परिषद पटना को हेलीकॉप्टर द्वारा शकुनी चौधरी कॉलेज ऑफ एजुकेशन ग्राउंड पार्वती नगर तारापुर लैंड करने से पहले ही पार्टी कार्यकताओं की भारी भीड़ जमा हो गई ।

सुरक्षा के दृष्टिकोण से तारापुर पुलिस भी हेलीपैड स्थल पर मौजूद रहे । गौरतलब है कि हेलीकॉप्टर से बाहर निकलते ही पार्टी के सैकड़ों कार्यकताओं ने फूल माला से प्रदेश अध्यक्ष भाजपा श्री चौधरी को लाद दिया। बिहार का नेता कैसा हो सम्राट चौधरी जैसा हो का नारा भी लोगों ने खूब लगाया । उसके बाद प्रदेश अध्यक्ष श्री चौधरी ने अपनी मां पूर्व विधायक स्वर्गीय पार्वती देवी की मूर्ति पर सर्वप्रथम माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दिया।

बताया जा रहा है कि प्रदेश अध्यक्ष श्री चौधरी तारापुर के धौनी गांव में पार्टी के कार्यकताओं से मिलकर आगामी 2024 लोकसभा चुनाव के मद्देनजर बिहार के सभी 40 सीटों पर देश के जानदार शानदार ईमानदार कर्मयोगी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में लोकसभा का सभी सीट जीतने को लेकर अपने कार्यकताओं को कई आवश्यक मंत्र देकर अभी से ही चुनाव की तैयारी में लग जाने का निर्देश बाटेंगे । पार्वती नगर हेलीपैड स्थल पर स्वागत करने वालों में जमुई जिला भाजपा के प्रभारी रविंद्र सिंह उर्फ कल्लू इंजीनियर रोहित चौधरी प्रखंड भाजपा अध्यक्ष शंभू शरण चौधरी धर्मेंद्र चौधरी कुणाल चौधरी समीर मधुकर सहित पार्टी के सैकड़ों से अधिक कार्यकर्ता नेता मौजूद थे ।

महिला को भगाने के आरोप में चली गोली, एक की मौत, एक गंभीर

पूर्णिया/ बड़हरा कोठी । प्रखंड के भतसारा पंचायत के वार्ड संख्या 2 देवरी गांव में महिला को भगाने के आरोप में हुए बाद विवाद में चली गोली गोली चलने से एक महिला ललिता देवी पति बिजो यादव की मौके पर मृत्यु हो गई। वही महिला का 22 वर्षीय पुत्र विकास कुमार गोली लगने से गंभीर रूप से जख्मी हो गया है। घटना रात लगभग साढ़े 11 बजे की है। पेट मे गोली लगने से गंभीर रूप से जख्मी युवक विकास कुमार को परिजनों व स्थानीय लोगों द्वारा राजकीय मेडिकल कॉलेज पूर्णिया लाया गया जहां से घायल की गंभीर स्थित को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए मायागंज भागलपुर रेफर कर दिया गया जहां घायल युवक का इलाज चल रहा है।

स्थानीय लोगो द्वारा घटना की सूचना मिलते ही बड़हरा थाना से पहुंचे पुलिस बल द्वारा लाश को कब्जे में लेकर घटना का पड़ताल शुरू कर दिया गया है। पुलिस को घटना स्थल से महिला के छाती को छेद कर बाहर निकला एक गोली भी मिला है। इस संबंध में पूछे जाने पर बड़हरा थानाध्यक्ष विकास कुमार आजाद ने बताया कि महिला के लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस घटना की पड़ताल कर रही है। मामले में अभी तक आवेदन नही मिला है। मायागंज अस्पताल में घायल युवक से फर्द बयान लेने के बाद प्राथिमिकी दर्ज किया जाएगा। मिली जानकारी के अनुसार भतसारा पंचायत के वार्ड संख्या दो देवरी गांव निवासी बिजो यादव के पुत्र जाशो कुमार को उसके पड़ोस की रहने वाली एक महिला से काफी समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। तीन बच्चे की मां महिला अपने मायके में ही रह रही थी जो कुछ दिन पहले ही ससुराल गई थी। गुरुवार को महिला अपने ससुराल से ही फरार हो गई थी।

जिले के नवनियुक्त सीएचओ को परिवार नियोजन को लेकर किया गया प्रशिक्षित

प्रात : किरण ब्यूरो, मुंगेर

पूर्णिया । प्रजनन स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और मातृ शिशु, शिशु मृत्यु एवं रूग्णता को कम करने के लिए जनसंख्या स्थिरीकरण बहुत जरूरी होता है। उक्त बातें स्वास्थ्य विभाग के क्षेत्रीय उप निदेशक सह अपर निदेशक डॉ विजय कुमार ने सोमवार को शहर के एक निजी होटल में परिवार नियोजन को लेकर जिले के नवनियुक्त सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) के दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला के दौरान कही। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षक के रूप में केयर इंडिया के डीपीएचओ सनत गुहा एवं सोमेन अधिकारी, जपाइगो के क्षेत्रीय कार्यक्रम समन्वयक डॉ गंगेश गुंजन ने परिवार नियोजन से संबंधित जानकारी दी।

इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के क्षेत्रीय स्वास्थ्य उप निदेशक डॉ विजय कुमार, क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रबंधक कैसर इकबाल, क्षेत्रीय आशा समन्वयक प्रियंका कुमारी, सिफार के धर्मेंद्र रस्तोगी, लेखा पाल सौरभ कुमार हमदम, आरपीएमयू के कर्मी श्याम कुमार एवं शाहनवाज आलम सहित कई अन्य उपस्थित थे।

स्वास्थ्य विभाग के क्षेत्रीय उप निदेशक डॉ विजय कुमार ने कहा कि परिवार नियोजन का मुख्य उद्देश्य यह होता है कि अगर आप बच्चे के लिए थोड़ा सा इंतजार करना चाहते हैं तो विभागीय स्तर पर परिवार नियोजन को लेकर उपलब्ध साधनों में से किसी एक का चयन कर सकते हैं। वहीं केयर इंडिया और जपाइगो के अधिकारियों के द्वारा नवनियुक्त सीएचओ को परिवार नियोजन से संबंधित अस्थायी एवं स्थायी विधि की विस्तृत जानकारी दी गई। जिसमें कॉपर टी, अंतरा, छाया, कॉन्डम, माला एन सहित कई अन्य साधनों को बारीकियों के साथ चर्चा की गई। क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रबंधक कैसर इकबाल ने कहा कि परिवार नियोजन में गर्भधारण के खतरों की रोकथाम को लेकर विभागीय स्तर पर कई तरह का जागरूकता कार्यक्रम किया जाता है।

उन्होंने कहा कि मुख्य रूप से 18 वर्ष से कम आयु की लड़कियों की प्रसव के दौरान मृत्यु की संभावना रहती है। क्योंकि उनका शरीर पूरी तरह से विकसित नहीं होता है। उनके पैदा हुए बच्चों के भी पहले वर्ष में ही मृत्यु हो जाने की आशंका अधिक रहती है। गर्भधारण से अधिक आयु की महिलाओं को ज्यादा खतरा रहता है। क्योंकि उन्हें प्रायः अन्य स्वास्थ्य समस्याएं भी उत्पन्न होती है या उन्होंने पहले ही कई बच्चों को जन्म दिया हुआ होता है। चार या उससे अधिक बच्चे पैदा करने वाली महिला को प्रसव के पश्चात खून बहने व अन्य कारणों से मृत्यु का अधिक जोखिम होता है। पूर्णिया के नवनियुक सीएचओ को प्रशिक्षित करने के बाद अररिया, कटिहार एवं किशनगंज के सीएचओ को प्रशिक्षित किया जाएगा।

चार पहिया लूटकांड का किया गया सफल उदभेदन

पूर्णिया । चार पहिया वाहन लूट कांड का पूर्णिया पुलिस ने सफल उद्भेदन किया। पूर्णिया सदर एसडीपीओ पुष्कर कुमार ने प्रेसवार्ता कर जानकारी देते हुए बताया कि लूटी गई टाटा टियागो कार एवं एक मोबाईल फोन के साथ घटना में संलिप्त दो कुख्यात अपराधकर्मी को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही घटना में प्रयुक्त टाटा टैगोर कार को भी बरामद कर लिया गया है। गौरतलब है कि तीन अज्ञात अपराध कर्मियों के द्वारा गोकुलपुर नहर सरसी, केनगर बॉर्डर के पास एक उजले रंग के टाटा टैगोर गाड़ी से एक ग्रे रंग का टाटा टियागो गाड़ी लूट लेने की घटना को अंजाम दिया गया था। घटना की सूचना मिलते ही केनगर थाना पुलिस के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना में कांड दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर पुष्कर कुमार के नेतृत्व में एक पुलिस टीम का गठन किया गया जिसके सदस्य थानाध्यक्ष केनगर मुकेश कुमार मिश्रा, थानाध्यक्ष मधुबनी टीओपी मनीष चंद्र यादव एवं अन्य पुलिसकर्मी को शामिल किया गया था।

लोकसभा चुनाव में जुमले वाले नरेंद्र मोदी सरकार को उखाड़ फेंकना है : युवा राजद प्रदेश अध्यक्ष

प्रात : किरण ब्यूरो, मुंगेर

मुंगेर। युवा राजद मुंगेर की संगठनात्मक मजबूती की समीक्षा के लिए बिहार प्रदेश युवा जनता दल के अध्यक्ष राजेश यादव रविवार को मुंगेर पहुंचे। मुंगेर में युवा राजद के जिलाध्यक्ष मोहम्मद आसिफ वसीम की अध्यक्षता में समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। इसका संचालन राजद बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव प्रोफेसर विनय कुमार सुमन ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित युवा राजद के प्रदेश अध्यक्ष राजेश यादव ने 2024 का लोकसभा को मद्देनजर रखते हुए, सभी युवा राजद के साथियों से अपील किया कि 2024 लोकसभा चुनाव जुमले बाज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कि सरकार को उखाड़ फेंकना है तो युवा राजद के साथियों को अभी से ही पूरे जोश खरोश के साथ लगना होगा। उन्होंने कहा कि गांव गांव टोला टोला जाकर आम आवाम को राजद सुप्रीमो श्री लालू प्रसाद के द्वारा गरीब गुरवाओं के हित में किए गए कार्यों को बताना होगा तथा यह भी बताना होगा कि मोदी सरकार धर्म के नाम पर समाज को बांटना चाहती है तथा भीमराव अंबेडकर के संविधान के बदले मनुस्मृति लाना चाहती है। अगर हमारा संविधान ही नहीं बचेगा तो संविधान में वर्णित हमारे अधिकारों की रक्षा कौन करेगा। इस अवसर पर मुंगेर के पूर्व सांसद का विधायक श्री विजय कुमार विजय ने कहा कि आज देश में तानाशाही सरकार की हुकूमत है जो नई शिक्षा नीति लागू कर ओबीसी, एससी एस टी एवं अल्पसंख्यक के अधिकार को छीनना चाहती है। भाजपा नहीं चाहती है कि बिहार में जातीय जनगणना हो अतः अप्रत्यक्ष रूप से संविधान का सहारा लेकर बिहार में जातीय जनगणना को रोकने का कार्य किया है। जिससे कि समाज के शोषित एवं वंचित लोग अपने अधिकारों से वंचित हो जाएं। देश में महंगाई चरम पर है कभी नोटबंदी तो कभी जीएसटी के माध्यम से मध्यम एवं निम्न वर्ग के व्यवसायियों को परेशान किया जा रहा है। कमरतोड़ महंगाई से गरीबों के हाथ में खाली तो है लेकिन थाली से रोटी गायब है। बैठक को राजद के प्रदेश महासचिव पंकज यादव, प्रदेश सचिव जितेंद्र कुशवाहा, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष जनाब हसीब उर रहमान, राजद पंचायती प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव नवल किशोर राय, राजद बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष राजेश रमन उर्फ राजू, सदर प्रखंड राजद अध्यक्ष अशोक चौधरी ने भी संबोधित किया।

संक्षिप्त खबरें

लू को आपदा घोषित करे सरकार-माले !

आरा। भाकपा-माले नगर सचिव दिलराज प्रीतम ने कहा कि अभी रिकार्डतोड़ भीषण गर्मी पड़ रही है जो कई सालों का रिकॉर्ड तोड़ रही है इस भीषण गर्मी में लू के लगातार मौतें हो रही है !तमाम श्मशान घाटों पर शव जलाने के लिए लम्बी लाइनें लगी रही है !करोना महामारी के दौरान इतने लाशें नहीं जल रही थी जितना अभी लाशें जल रही है !सरकारी आंकड़े से ज्यादा लोगों की मौतें हो रही है जिसका कोई रिकार्ड नहीं है !इसमें सबसे ज्यादा मजदूर वर्ग के लोगों की मौतें हो रही है क्योंकि जीविकापार्जन के घर से निकल रहे हैं और वे इस भीषण गर्मी के चपेट में आने से उनकी मौतें हो रही है जिससे उनके परिवार उजाड़ रहा हैं !इसके रोकथाम के लिए सभी अस्पतालों में पर्याप्त दवा व सभी चट्टी बाजारों के चौक-चौराहों पर पानशाला लगाने की गारंटी की जाए !आगे माले नगर सचिव दिलराज प्रीतम ने कहा कि सरकार सभी गांवों शहरों में सर्वे कराकर लू से मरने वालों की पहचान कर सही आंकड़ा पेश कर सरकार लू को आपदा में शामिल कर मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रु० मुआवजा देने की गारंटी की जाए ताकि उनके परिजनों का जीवन पटरी पर लाया जा सके !

संजय सिन्हा होंगे नए थानाध्यक्ष

भोजपुर ।पुलिस कप्तान प्रमोद कुमार यादव ने कार्य में लापरवाही बरतने के आरोप में चरपोखरी थाना अध्यक्ष नीकुज भूषण को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है भोजपुर पुलिस कप्तान प्रमोद कुमार यादव ने प्रेस वार्ता कर जानकारी देते हुए बताया कि कार्य में लापरवाही के साथ मुख्यालय से भी कमजोर वर्ग का आवश्यक दिशा निर्देश आया हुआ था थानाध्यक्ष के द्वारा इसका भी पालन नहीं किया गया था जिसके बाद समीक्षा की गई और समीक्षा रिपोर्ट में सारी बातें सामने आई जिसके बाद चरपोखरी थाना अध्यक्ष निकुंज भूषण को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है तथा चरपोखरी थाना की कमान डीआईयु में तैनात दरोगा संजय सिन्हा को सौंप दिया गया है संजय सिन्हा पूर्व में कोईलवर व उदवतनगर के थाना अध्यक्ष रह चुके हैं वर्तमान में डीआईयु में लंबे समय से कार्यरत है जिनको चरपोखरी थाना का नया थाना अध्यक्ष बनाया गया है।

बेलेरो से 13 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद

अगिआव प्रखंड के गड़हनी थाना क्षेत्र के लसाडी अगिआव पथ पर गस्ति के दौरान पुलिस को देख कर शराब तस्कर अपना बोलेरो वाहन छोड़कर फरार हो गए। पुलिस के द्वारा जब वाहन की तलाशी ली गई तो उसमें से 13 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद हुआ थानाध्यक्ष राजिव रंजन कुमार ने बताया कि तस्करों की तह तक पुलिस पहुंच गई है सभी तस्करों की पर नामजत प्राथमिकी दर्ज की गई है। बलेरो से 13 पेटी मिगडोल शराब बरामद किया गया है। तथा तस्करों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

लू लगने से 75 वर्षीय बुजुर्ग का बधार में हुई मौत

चरपोखरी ।थाना क्षेत्र के पड़रिया गांव के बधार में लू लगने से 75 वर्षीय बुजुर्ग की मौत रविवार को हो गई। घटना के संबंध में बताया जाता है कि गड़हनी, पड़रिया गांव निवासी बिहारी राम बोरिंग ठीक करने का काम करता था। रविवार की दोपहर बधार में बोरिंग ठीक कर रहा था। उसी समय उसे लू लग गया, इस कारण उसकी मौत घटनास्थल पर ही हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर छानबीन की। हालांकि परिजनों द्वारा शव का पोस्टमार्टम करने से मना कर दिया गया और शव का दाह संस्कार कर दिया गया।

अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा बेलागंज मे तीन अल्ट्रासाउंड को किया सिल

गया। अनुमंडल दंडाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी, सदर गया द्वारा बेलागंज प्रखंड अंतर्गत 03 तीन अल्ट्रासाउंड केन्द्रों की जाँच की गयी है। जिसमें सुमित्रा अल्ट्रासाउंड एवं रेखा अल्ट्रासाउंड केन्द्र में पाए गए अनियमितता के लिए प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, बेलागंज द्वारा अनुमंडल दंडाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी, सदर गया की उपस्थिति में सील बंद किया गया है ओम साई अल्ट्रासाउंड के विरुद्ध विभागीय निर्देश के आलोक में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, बेलागंज को आवश्यक कार्रवाई करने हेतु निर्देश दिया गया है।

बिहिया मे 21 जून को जनसभा में वरिष्ठ भाजपा नेता होंगे शामिल

आरा। भारतीय जनता पार्टी भोजपुर द्वारा 9 साल बेमिसाल कार्यक्रम के तहत बिहिया हाईस्कूल के मैदान में 21 जून को आयोजित जनसभा को सफल बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी भोजपुर के पदाधिकारियों और नेताओं द्वारा जिले में सघन जनसंपर्क अभियान चलाकर लोगों को जनसभा में भाग लेने की अपील गई। सभा को राष्ट्रीय महामंत्री सह बिहार प्रभारी बिनोद तावड़े जी, पूर्व उपमुख्यमंत्री सह राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी सम्बोधित करेंगे।

बैठक कर प्रतिदिन हो रहे आवेदन के निष्पादन की समीक्षा करें: जिलाधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

गया ।जिला पदाधिकारी गया डॉ० त्यागराजन एसएम समाहरणालय सभाकक्ष में राजस्व विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के वस्तु स्थिति के संबंध में सभी अंचल अधिकारियों, सभी भूमि सुधार उप समाहर्ता, सभी राजस्व पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गई है।

जिला पदाधिकारी ने सभी अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया कि अभियान बसेरा के तहत किए जा रहे ऑनलाइन एंट्री में सभी अंचल तेजी लावे। ऑनलाइन म्यूटेशन से संबंधित मामले जो सालों पुरानी म्यूटेशन वाले केस को जून अंत तक समाप्त करे। टेकारी एवं बोधगया अंचलाधिकारी को विशेष रूप से रुचि लेते हुए निष्पादन कराने का निर्देश दिया गया है। सभी अंचलाधिकारी को निर्देश दिया कि प्रत्येक दिन संध्या में अंचल कार्यालय में बनाए गए डाटा सेंटर कक्ष में सभी राजस्व कर्मियों के साथ बैठक कर प्रतिदिन हो रहे आवेदन के निष्पादन की समीक्षा करें जिससे तेजी से जमीन से संबंधित प्राप्त आवेदनों का निपटारा हो सके।

इस बैठक में जिला भू अर्जन पदाधिकारी ने बताया कि वर्तमान समय में भारतमाला एवं ऐकेआईसी परियोजना के तहत तेजी से सड़के बनाया जा रहा है। भू अर्जन संबंधित मामलों में तेजी से एलपीसी निर्गत किया जा रहा है वंशावली बनवाया जा रहा है। म्यूटेशन भी करवाया जा रहा है। जिला पदाधिकारी ने सभी अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया कि वर्जन से संबंधित मामले में ग्रामीणों को एलपीजी निर्गत हेतु निश्चित तौर पर कैंप आयोजन करें जिससे बड़े पैमाने पर एलपीसी निर्गत करते हुए सड़क निर्माण करवाया जा सके। भारतमाला परियोजना के तहत गुरुआ के सलेमपुर में 75% लोगों को भुगतान हो चुका है माफी भी हो चुकी है परंतु जो रैयत धारी जिनका पैसा मिल चुका है परंतु उसके बावजूद भी अपना मकान नहीं छोड़ रहे हैं जिसके कारण सड़क निर्माण में काफी कठिनाई हो रही है जिला पदाधिकारी ने अंचल अधिकारी को निर्देश दिया कि मामले को संवेदनशील लेते हुए अविलंब सड़क निर्माण कराने में सहयोग करें। आगे बताया गया कि बेलागंज के खनेटा गांव एवं सिलौंजा के समीप अधिग्रहण के दौरान बीच में मंदिर आ जाने के कारण दूसरे स्थान पर जमीन चिन्हित करते हुए मंदिर के स्ट्रक्चर का निर्माण करा दिया गया है। परंतु अब तक नए स्ट्रक्चर में मूर्ति को शिफ्ट नहीं कराया गया है। जिला पदाधिकारी ने अंचल अधिकारी बेलागंज को निर्देश दिया कि नए स्ट्रक्चर वाले भवन में मूर्ति को स्विफ्ट कराते हुए सड़क निर्माण करवाने में सहयोग करे। मुख्यमंत्री जनता दरबार में आने वाले मामलों के निष्पादन के समीक्षा के दौरान जिला पदाधिकारी ने सख्त निर्देश दिया कि अगले 7 दिनों के अंदर सभी अंचल अधिकारी मुख्यमंत्री जनता दरबार के मामलों को समाधान कराते हुए पोर्टल पर ऑनलाइन एंट्री करवाना सुनिश्चित करें ।सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा के समीक्षा के संबंध में सभी अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया कि यदि कहीं से अतिक्रमण होने की सूचना मिलती है तो अंचल अधिकारी तुरंत रेस्पॉन्ड करेंगे अंचल अधिकारी तथा थाना प्रभारी संयुक्त रूप से कब्जा मुक्त कराते हुए संबंधित व्यक्ति पर नामजद प्राथमिकी दर्ज कराएंगे उन्होंने कहा कि जया नगर एवं बोधगया में सरकारी जमीन अतिक्रमण की सबसे अधिक शिकायतें हैं।

सरकारी भूमि का संरक्षण करना सभी अंचल अधिकारियों का कर्तव्य है, इसे हर हाल में गंभीरता से लें और के जमीन को अतिक्रमण होने से बचावे। समीक्षा बैठक में जिला पदाधिकारी ने कहा कि जिले में कुछ अंचलाधिकारी एडिशनल चार्ज में भी हैं वैसे अंचल अधिकारी एक रोस्टर तैयार करें जिसमें स्पष्ट लिखे की किस दिन कौन से अंचल में उपस्थित रहेंगे तथा उसे अंचल कार्यालय तथा सार्वजनिक स्थानों पर प्रदर्शित करें जिससे आम लोगों को जानकारी मिले और उन्हें बेवजह अंचल का कार्यालय का चक्कर लगाना ना पड़े ।लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के समीक्षा के दौरान उन्होंने सभी अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया कि लोक शिकायत के मामले में आदेश पारित होने के बावजूद यदि आदेश का पालन नहीं हो रहा है वैसे मामले को प्राथमिकता देते हुए तुरंत समीक्षा करते हुए केस का डिस्पोजल करे ।गया जिला में लगभग 31.2% महादलित बहुल क्षेत्र है इसलिए सभी अंचल अधिकारी महादलित सिटी योजना के तहत अपने-अपने अंचल से मुखिया जी से समन्वय स्थापित रखते हुए महादलित क्षेत्र में जमीन चिन्हित कर प्रस्ताव भेजे ताकि महादलित बस्ती में 40 * 30 फीट का शेड का निर्माण कराया जा सके। सभी अंचल अधिकारी को निर्देश दिया कि वेस्ट प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने के लिए सभी अंचल अधिकारी अपने-अपने पंचायत वार जमीन चिन्हित करते हुए रिपोर्ट भेजें। पंचायत सरकार भवन जो स्वीकृत हो चुके हैं उसकी मापी अविलंब कराते हुए प्रतिवेदन जिला पंचायत राज कार्यालय को उपलब्ध करावे। सहकारिता विभाग के गोदाम निर्माण कराने हेतु संबंधित अंचल अधिकारी जमीन चिन्हित करते हुए जमीन की प्रतिवेदन एवं एनओसी जिला सहकारिता पदाधिकारी को उपलब्ध करावे। इस बैठक में अपर समाहर्ता मनोज कुमार, डीसीएलआर सदर, डीसीएलआर नीमचक बथानी, डीसीएलआर शेरघाटी, डीसीएलआर टिकारी सहित सभी अंचलों के अंचल अधिकारी एवं राजस्व पदाधिकारी उपस्थित थे।

तपती गर्मी को देखते हुए फेस ऑफ गया ने शहर में किया गमछा का वितरण

प्रात : किरण संवाददाता

गया ।भीषण गर्मी और तपती धूप को देखते हुए फेस ऑफ गया के संस्थापक जितेंद्र देव गुप्ता उर्फ करण गुप्ता की अध्यक्षता में इस चिलमिलाती धूप और तपती गर्मी में फेस ऑफ गया के सक्रिय कार्यकर्ता अपना हिम्मत दिखाते हुए समाज के प्रति समर्पण और सेवा ही हमारा धर्म है का संदेश देते हुए अपना नारा को बुलंद करते हुए फेस ऑफ गया ने ठाना है गया के जनता को जागरूक करना है और गर्मी से बचाना है का मैसेज देते हुए गया शहर में जन जागरूकता अभियान गर्मी से बचने के लिए चलाया गया साथ ही साथ जो भी रास्ते में मिले चाहे वह ठेले वाले हो, रिक्शेवाले हो, टोटो वाले हो औटो वाले हो दुकानदार हो वृद्ध हो महिला हो आते जाते राहगीर हो सभी को गमछा देकर धूप से बचने का उपाय बताएं कि कभी भी बाहर निकले तो गमछा लेकर निकले ताकि धूप का असर कम हो और आप स्वस्थ रहें पानी हमेशा पीते रहे जब जरूरी हो तभी घर से बाहर निकले इस अभियान को सफल बनाने में कुंदन मिश्रा, सुधांशु भारद्वाज ,विशाल कुमार, रोहन कुमार, रोहित कुमार, पीयूष गुप्ता, लक्ष्मण पांडे कन्हाई लाल गुप्ता, राहुल कुमार ,मोहित कुमार, का अहम योगदान रहा है।

द होली सेवियर चर्च में बड़े धूमधाम से फादर डे मनाया गया

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। फादर डे के पावन अवसर पर द होली सेवियर चर्च में आरा मे बड़े धूमधाम से फादर डे मनाया गया। यह दिन पिता को पूरे दुनिया भर में आदर करने का दिन है। हमें उनके प्यार , त्याग , समर्पण के लिए उनका सम्मान करना ह मदर डे की तर्ज पर फादर डे मनाया जाता है। और सभी पापा को थैंक यू बोला जाता है। केक काटे जाते हैं ।सोनारा स्मार्ट डाड के

मां की मृत्यु के बाद पिता ने मां-बाप दोनों का प्यार दिया। प्यार और त्याग और उनके समर्पण की एक कहानी फादर के डे के रूप में मनाया जाता है ।इस अवसर में होली सेवियर चर्च आरा, चर्च में विशेष गीत बच्चों ने गाया ।जैसे माता संभालती है वैसे यीशु संभालेगा, सेनाओं का यहोवा हमारे संग संग है, याकूब का परमेश्वर हमारा ऊंचा गढ़ है। भजन संहिता बाइबल का पाठ सुनीता,गीता ने पढ़ा ।इस अवसर पर पादरी अनिल जीउत ने बताया की फादर डे पूरे विश्व में माता-पिता के आदर सम्मान करने के लिए मनाया जाता है ।बाइबिल बतलाती है अगर हम अपने माता-पिता का आदर करते हैं तो हमें दीघार्यु जीवन मिलता है और हम बच्चे वाले अपने बच्चों को रिस ना दिलाएं। आज के समाज में बहुत से बच्चे अपने माता-पिता का तिरस्कार करते हैं और पिता के बूढ़े हो जाने पर उनका सम्मान नहीं करते ।लेकिन चर्च ने बताया कि एक पिता की भूमिका समाज में बहुत बड़ी है एक बडी जिम्मेदारी हर पिता अपनी ख्वाहिशों को दबाकर अपने बाल बच्चों को आगे बढ़ाते हैं ,पिता का यह त्याग समर्पण हर बच्चों को समझना है और उनका आदर करना है इस पावन अवसर पर हमें धन्यवाद के दो शब्द अपने पिता के लिए अवश्य कहना चाहिए ।बहुत से लोग हैं जो अनाथ विधवा है जिनके माता-पिता नहीं है। वह समझ सकते हैं कि एक पिता की भूमिका कितनी आवश्यक है। पिता बच्चों का भविष्य है उंगली पकड़कर उन्हें चलना सिखाते हैं इस अवसर पर चर्च में विशेष बच्चों और उनके माता पिता के लिए प्रार्थना किया गया ताकि वह भी परमपिता परमेश्वर का प्यार को अपने हृदय में समझ सके ।

सभी प्रखंडों में महागठबंधन के कार्यकर्ताओं का सम्मेलन जुलाई में

प्रात : किरण संवाददाता

गया। महागठबंधन के सभी घटक दलों के प्रमुख साथियों एवं जिला अध्यक्ष की बैठक सर्किट हाउस गया में हुई जिसमें निम्नलिखित नेतागण उपस्थित हुए : अभय कुशवाहा जिला अध्यक्ष जदयू गया, मोहम्मद मुर्शीद आलम उर्फ नेजाम भाई जिला अध्यक्ष राजद गया, डॉ0 गगन कुमार मिश्रा जिला अध्यक्ष कांग्रेस , रामखेलावन दास- सीपीएम, सुभाष यादव प्रधान महासचिव राजद, मोहम्मद याहिया- सीपीआई ,रामजगन गिरी- सीपीआई, वीरेंद्र गोप- राजद। इस बैठक में 15 जून को सभी प्रखंड मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन काफी सफल रहा इसकी चर्चा की गई है ।इसके राजनीतिक संदेश को प्रखंडों एवं पंचायतों तक ले जाने के लिए गया जिला के सभी प्रखंडों में महागठबंधन के कार्यकताओं का सम्मेलन किया जाएगा।

प्रदेश अध्यक्ष अनवर आलम का कोइलवर में किया गया स्वागत

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। राष्ट्रीय जनता दल, भोजपुर जिला प्रधान कार्यालय में राजद अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के नवमनोनीत प्रदेश अध्यक्ष सह आरा सदर के पूर्व विधायक मो. नवाज आलम उर्फ अनवर आलम का प्रदेश अध्यक्ष मनोनित होने के उपरांत भोजपुर जिला में प्रथम आगमन पर अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। सर्वप्रथम राजद कार्यकताओं ने अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अनवर आलम का कोइलवर में स्वागत किया। तदोपरांत सकड्डी, धरहरा मोड़, वलीगंज, अहिरपुरवा मोड़, अबरपुल, बड़ी मस्जिद चौक, चौधरियाना, पुरानी पुलिस लाइन, मौलाबाग में जोरदार स्वागत किया गया।

उसके बाद जिला प्रधान कार्यालय में आयोजित अभिनंदन समारोह में शामिल हुए। अभिनंदन समारोह की अध्यक्षता राजद के भोजपुर जिलाध्यक्ष श्री वीरबल यादव ने किया वही संचालन जिला प्रधान महासचिव श्री रामबाबू पासवान ने किया। मौके पर कई राजद के वरीय नेताओं ने अंग वस्त्र, फुल माला और बुके दे कर प्रदेश अध्यक्ष का अभिनंदन किया। मौके पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष श्री वीरबल यादव ने कहा की यह अति हर्ष का विषय है की हमारे भोजपुर जिला में बिहार का नेतृत्व करने का कमान राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री श्री तेजस्वी प्रसाद यादव ने दिया है। मो. नवाज आलम उर्फ अनवर आलम एक कर्मठ कार्यकर्ता के रूप में पार्टी और जनता की सेवा में लगे रहते है। इनके प्रदेश अध्यक्ष मनोनित होने से निश्चित तौर पर संगठन और मजबूत होगा।

वहीं नवमनोनित प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व विधायक मो नवाज आलम उर्फ अनवर आलम ने कहा की पार्टी के शीर्ष नेताओं ने जिस आशा एवं उम्मीद के साथ मुझ जैसे कार्यकर्ता को एक बड़ी जिम्मेदारी दी है उसको मैं बखूबी निभाने का काम करूंगा और इसमें आप सभी की भागीदारी भी अहम है। आप लोगो के ही बदौलत यह जिम्मेदारी मुझे मिली है। एक एक कार्यकर्ता के मान सम्मान के लिए मैं सदैव संघर्षरत रहूंगा। पूरे बिहार में संगठन को पंचायत स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक मजबूती प्रदान करना हमारा लक्ष्य है। हम अन्य अल्पसंख्यक समुदाय के लोगो से भी अपील करते हैं की राष्ट्रीय जनता दल आपके हक व हकुक के लिए लगातार लड़ाई लड़ी है इसलिए आप दल से जुड़िए। मौके पर पूर्व विप लालदास राय, जिप अध्यक्ष आशा देवी, प्रमुख मुकेश सिंह यादव, पूर्व जिप उपाध्यक्ष शैलेंद्र राम, छात्र राजद के प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक रंजन, जिप सदस्य धनंजय यादव, नंदकिशोर सिंह, मंटू शर्मा, गंगहर पंचायत अध्यक्ष धनजीत यादव, विवि उपाध्यक्ष अमित ठाकुर, ओम प्रकाश मुन्ना, मदन राय, रंजय यादव लालू, सेराज अंसारी, हबीब वारसी, महफूज आलम, एकराम आलम, भागीरथी उप प्रमुख , मुन्ना अंसारी, फजलू रहमान, जुबैर खान, नंदकिशोर सिंह, मंटू शर्मा, इमामुद्दीन अंसारी, विनोद चंद्रवंशी, सी पी चक्रवर्ती, मो. एनामुल हक, मो. शमीम, मो. राजा, मो. जिशान, अरशद, इंजमामुल, मुखिया बहादुर जी, संजय यादव, भरत यादव, मो. साद, मो. इश्तेयक अंसारी, नीरज यादव, अर्पित, रवि, मो. लड्डू , मो. इकरामुल, विकास यादव, जाकिर हुसैन, विजय यादव, मो. अफजल, शाहबाज, जशीम खान, इमरान खान, विनीत यादव, धनंजय यादव समेत कई लोग थे।

गर्मी एवं लू से पीड़ित व्यक्ति को उपलब्ध होगी समुचित चिकित्सीय देखभाल

गर्मी एवं लू से पीड़ित लोगों के उपचार के लिए रहेगा डेडिकेटेड वार्ड

प्रात : किरण संवाददाता

आरा ।भीषण गर्मी एवं लू के प्रकोप से जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित है। अत्यधिक गर्मी एवं इससे उत्पन्न लू से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना कर सकता है। स्वास्थ्य विभाग स्थिति को ध्यान में रखते हुए अपने स्तर से सभी तैयारी करने में जुटा है। ऐसे मौसम में छोटे तथा स्कूली बच्चों, बुजुर्ग एवं गर्भवती तथा धात्री महिलाओं को घर से बाहर निकलने पर स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होती हैं। इसे ध्यान में रखते हुए जिले के सभी सरकारी अस्पतालों एवं स्वास्थ्य केंद्रों को पूरी तरह से तैयार रहने का निर्देश दिया गया है। इस बाबत सचिव सह कार्यपालक निदेशक, राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार संजय कुमार सिंह ने सिविल सर्जन को पत्र जारी कर आवश्यक निर्देश दिए हैं।

गर्मी एवं लू से पीड़ित लोगों के उपचार के लिए रहेगा डेडिकेटेड वार्ड: जारी पत्र में बताया गया है कि गर्मी एवं लू से पीड़ित लोगों के चिकित्सीय प्रबंधन के लिए समुचित संख्या में बेड के साथ डेडिकेटेड वार्ड बनाया जाये। उक्त वार्ड में रोस्टर के अनुसार 24 घंटे चिकित्सकों एवं पारा मेडिकल कर्मियों की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित की जाए। लू से पीड़ित व्यक्तियों का हार्ट रेट, श्वशन रेट, रक्तचाप, मानसिक स्थिति आदि की लगातार निगरानी की जाये। लू से ग्रसित गंभीर मरीजों का ब्लड काउंट, इलेक्ट्रोलाइट, ईसीजी, लीवर, किडनी आदि की जांच करने की समुचित व्यवस्था की जाये।

औषधियों की उपलब्धता की जाएगी सुनिश्चित: जारी पत्र के अनुसार सभी सरकारी अस्पतालों में दस्त एवं अतिसार से संबंधित सभी जरुरी दवाओं, ओआरएस आदि की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित करायी जाये। साथ ही सभी एम्बुलेंस में एसी की क्रियाशीलता, ऑक्सीजन एवं आवश्यक उपकरणों की व्यवस्था की समीक्षा सिविल सर्जन के स्तर पर सभी एम्बुलेंस को 24 घंटा अलर्ट मोड में रखा जाए।

मरीजों के साथ उनके परिजनों का भी रखा जायेगा ख्याल: जारी पत्र के अनुसार सभी स्वास्थ्य संस्थानों में मरीजों एवं उनके परिजनों के लिए बैठने की समुचित व्यवस्था, रौशनी का प्रबंध, पंखा/कूलर, शुद्ध पेयजल तथा अन्य जन-सुविधाओं की व्यवस्था निश्चित रूप से की जाये। गर्मी एवं लू को ध्यान में रखते हुए अस्पतालों के सामान्य वार्ड में एसी/कूलर, पंखा आदि को क्रियाशील अवस्था में रखना सुनिश्चित किया जाये। जिला प्रशासन के स्तर पर निर्धारित हीट वेव एक्शन प्लान के तहत भी सनस्ट्रोक से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग के जिलास्तरीय पदाधिकारियों/कर्मियों को आवश्यक कार्यवाही करने का निर्देश दिया जाये।

जन जागरूकता के लिए होगा प्रचार-प्रसार: जारी पत्र के अनुसार लू से बचाव के उपाय की जानकारी जनमानस को उपलब्ध कराने के लिए जिलास्तरीय आपदा प्रबंधन शाखा समंवय कर प्रचार-प्रसार कराया जाये। साथ ही ह्लक्या करें, क्या न करेंह्व को जिला स्तर पर पयुकता कार्यक्रम आयोजित कर इसे जनमानस के बीच प्रचारित किया जाए।

राहुल गांधी का जन्म दिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। जिला कॉंग्रेस कार्यालय शहीद भवन आरा मे जिलाध्यक्ष अशोक राम की अध्यक्षता मे, देश के जन नायक, पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, राहुल गांधी का 53वा जन्म दिन हर्षोल्लास के साथ समारोह पूर्वक धुमधाम के साथ मनाई गई। जन्म दिन मनाने के तत्पश्चात अगामी 23 जुन 2023 की सदाकत आश्रम पटना मे आहुत कार्यकर्ता सम्मेलन जिसमे भारतीय लोकतन्त्र के प्रहरी, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, युवाओ के प्रणेता, राहुल गांधी , पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय मल्लिकार्जुन खडगे जी, राष्ट्रीय संगठन महासचिव के सी बेणुगोपाल एवं बिहार प्रभारी भक्त चरण दास जी की आगमन की सूचना बिहार प्रदेश कॉंग्रेस कमिटी के सम्मानित अध्यक्ष माननीय डा अखिलेश प्रसाद सिंह जी के द्वारा प्राप्त हुई है की तैयारी को लेकर जिला के सभी वरिष्ठ कांग्रेस जनो, प्रखण्ड अध्यक्षो , प्रदेश प्रतिनिधियो ,मोर्चा संगठन के अध्यक्षो एवं कार्यकर्ताओ के साथ बैठक आहुत की गई, जिसमे भोजपुर जिले की भागीदारी बढचढकर हो इस पर विस्तारित चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष अशोक राम ने समस्त भोजपुर वासियो को राहुल गांधी के जन्म दिनपर शुभकामना व्यक्त करते हुए कहा की राहुल गांधी भारत के लोकतन्त्र के प्रहरी के रूप मे निर्भीक, निडर और निष्पक्ष रूप से भारत के 140 करोड लोगो की अवाज बनकर उभरे है।

राहुल गांधी द्वारा लोकहित, जनहित और देशहित मे उठाए गए सवालो का एक भी जबाब केन्द्र की मोदी सरकार 9 वर्षो मे नही दे पाई, ऐसे नेता का आगमन पाटलिपुत्र की धरती पर हो रही है जिसमे भोजपुर जिला के लोग पटना के सडको को पाटने का काम करेगे। भोजपुर जिला की उपस्थित बिहार मे औवल हो जिसके लिए हम सभी कॉंग्रेस जन लोगो से संवाद स्थापित करने का काम कर रहे है मुझे पूरा भरोसा है की भोजपुर जिला की उपस्थित पुरे बिहार औवल रहेगा। बैठक के संचालन प्रदेश डेलीगेट धनशयाम उपाध्याय और धन्यबाद प्रोफेसर अरूण कुमार सिंह ने किए बैठक को संबोधित करनेवालो मे डा शशी कुमार सिंह, लालशरण सिंह, राम उग्रह सिंह, मोहन दुबे, विरेन्द्र मिश्रा श्रीधरतिवारी, पन्नग कुमार त्रिपाठी जितेन्द्र शर्मा संतोष तिवारी रजी अहमद अशोक यादव , नवीन राय उपेन्द्र सिंह प्रेम प्रकाश पाण्डेय, संतोष पाण्डेय, फजलू रहमान,देव कुमार सिंह , प्रमोद राय, सत्यनारायण सिन्हा, आशुतोष ठाकुर, । उपस्थित कार्यकर्ताओ मे राकेश त्रिपाठी, मनोज कुमार अंजनी, अब्दुल सलाम कुरैशी, नन्द जी राम, लुटावन चौरसीया, नागेन्द्र मिश्रा, शशिकांत तिवारी, रविन्द्र कुमार, गजेन्द्र चौधरी, पपलु सिंह परमार, रतन धमालिया,विजेन्द्र कुमार राय, सुरेन्द्र चौधरी, धनशयाम चौधरी, लक्ष्मुण ठाकुर, सुशीला देवी, अनिल कुमार, सुनील कुमार, मनोज कुमार, चन्द्रिका सिंह यादव, सुनील कुमार साह, इत्यादि उपस्थित हुए।

इंसाफ मंच के राज्य सचिव द्वारा दिया गया बयान दुर्भाग्यपूर्ण : दुर्गा राज

प्रात : किरण संवाददाता

आरा ।इंसाफ मंच आरा नगर कमिटी की बैठक मे मंच के राज्य सचिव और अन्य वक्ताओं द्वारा दिए गए आपत्तिजनक बयानो को भारतीय जनता पार्टी भोजपुर ने घोर निंदा करते हुए भत्सर्ना की है।

जिलाध्यक्ष दुर्गा राज ने कहा कि आएँ दिन कोई भी समाज विरोधी और देश विरोधी बाते कर अपनी वाहवाही लुटने मे लगा है,लेकिन प्रशासन मुकदशक बनकर देखती और सुनती रहती है। उन्होने कहा कि जहाँ एक तरफ भारतीय जनता पार्टी की सरकार केन्द्र मे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व मे सबका साथ, सबका विश्वास और सबका प्रयास के साथ सबका विकास कर रही है। वही कुछ चंद संगठनो और पार्टियों द्वारा धृतराष्ट्र बनने का नाटक कर गरीब और दलित वर्गो को भरमाया जा रहा है। केन्द्र सरकार की सारी योजनाएं गरिबो,महिलाओं और सभी धर्म वर्गो के लिए अनवरत चल रही है ,जिसे वे लोग लाभ प्राप्त कर अपने जीवन सँवार रहे है और आजादी के बाद पहली बार वे सुशासन का सुख पा रहे है। भारतीय जनता पार्टी के एक-एक कार्यकरता आज घर-घर जा कर उन सभी गरीबो,दलितो और महिलाओं को योजनाओं के बारे मे बता रहे है और लाभ प्राप्त करवा रहे है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार जितनी काम गरिबो,दलितो और महिलाओं के लिए की है आजादी के 60 वर्षो तक किसी भी सरकार ने नही की है।

उन्होने कहा कि उक्त संगठन के राज्य सचिव द्वारा ये कहना कि आज भाजपा के निशाने पर देश के मुस्लिम, दलित और महिलाएं है। पहली बार केन्द्र मे कोई सरकार उनके विकास की चिन्ता की है तो वह भाजपा की सरकार है और इसे भारत की जनता अच्छी तरह जानती है। भोजपुर सहित बिहार के सभी जिलो के लोग जानते है कि मार-काट और दलितो पर शोषण करनेवाली पार्टी माले का आज जनाधार घसक चुका है। यहाँ की जनता अच्छी तरह जान गई है कि मुस्लिम तुष्टिकरण और दलितो को बेवकूफ बनाकर राजनीति करने वाली पार्टी का समुल नष्ट हो चुका है। आज के दलित हो पिछड़ा हो या अतिपिछड़ा सभी भाजपा के साथ है ।वे वही पार्टी है जिसके मार-धाड़ करने के कारण कितने गरिबो-दलितो को जान गंवानी पड़ी और उन्हे पलायन करना पडा.। आज के दलित हो या कोई भी धर्म के लोग किसी के बहकावे मे आनेवाले नही है ।भाजपा मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति नही करती,बल्कि सभी धर्मो को साथ ले कर चलती है और सबका विकास करती है। इंसाफ मंच के राज्य सचिव द्वारा रामनवमी पर्व पर आरोप लगाना साफ दिखाता है कि वे समाज को तोड़कर देश को कमजोर करने की फिराक मे है ।उनके इस मंसूबे को भारतीय जनता पार्टी कभी पूरी नही होने देगी। रामनवमी पर्व के दौरान निकलनेवाली जुलूस मे लाखो लोग अपने मयार्दा पुरूषोत्तम भगवान श्री राम की पूजा-अर्चना कर और उनको आदर्श मानते हुए अपना जीवन जीने के लिए संकल्पित रहते है। उक्त जुलूस मे केवल हिन्दू ही नही,वरन मुस्लिम, जैन सिक्ख सहित सभी धर्मो के लोग योगदान देते है और पानी-शरबत भी पिलाते है। आरा मे लगातार 23 वर्षो से श्रीरामनवमी महोत्सव जुलूस धूम-धाम से निकलता आ रहा है ।आज तक न कोई दंगा हुआ और न ही कोई अप्रिय घटना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता और देश मे चतुमुर्खी विकास देखकर तुष्टिकरण और जातिवाद की राजनीति करनेवालो का मानसिक संतुलन खराब हो गया है।

कलर्स के कलाकारों ने संगीत को लेकर अपना अनुभव साझा किया

आरा। कलर्स के खतरों के खिलाड़ी 13 की प्रतियोगी रश्मीत कौर कहती हैं मेरी संगीत की यात्रा हर तरह से अविश्वसनीय रही है। यह एक रोमांचक रोलर-कोस्टर राइड रही है। सिख संगीत के प्रति मेरी मां के जुनून और उनकी गुरबानी कीर्तन की श

700 रुपये तक जा सकते हैं स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयर, आ सकता है 25 प्रतिशत का उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के सबसे बड़े बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयरों में अच्छी तेजी आ सकती है। सरकारी बैंक के शेयर 700 रुपये तक पहुंच सकते हैं। ब्रोकरेज हाउस मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयरों को लेकर पॉजिटिव है। ब्रोकरेज हाउस का कहना है कि बैंक अपनी लीडरशिप पोजिशन को मेंटेन करते हुए लगातार अपनी बैलेंस शीट को मजबूत कर रहा है।

घरेलू ब्रोकरेज हाउस मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज ने 17 जून की अपनी रिपोर्ट में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयरों पर बाय रेटिंग बनाए रखी है और 700 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयर सोमवार को करीब 1 पर्सेंट की गिरावट के साथ 567.25 रुपये पर ट्रेड कर रहे हैं। बैंक के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 629.65 रुपये है। वहीं, बैंक के

शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 430.80 रुपये है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयरों में इस साल अब तक 7.29 पर्सेंट की गिरावट आई है। साल की शुरुआत में 2 जनवरी को एसबीआई के शेयर बीएसई में 612.25 रुपये पर थे। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयर 19 जून 2023 को 567.25 रुपये पर ट्रेड कर रहे हैं। वहीं, पिछले एक साल में सरकारी बैंक के शेयरों में करीब 31 पर्सेंट का उछाल आया है। बैंक के शेयर 20 जून 2022 को बीएसई में 434.25 रुपये पर थे, जो कि बढ़कर 567.25 रुपये पर पहुंच गए हैं।

लैटिन अमेरिका, अफ्रीका से मिला करोड़ों रुपये का काम, शेयर खरीदने मची होड़, लगा 20 प्रतिशत का अपर सर्किट

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे बड़ी पॉवर ट्रांमिशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी स्किपर के शेयरों में आज 20 प्रतिशत का अपर सर्किट लगा है। अपर सर्किट लगने के बाद कंपनी के एक शेयर का भाव 172.70 रुपये के लेवर पर पहुंच गया है। बता दें, स्किपर के शेयरों में आई इस तेजी की बड़ी वजह कंपनी को मिला वर्क ऑर्डर है।

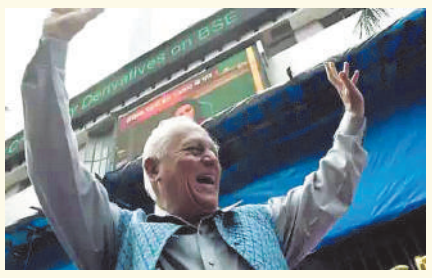

1135 करोड़ रुपये का काम : शेयर बाजारों को स्किपर की तरफ से दी गई जानकारी के अनुसार घरेलु और विदेशी मार्केट से 1135 करोड़ रुपये के फ्रेश ऑर्डर मिले हैं। कंपनी पॉवर ग्रिड कॉर्पोरेशन के लिए नए ट्रांसमिशन लाइन बनाएगी। वहीं, लैटिन अमेरिका, मिडल ईस्ट और नॉर्थ अफ्रिका रिजन से भी ये ऑर्डर मिले हैं।

भारतीय स्टार्टअप में लिया गया छंटनी का फैसला, 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों को किया बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय स्टार्टअप्स में छंटनी की लहर लगातार बढ़ रही है, अब हेल्थटेक स्टार्टअप मोजोकेयर भी इससे प्रभावित हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार लाभ बढ़ाने की रणनीति के तहत कंपनी ने अपने 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों को बाहर कर दिया है। खबरों के अनुसार, मोजोकेयर में बड़े पैमाने पर हुई छंटनी से 200 से अधिक कर्मचारियों के प्रभावित होने की आशंका है, हालांकि स्टार्टअप से जुड़े एक व्यक्ति ने दावा किया है कि यह संख्या 150-170 कर्मचारियों के करीब है।

मोजोकेयर के प्रवक्ता ने कहा, हमारे सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद, हमारे व्यापार के बुनियादी सिद्धांतों ने पिछले कुछ महीनों में काम नहीं किया है। ऐसे में अधिक पूंजी कुशल बनने के लिए हमने लागत को तर्कसंगत बनाने का फैसला किया है। मोजोकेयर अश्विन स्वामीनाथन और रजत गुप्ता की ओर से 2020 में स्थापित एक डिजिटल वेलनेस प्लेटफॉर्म है।

बायजू के गढ़ में फिजिक्स वाला की सेंध, केरल की कंपनी के साथ पार्टनरशिप, 500 करोड़ रुपये निवेश की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रॉफिट में चल रही देश की एकमात्र एड-टेक कंपनी फिजिक्स वाला अब बायजू के गढ़ में सेंध लगाने की तैयारी में है। दक्षिण के मार्केट में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए फिजिक्स वाला ने केरल के कंपनी जाइलम लर्निंग के साथ स्ट्रैटजिक पार्टनरशिप की है। इसके तहत कंपनी अगले तीन साल में जाइलम लर्निंग में 500 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। जाइलम लर्निंग की स्थापना 26 साल के एमबीबीएस ग्रेजुएट डॉक्टर अनंतू एस ने की थी। यह कंपनी छात्रों को नीट और जी की तैयारी कराती है। कंपनी का दावा है कि उसने यूट्यूब के जरिए 30 लाख से अधिक छात्रों को फ्री क्लासेज दी हैं। साथ ही कंपनी के एक लाख पेड स्टूडेंट्स भी हैं। केरल में कंपनी के पांच हाइब्रिड सेंटर हैं जिनमें करीब 30,000 बच्चे कोचिंग लेते हैं। फिजिक्स वाला के को-फाउंडर और सीईओ अलख पांडेय ने कहा कि अगले तीन साल में हम जाइलम में 500 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे। इससे दूसरे राज्यों में भी जाइलम के यूनीक मॉडल को अपनाएंगे। इसके लिए मजबूत टीम, कंटेंट डेवलपमेंट, टेक्निकल इनोवेशन, दूसरी कैटगरीज में विस्तार और हाइब्रिड सेंटर्स की जरूरत है। साथ ही हम साउथ में मर्जर एंड एक्विजिशन की गुंजाइश भी देखेंगे। कंपनी तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और साउथ के दूसरे मार्केट्स में अपना विस्तार कर रही है। अनंतू एस ने कहा कि उनका टारगेट इस फाइनेंशियल ईयर में 300 करोड रुपये का रेवेन्यू हासिल करना है। देश की सबसे बड़ी एडटेक कंपनी बायजू के फाउंडर बायजू रवींद्रन केरल के ही हैं। साउथ इंडिया उनके लिए सबसे बड़ा मार्केट है। यानी एक तरह से फिजिक्स वाला सीधे उनके गढ़ में सेंध लगाने जा रही है। फिजिक्स वाला की स्थापना अलख पांडेय ने 2016 में यूट्यूब चैनल के रूप में की थी। बाद में 2020 में इसे कंपनी के रूप में रजिस्टर्ड किया गया। मौजूदा फाइनेंशियल ईयर में कंपनी ने 2,500 करोड़ रुपये रेवेन्यू का टारगेट रखा है। यह देश की एकमात्र एड-टेक कंपनी है जो मुनाफे में चल रही है।

बढ़ते हवाई किराए पर चिदंबरम का तंज, कहा- एकाधिकार पूंजीवाद पर दुनिया के लिए भारत विश्वगुरु होगा

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने बढ़ते हवाई किराए को लेकर रविवार को केंद्र सरकार पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि मुक्त बाजारों में जब मांग बढ़ेगी तो आपूर्ति बढ़ेगी, लेकिन भारत के मुक्त बाजार में जब मांग बढ़ेगी तो कीमतें बढ़ेंगी। बढ़ते हवाई किराए पर ठोस कार्रवाई की मांग को लेकर कांग्रेस सरकार पर लगातार हमलावर रही है। चिदंबरम ने एक ट्वीट में कहा, विस्तारा और एयर इंडिया के दिल्ली-चेन्नई बिजनेस क्लास के लिए हवाई टिकट क्रमशः 6,300 रुपये और 5,700 रुपये के उचित मूल्य पर निर्धारित किए गए हैं। उफ्फ, क्षमा करें, वे क्रमशः 63,000 रुपये और 57,000 रुपये के बहुत उचित मूल्य पर निर्धारित हैं। उन्होंने कहा, मुक्त बाजारों में जब मांग बढ़ेगी तो आपूर्ति बढ़ेगी। लेकिन भारत के मुक्त बाजार में जब मांग बढ़ेगी तो कीमतें बढ़ेंगी। पूर्व वित्त मंत्री ने कहा कि एयरलाइंस अपने मार्गों का विस्तार करेंगी, पुराने मार्गों पर उड़ानें कम करेंगी और कीमतें बढ़ाएंगी।

उन्होंने कहा, भारत एकाधिकारवादी पूंजीवाद पर दुनिया के लिए विश्वगुरु होगा। बता दें कि हाल के सप्ताहों में कुछ मार्गों पर हवाई किराए में वृद्धि हुई है, ऐसा मुख्य रूप से क्षमता की कमी और संकटग्रस्त गो फर्स्ट द्वारा संचालन के निलंबन के कारण हुआ है। इस पृष्ठभूमि के खिलाफ विभिन्न तिमाहियों में चिंता व्यक्त की गई है और नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने छह जून को एयरलाइंस को हवाई टिकटों के उचित मूल्य निर्धारण को सुनिश्चित करने के लिए एक सिस्टम तैयार करने के लिए कहा था। बता दें कि पांच जून को एयरलाइनों के साथ एक बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में एयरलाइनों को कुछ चुनिंदा मार्गों पर किराए को स्व-विनियमित करने की सख्त सलाह दी गई थी, जिस रूट पर हाल ही में काफी मूल्य वृद्धि देखी गई है। एयरलाइनों द्वारा हाई रिजर्वेशन बुकिंग डेजिग्नेटर (आरबीडी) के भीतर उचित मूल्य निर्धारण सुनिश्चित करने के लिए एक सिस्टम तैयार करने के लिए भी कहा गया था।

छह महीने तक नहीं मिलेगा अनचाहे कॉल्स और मैसेज से छुटकारा, टेलिकॉम कंपनियों को मिली मोहलत

नई दिल्ली, एजेंसी। अनचाहे कॉल्स और मैसेज से देश का लगभग हर मोबाइल यूजर परेशान रहता है। टेलिकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने ग्राहकों को अनचाहे कॉल्स और मैसेज से मुक्ति दिलाने के लिए टेलिकॉम कंपनियों को एआई आधारित प्लेटफॉर्म तैयार करने को कहा था। इसके लिए ट्राई ने टेलिकॉम कंपनियों को कुल दो महीने का वक्त दिया था। तब कहा गया था कि एक मई के बाद अनचाहे कॉल/मैसेज बंद हो जाएंगे। लेकिन अनचाहे कॉल और मैसेज से छुटकारा पाने के लिए आपका इंतजार लंबा हो सकता है। इसकी वजह यह है कि ट्राई ने व्यावसायिक कॉल या मैसेज भेजने वाली संस्थाओं और मोबाइल सर्विस प्रोवाइडर्स को अनचाहे कॉल और मैसेज की पहचान और इन्हें ब्लॉक करने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार करने के वास्ते 30 नवंबर तक का समय दिया है।

ट्राई ने व्यावसायिक और सरकारी संस्थाओं को ग्राहकों की सहमति से कॉल या मैसेज भेजने की छूट दी है। लेकिन इसके लिए उन्हें ग्राहकों की सहमति लेनी होगी। बैंक,

बीमा, फाइनेंस और व्यापारिक संस्थाएं ग्राहकों से सहमति लेने का काम 30 सितंबर तक पूरा कर लेंगी। बाकी संस्थाओं को इसके लिए 30 नवंबर तक का समय दिया गया है।

जानकारों के मुताबिक टेलिकॉम कंपनियों ने छह महीने का समय केवल प्लेटफॉर्म तैयार करने के लिए मांगा है। इसलिए कॉल से छुटकारा पाने में कितना समय लगेगा, इस बारे में पक्के तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता है। इसकी वजह यह है कि सबसे ज्यादा कॉल नॉन-रजिस्टर्ड एंटिटीज ही ही करती हैं। उन्हें ब्लॉक करने का काम ग्राहक से शिकायत मिलने के बाद ही होगा।

ट्राई ने मैसेज भेजने वाली संस्थाओं से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि वही मैसेज भेजे जाएं जो ग्राहक चाहता है। साथ ही टेलिकॉम ऑपरेटर्स से कहा गया है कि ग्राहकों को भेजे जाने वाले मैसेज में यह संदेश होना चाहिए कि वे अवांछित मैसेज कैसे रोक सकते हैं। 31 जुलाई 2023 तक टेलिकॉम कंपनियां डिजिटल सहमति के लिए जरूरी प्लेटफॉर्म तैयार करेंगी। इसके बाद एक अगस्त से कॉल/मैसेज के लिए डिजिटल सहमति लेने की प्रक्रिया शुरू होगी। सहमति देने वालों के कॉल बैक नंबर की सूची 31 अगस्त तक तैयार होगी। इसके बाद एक सितंबर से व्यावसायिक संस्थाएं ग्राहकों से सहमति लेने लगेंगी। 30 सितंबर बैंक, बीमा, वित्त और व्यापारिक संस्थाएं प्लेटफॉर्म तैयार कर लेंगी। 30 नवंबर तक दूसरी सभी संस्थाएं प्लेटफॉर्म तैयार कर लेंगी।

ग्राहकों के पास कॉल या मैसेज के लिए सहमति कैंसल करने का अधिकार होगा। कंपनियों को 24 घंटे सातों दिन यह सुविधा देनी होगी। साथ ही कंपनियों को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि जिन यूजर्स ने सहमति नहीं दी है, उन्हें कोई कॉल/मैसेज न जाएं। कॉल और मैसेज का व्यावसायिक प्रयोग करने वाली संस्थाओं को शिकायत का फॉर्मेट बताना होगा।

ग्राहकों का डेटा इस्तेमाल करने वाली संस्थाओं को ग्राहक का सहमति पत्र अपने रेकॉर्ड में रखना होगा। सहमति लेने से पहले संस्थाओं को ग्राहकों को भेजे जाने वाले कंटेंट की जानकारी देनी होगी। ग्राहक को रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से एक ओटीपी भेजा जाएगा। ओटीपी डालकर जब ग्राहक मंजूरी देगा, उसके बाद ही कॉल/एसएमएस भेजे जाएंगे।

पूंजी जुटाने के लिए मुक्का प्रोटीन्स ने आईपीओ के लिए सेबी के पास आवेदन किया

नयी दिल्ली, एजेंसी। मुक्का प्रोटीन्स लिमिटेड, ने पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के जरिए पूंजी जुटाने के लिए आवेदन किया है। मंगलुरु स्थित कंपनी ने इससे पहले मार्च 2022 में नियामक के पास आईपीओ के लिए आवेदन किया था। हालांकि, कंपनी ने उस समय अपनी आईपीओ योजनाओं को स्थगित कर दिया और अपना आवेदन वापस ले लिया। ताजा मसौदा रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) के अनुसार मुक्का प्रोटीन्स आठ करोड़ इक्विटी शेयरों की पेशकश करेगी। यह निर्गम पूरी तरह ताजा पेशकश के रूप में होगा। बाजार सूत्रों के मुताबिक आईपीओ का आकार 175 करोड़ रुपये से 200 करोड़ रुपये के बीच हो सकता है।

कियारा आडवाणी गैलेक्सी चॉकलेट्स की ब्रांड एम्बेसडर बनीं

नयी दिल्ली, एजेंसी। बॉलिवुड नायिका और सुपरस्टार कियारा आडवाणी को ग्लोबल कन्फेक्शनरी ब्रांड, मार्स रिगली के ग्लोबल ब्रांड, गैलेक्सी चॉकलेट्स का ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त किया गया है।

कंपनी ने इस प्रतिभाशाली भारतीय अभिनेत्री के साथ इस गठबंधन की घोषणा उनके ऑफिशियल सोशल मीडिया पेज पर एक टीज़र वीडियो के साथ की। घोषणा के बाद एक टीवीसी चलाया गया, जिसमें कियारा गैलेक्सी चॉकलेट की स्मूथनेस महसूस करते हुए हर बाईट में इसका पूरा आनंद ले रही हैं। अपने इस गठबंधन के बारे में वरुण कंधारी, डायरेक्टर मार्केटिंग, मार्स विगली इंडिया ने कहा, ''हमें कियारा को भारत में अपने लोकप्रिय ब्रांड गैलेक्सी चॉकलेट का चेहरा

बनाने की खुशी है। उनकी खूबसूरती व आकर्षण ब्रांड के व्यक्तित्व को प्रदर्शित करते हैं। कियारा आडवाणी के साथ इस नए कैम्पेन में हम गैलेक्सी चॉकलेट्स का आनंद पेश कर रहे हैं, जो इसकी सिग्नेचर स्मूथ रेसिपी से मिलता है। अपने इस गठबंधन और पोर्टफोलियो द्वारा हम गैलेक्सी चॉकलेट्स को लगातार भारतीय उपभोक्ता के दिल उतार रहे हैं। इस नई प्रगति के साथ हम गैलेक्सी चॉकलेट के प्रेम को और ज्यादा मजबूत करना चाहते हैं क्योंकि यह प्रतिष्ठित चॉकलेट ब्रांड अपने स्मूथ अनुभव के लिए पूरे विश्व में पसंद किया जाता है।'' यह नया टीवीसी ब्रांड की क्रिएटिव एजेंसी, डीडीबी ट्राईबल द्वारा बनाया गया है। इस फिल्म में दिखाया गया है कि जीवन के सांसारिक लम्हे किस प्रकार गैलेक्सी चॉकलेट्स के आते ही आनंद से भर जाते हैं। इस एड फिल्म में कियारा चांद के साथ एक चुलबुले छिपम-छिपाई के अंदाज में दिखाई देती हैं, जिसमें चांद की रोशनी गैलेक्सी चॉकलेट पर पड़ती है, और वहीं पर थम जाती है। यह गैलेक्सी चॉकलेट द्वारा दिए जाने वाले अलौकिक स्वाद को दर्शाता है, जिस वजह से ये ब्रांड पूरे देश के लोगों का चहेता ब्रांड है।'' इस नए गठबंधन के लिए उत्साहित कियारा आडवाणी ने कहा, ''मिठाई में मैं केवल चॉकलेट पसंद करती हूँ, मुझे चॉकलेट खाना बहुत पसंद है फिर भले ही मैं खाने के बाद एक छोटा सा टुकड़ा ही क्यों न लूँ। चॉकलेट का हमारे दिलों में बहुत गहरा स्थान है, और यह हमारे बचपन की यादों से जुड़ी हुई है।

कामधेनु पेंट्स का 2027-28 तक 1,000 करोड़ रुपये राजस्व का लक्ष्यः सीएमडी

नयी दिल्ली, एजेंसी। कामधेनु पेंट्स अगले तीन वर्षों में अपने राजस्व को चार गुना बढ़ाकर इसे 1,000 करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य बना रही है। कंपनी के सीएमडी सतीश कुमार अग्रवाल ने यह जानकारी दी। उन्होंने पीटीआई-को बताया कि 31 मार्च 2023 को समाप्त वित्त वर्ष में कंपनी ने करीब 251 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया था। कामधेनु समूह ने हाल ही में भारत में दो खंडों में अपनी उपस्थिति बढ़ाने के लिए अपने पेंट और इस्पात कारोबार को अलग किया था। उन्होंने कहा, हमें वित्त वर्ष 2027-28 के अंत तक राजस्व में चार गुना वृद्धि के साथ इसके 1,000 करोड़ रुपये तक होने की उम्मीद है। बीते वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी ने 251 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया था। अग्रवाल ने आगे कहा कि कंपनी के उत्पादों की बढ़ती मांग के साथ कामधेनु पेंट्स नए उत्पादों की पेशकश कर अपने पोर्टफोलियो का विस्तार करेगी। साथ ही देश के दक्षिण और पश्चिमी क्षेत्रों में अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने की योजना पर भी काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कंपनी अपने डीलरों और वितरण नेटवर्क को वर्तमान में 4,000 से बढ़ाकर 8,000 से अधिक करके उत्तर और पूर्वी क्षेत्रों में विस्तार करेगी।

निवेशकों के लिए बेहतर है मिडकैप एसआईपी, लंबे समय के लिए निवेश पर दें जोर

नई दिल्ली, एजेंसी। म्युचुअल फंड में एसआईपी करने का कोई समय नहीं है। लेकिन, एक बात यह जरूर गांठ बांध लेनी चाहिए कि आपको लंबे समय यानी कम से कम पांच-10 साल के लिए निवेश करना है। अगर इसका पालन आपने कर लिया तो एसआईपी से अच्छा खासा रिटर्न मिल सकता है। यह बैंक जमा या अन्य सरकारी योजनाओं को पीछे छोड़ने में कारगर साबित होता है। सोने पर सुहागा तब होता है, जब आप गिरते हुए बाजार में निवेश करें क्योंकि यही वह समय होता है, जब खुदरा निवेशक डर या घबराहट के कारण अपना निवेश या तो निकाल लेते हैं या एसआईपी बंद कर देते हैं। जो निवेशक इससे बच गया, वह सबको पीछे छोड़ देता है। जब भी बाजार में भारी गिरावट रही है, उस समय जिस निवेशक ने भी एसआईपी शुरू किया, उसे अच्छा फायदा मिला है।

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया के आंकड़े बताते हैं कि मई में फंड

उद्योग में एसआईपी से मासिक 14,700 करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश आया है। यह अब तक का रिकॉर्ड स्तर है। इससे पहले लंबे समय तक 14,000 करोड़ का मासिक निवेश हुआ है, लेकिन मई में इसने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। बाजार की गिरावट में अगर आपने घबराहट के चलते एसआईपी को बंद कर दिया तो इसका बड़ा घाटा होता है। उदाहरण स्वरूप, 31 अगस्त, 2007 से 31 जुलाई, 2008 के बीच बाजार में वैश्विक आर्थिक संकट का दौर था। इस समय जिन्होंने भी एसआईपी बंद किया, उन्हें 26 फीसदी का घाटा एक साल के अंदर हुआ था।

इसके ठीक उलट, 31 अगस्त, 2007 से 31 अगस्त, 2010 तक जिन लोगों ने एसआईपी को बनाए रखा, उसे 16 फीसदी का रिटर्न मिला। इस तरह से जब भी बाजार में गिरावट हो तो आप घबराएं नहीं। साथ ही, आप उस समय निवेश को और बढ़ा सकते हैं। इसका फायदा यह होता है कि आपको उसी पैसे में ज्यादा यूनिट मिलती हैं, जब बाजार की तेजी में कम यूनिट मिलती हैं।

एडलवाइस म्यूचुअल फंड की रिपोर्ट के मुताबिक, 31 दिसंबर, 2018 से 30 अप्रैल, 2020 के बीच जिन लोगों ने एसआईपी बंद किया, उन्हें 16 फीसदी का घाटा हुआ। लेकिन, 31 दिसंबर, 2018 से लेकर 31 मार्च, 2023 तक जिन लोगों ने अपना निवेश बनाए रखा, उन्हें 13 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न मिला। जिन निवेशकों ने 10 साल के लिए निवेश किया है, उनको कभी भी घाटा नहीं हुआ है।

डेट-हाइब्रिड में कर सकते हैं स्विच

म्यूचुअल फंड में निवेश करने के सबसे बेहतर तरीकों में से एक एसआईपी है। यह निवेशकों को रोजाना के शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव से दूर रखता है। साथ ही, निवेश में आसानी और निरंतरता बनाए रखता है। एसआईपी की खूबसूरती यह भी है कि आप इसे डेट या हाइब्रिड में स्विच कर सकते हैं। इससे बाजार की गिरावट का आपके निवेश पर कोई असर नहीं पड़ता है।?- निरंजन अवस्थी, एसवीपी एवं मार्केटिंग प्रमुख, एडलवाइस एमएफ

आठ जुलाई से शुरू होगा अंतरराष्ट्रीय खिलौना मेला, 25 देशों के खरीदार भाग लेंगे

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी में आठ जुलाई से तीन दिवसीय खिलौना मेला शुरू होगा। इसमें कम से कम 25 देशों के लगभग 5,000 खरीदारों और उद्योग जगत की दिग्गज हस्तियों के भाग लेने की उम्मीद है। भारतीय खिलौना संघ ने सोमवार को यह जानकारी दी। उद्योग निकाय ने कहा कि वॉलमार्ट और लेगो सहित लगभग 20 वैश्विक सोर्सिंग कंपनियों के सीईओ भी मेले का दौरा करेंगे। प्रगति मैदान में आयोजित होने वाले मेले में 250 से अधिक भारतीय ब्रांड अपने उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे। भारतीय खिलौना संघ के चेयरमैन मनु गुप्ता ने कहा कि यह आयोजन दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा खिलौना मेला है। उन्होंने कहा, भारतीय खिलौना विनिर्माताओं के लिए यह वैश्विक खरीदारों को अपने उत्पादों और क्षमताओं को प्रदर्शित करने का एक शानदार अवसर है।

भारत ने लेबनान को दी मात, पांच साल बाद बना चैंपियन

भुवनेश्वर। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम ने पांच वर्षों के इंतजार के बाद इंटरकांटिनेंटल कप पर कब्जा जमाया है। भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम ने कप्तान सुनील छेत्री और लल्लिंजुआला छांगते के गोल के दम पर लेबनान को 2-0 से मात दी।

इस मैच में भारत के लिए पहला गोल कप्तान सुनील छेत्री ने किया। उनके बाद दूसरा गोल लल्लिंजुआला छांगते ने किया। वहीं लेबनान पूरे मैच में एक भी गोल नहीं कर सकी और उसे भारत से शिकस्त झेलनी पड़ी। मैच का पहला हाफ गोल रहित रहा, जिसमें दोनों ही टीमें कोई गोल नहीं कर सकी। इसके बाद जल्द ही पिता बनने जा रहे 38 वर्षीय सुनील छेत्री ने 46वें मिनट में गोल किया और भारतीय टीम को बढ़त दिलाई। ये गोल छेत्री के करियर का 87वां गोल रहा, जो उन्होंने छांगते की मदद से किया। गौरतलब है कि छेत्री अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल में सबसे अधिक गोल करने वाले सक्रिय खिलाड़ियों की सूची में तीसरे पायदान पर है।

इस के बाद लल्लिंजुआला छांगते ने मैच के 66वें मिनट में गोल कर टीम को दो बढ़त दिला दी। इस गोल को करने के साथ ही जहां लेबनान की टीम के इरादे पस्त हो गए वहीं भारतीय दर्शक झूम उठे। बता दें कि विश्व रैंकिंग में 99वें स्थान पर काबिज टीम लेबनान को सन्न कर दिया। विश्व रैंकिंग में 101वें स्थान पर काबिज भारत ने दूसरी बार इस

टूर्नामेंट को अपने नाम किया है। इसे पहले भारतीय टीम ने इंटरकांटिनेंटल कप के शुरुआती सीजन को वर्ष 2018 में जीता था, जिसमें उसने कीनिया को मात दी थी। इसके बाद भारतीय टीम कोई खिताब नहीं जीत सकी थी। यहां तक इंटरकांटिनेंटल कप के दूसरे सीजन में भारतीय टीम अंतिम पायदान पर आई थी।

ऐसा रहा मुकाबला – उमस भरी गर्मी में दोनों टीमों के पास शुरुआती हाफ में बढ़त बनाने का मौका था लेकिन वे इसका फायदा उठाने में नाकाम रहे। यह हाफ उसी तरह था जैसा की दोनों टीमों ने दो दिन पहले राउंड रोबिन चरण के आखिरी मैच को गोलरहित ड्रॉ खेला था। इस दौरान भारत ने गेंद को अधिक समय तक अपने पास रखने पर ध्यान दिया तो वही लेबनान का जोर आक्रमण करने पर था। लेबनान ने भारतीय गोल पोस्ट की तरफ सात बार हमले किये तो वही गेंद को 58 प्रतिशत समय तब अपने नियंत्रण में रखने वाली भारतीय टीम तीन बार ही लेबनान के गोल पोस्ट की ओर आक्रमण कर ली।

मध्यांतर के बाद हालांकि चीजें बदल गयी। सबसे पहले छांगते ने बॉक्स के पास से गेंद को अपने नियंत्रण में लेकर छेत्री को दिया और भारतीय कप्तान ने लेबनान के गोलकीपर अली सबेह को छकाने में कोई गलती नहीं की। टीम ने खिलाड़ियों के शानदार सामंजस्य से इस मौके को बनाया। निखिल पुजारी ने बेहद कम जगह में से लेबनान के खिलाड़ियों के बीच से गेंद को छांगते की ओर धकेला और इस खिलाड़ी ने अपने प्रेरणादायी कप्तान के लिए मौका बनाने में कोई गलती नहीं की।

एक गोल की बढ़त लेने के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाते हुए छांगते के प्रयास से इस बढ़त को दोगुना कर दिया। स्थानापन्न नाओरेम महेश सिंह ने छेत्री के पास पर गोल करने का प्रयास किया लेकिन लेबनान के गोलकीपर ने उनके प्रयास को विफल कर दिया। गोलकीपर हालांकि गेंद को नियंत्रण में नहीं रख सके जो छिटक कर छांगते के पास गयी और खिलाड़ी ने गेंद को गोल पोस्ट में डाल दिया।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने इंडोनेशिया ओपन जीतने पर सात्विक और चिराग को बधाई दी

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने इंडोनेशिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट का पुरुष युगल खिताब जीतने पर सोमवार को सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी को बधाई दी। सात्विक और चिराग ने रविवार को जकार्ता में सुपर 1000 टूर्नामेंट के फाइनल में आरोन चिया और सोह वूई यिक की मलेशिया की गत विश्व चैंपियन जोड़ी को हराकर खिताब जीता। सात्विक और चिराग सुपर 1000 खिताब जीतने वाले देश के पहले खिलाड़ी बने। रेड्डी ने ट्वीट किया, ''हमारे तेलुगु लड़के सात्विक और चिराग को मेरी ओर से बधाइयां और शुभकामनाएं। आपने हम सभी को गौरवांवित किया।

शूट आउट में दो पेनल्टी रोकी, स्पेन ने नेशन्स लीग फाइनल जीता

रोटरडम। स्पेन ने फाइनल में पेनल्टी शूट आउट में क्रोएशिया को 5-4 से हराकर नेशन्स लीग फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता लिया। स्पेन ने इस तरह 11 साल के खिताब के सूखे को खत्म किया जबकि क्रोएशिया और उसके अनुभवी कप्तान लुका मोड्रिच का पहले अंतरराष्ट्रीय खिताब का इंतजार जारी है। निर्धारित और अतिरिक्त समय में मुकाबला गोल रहित बराबर रहने के बाद गोलकीपर उनाइ साइमन ने क्रोएशिया की दो पेनल्टी रोककर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। पेनल्टी शूट आउट में जब स्कोर 3-3 से बराबर था तब साइमन ने लोवरो मायेर और फिर ब्रूनो पेटकोविच की पेनल्टी रोकी। डेनी कार्वाइल ने इसके बाद अपनी पेनल्टी को गोल में बदलकर स्पेन की जीत सुनिश्चित की।

सेना के 11 मुक्केबाज पुरुष युवा राष्ट्रीय मुक्केबाजी के फाइनल में पहुंचे

गंगटोक। सेना खेल संवर्धन बोर्ड (एसएससीबी) के 11 मुक्केबाज रविवार को यहां छठी युवा पुरुष राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने में सफल रहे। एसएससीबी के अरमान (80 किग्रा) ने रिंग में शानदार प्रदर्शन करते हुए सर्वसम्मत फैसले से मध्य प्रदेश के प्रशांत खटाना को हराया। वह फाइनल में हरियाणा के इशान कटारिया का सामना करेंगे। एसएससीबी के ऋषि ने भी सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन किया और हरियाणा के विशेष को 3-0 से हराकर फाइनल में पहुंचे। अरमान और ऋषि के अलावा सेना से जुड़े आर्यन (51 किग्रा), आशीष (54 किग्रा), निखिल (57 किग्रा), एम हनथोई (60 किग्रा), अंकुश (67 किग्रा), प्रीत मलिक (71 किग्रा), योगेश (75 किग्रा), आर्यन (86 किग्रा)) और हर्ष (92 किग्रा) भी फाइनल में पहुंच गए हैं। हरियाणा के मुक्केबाजों ने भी सेमीफाइनल में अपने दमखम से प्रभावित किया। एशियाई जूनियर चैंपियन भरत जून (92 किग्रा) के अलावा राज्य के अन्य मुक्केबाज फाइनल में चुनौती पेश करेंगे। जून ने अपने सेमीफाइनल बाउट में मध्य प्रदेश के अवचल शाई को हराया।

टीम के सभी प्लेयर दोस्त हुआ करते थे, अब सिर्फ साथी हैं

अश्विन ने भारतीय ड्रेसिंग रूम की खोली यह कैसी सच्चाई

नई दिल्ली। भारतीय ड्रेसिंग रूम को लेकर रविचंद्रन अश्विन ने हैरान करने वाले खुलासा किया है। अश्विन का कहना है कि टीम में पहले सभी प्लेयर दोस्त हुआ करते थे, लेकिन अब सिर्फ साथी हैं। गौरतलब है कि अश्विन को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले की प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली थी। कप्तान रोहित और टीम मैनेजमेंट के इस फैसले की जमकर आलोचना भी हुई थी।

अश्विन का बड़ा खुलासा – दरअसल, रविचंद्रन अश्विन से जब एक इंटरव्यू के दौरान पूछा गया कि डब्ल्यूटीसी फाइनल की प्लेइंग इलेवन में जगह ना मिलने के बाद उन्होंने इसको लेकर किसी साथी खिलाड़ी से बात करने की कोशिश नहीं की। इसके जवाब में अश्विन ने कहा, ÷यह एक बेहद गहरा विषय है। यह ऐसा युग है कि जहां हर कोई साथी है। एक समय होता था जब क्रिकेट खेला जाता था और सभी प्लेयर्स दोस्त हुआ करते थे। हालांकि, अब सिर्फ सभी साथी हैं। इसमें काफी बड़ा अंतर है, क्योंकि यहां पर सभी खिलाड़ी खुद को आगे बढ़ाना चाहते हैं और दूसरे से आगे निकलना चाहते हैं। इस वजह से किसी के पास भी यह कहना का समय नहीं है कि ओके बॉस आपको क्या हुआ है?÷

अश्विन ने आगे कहा, ÷मेरा मानना है कि जब आप चीजों को शेयर करते हैं, तो क्रिकेट बेहतर होता है। इसमें सुधार होता है, जब आप दूसरे खिलाड़ी की टेक्निक और उनकी यात्रा को समझने की कोशिश करते हैं। हालांकि, ऐसा कहीं भी नहीं होता है। कोई भी आपकी मदद के लिए आगे नहीं आएगा। इस यात्रा में आपको अकेले ही चलना होगा।

भाड़ में जाए भारत..., जावेद मियांदाद की दो टूक- टीम इंडिया से काफी बेहतर है पाकिस्तान क्रिकेट टीम

नई दिल्ली। पूर्व कप्तान जावेद मियांदाद ने एशिया कप 2023 के लिए पाकिस्तान का दौरा करने से इनकार करने पर बीसीसीआई पर एक और नया तीखा हमला किया है। मियांदाद लगातार भारतीय क्रिकेट के आलोचक रहे है। एसीसी (एशिया क्रिकेट काउंसिल) द्वारा एशिया कप के लिए पाकिस्तान के %हाइब्रिड मॉडल% को मंजूरी देने दे दिया गया है जिसके मुताबिक भारत अपने सभी मैच श्रीलंका में खेलेगा। इस प्रस्ताव ने मियांदाद को खुश नहीं किया। उन्होंने जौर देते हुए कहा कि पाकिस्तान को भारत की यात्रा का बहिष्कार करना चाहिए जब तक कि भारतीय क्रिकेट टीम एक श्रृंखला खेलने के लिए उनके पास नहीं आती।

मियादाद ने क्या कहा – जावेद मियांदाद ने कहा कि पाकिस्तान 2012 में भारत आ चुका है और 2016 में भी, अब भारतीयों के यहां आने की बारी है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अगर मुझे कोई फैसला करना होता तो मैं कोई भी मैच खेलने के लिए भारत नहीं जाता, यहां तक ??कि विश्व कप भी नहीं। हम उन्हें (भारत) खेलने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं लेकिन वे कभी भी एक तरह से प्रतिक्रिया नहीं देते। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट बड़ा है... हम अब भी अच्छे खिलाड़ी तैयार कर रहे हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि भाड़ में जाए भारत। मुझे नहीं लगता कि अगर हम भारत नहीं जाते हैं तो भी हमें कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

जारी है विवाद – भारत-पाकिस्तान का ड्रामा केवल एशिया कप तक ही सीमित नहीं है। भारत में होने वाले विश्व कप 2023 में पाकिस्तान की भागीदारी को लेकर काफी हो-हल्ला मचा था। हालांकि आईसीसी ने अभी तक आधिकारिक कार्यक्रम की घोषणा नहीं की है, ब्लॉकबस्टर भारत-पाकिस्तान टाई 15 अक्टूबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले जाने की उम्मीद है। इसके अलावा, नवीनतम रिपोर्टों के अनुसार, पीसीबी की विश्लेषणात्मक टीम ने सुझाव दिया है कि पाकिस्तान को अपना विश्व कप मैच अफगानिस्तान के खिलाफ चेन्नई की स्पिन के अनुकूल सतह पर नहीं खेलना चाहिए। हालांकि, मियांदाद का मानना ??है कि पाकिस्तान को कड़ा रुख अपनाना चाहिए और तब तक मना कर देना चाहिए जब तक कि बीसीसीआई पहले अपनी टीम नहीं भेजता। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि भारत ने आखिरी बार 2008 में एशिया कप के लिए एक श्रृंखला के लिए पाकिस्तान का दौरा किया था, दोनों देशों के बीच संबंधों में 26/11 के बाद खटास आनी शुरू हो गई थी।

रोहित शर्मा के बाद टीम इंडिया का कप्तान कौन, चयनकर्ता पर सवाल करते हुए बोले वेंगसरकर- उनके पास कोई विजन नहीं

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के लिए मैदान में कठिन समय चल रहा है। रोहित शर्मा के भारत को हाल ही में द ओवल में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही आईसीसी खिताब का इंतजार और लंबा हो गया है। कई मौकों पर नॉकआउट चरणों में जगह बनाने के बावजूद, आईसीसी ट्रॉफी का स्थान 2013 से अभी भी खाली है। इन सब के बीच टीम इंडिया के भविष्य को भी लेकर सवाल उठने लगे हैं। एक पूर्व विश्व कप विजेता और पूर्व चयनकर्ता ने साफ तौर पर सवाल किया कि वर्तमान कप्तान रोहित शर्मा के साथ कौन आगे बढ़ेगा? एक बातचीत में भारत के पूर्व क्रिकेटर दिलीप वेंगसरकर ने दो टूक कहा कि चयनकर्ताओं के पास भविष्य के लिए कोई विजन नहीं है और उनमें क्रिकेट की समझ भी नहीं है। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि पिछले छह-सात वर्षों में मैंने जिन चयनकर्ताओं को देखा है, उनमें न तो दृष्टि है, न ही खेल के बारे में गहरी जानकारी है और न ही क्रिकेट की समझ है। वेंगसरकर के कहा कि उन्होंने शिखर धवन को

भारत का कप्तान बनाया (जब भारत के मैच ओवरलैप हो गए और मुख्य खिलाड़ी अनुपलब्ध थे)। उन्होंने कहा कि यहीं पर आप भावी कप्तान को तैयार कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि वे रोहित के बाद कप्तान के रूप में एक आदर्श उम्मीदवार की पहचान करने में विफल रहे।

किसी को तैयार नहीं किया – अपना सवाल जारी ख़ते हुए उन्होंने कहा कि आपने किसी को तैयार नहीं किया है। आप बस आते ही खेलते हैं। आप दुनिया के सबसे अमीर क्रिकेट बोर्ड की बात करते हैं, बेंच स्ट्रेंथ कहां है? सिर्फ आईपीएल होना, मीडिया राइट्स में करोड़ों रुपये कमाना ही एकमात्र उपलब्धि नहीं होनी चाहिए। दिलीप वेंगसरकर ने प्रबंधन के प्रति आलोचना व्यक्त करते हुए कहा कि वे किसी का पालन-पोषण करने में विफल रहे हैं और जैसे ही यह खेल आया, वैसे ही खेल रहे थे। उन्होंने दुनिया के सबसे अमीर क्रिकेट बोर्ड के साथ जुड़े होने के बावजूद उन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के पूल के ठिकाने पर सवाल उठाया, जो विंग्स में इंतजार कर रहे थे।

नेशनल टीम में खेलने के बाद घरेलू क्रिकेट खेलना मानसिक रूप से दर्दनाक-अवेश

नई दिल्ली। भारतीय टीम अगले महीने वेस्टइंडीज दौरे पर रहेगी। ऐसे में अवेश को उम्मीद है कि टीम में उनकी वापसी हो सकती है। उन्होंने अक्टूबर 2022 में भारत के लिए अपना आखिरी मैच खेला था। अवेश ने कहा कि अगर आप मेरे पिछले दो आईपीएल सीजन की तुलना करते हैं, तो यह वैसा ही थे जैसे मैं चाहता था।

अलग फॉर्मेट में लय बनाए रखना मुश्किल- अवेश ने आगे कहा कि यह सीजन मेरे अनुसार अच्छा नहीं रहा, फिर भी मैंने अपनी इकॉनमी रेट को बनाए रखा, जो 10 से कम है। मैं महत्वपूर्ण 4 या 5 वें ओवर और बाद में डेथ ओवर में गेंदबाजी करता था। उन्होंने कहा कि तेज गेंदबाजों के लिए अलग-अलग फॉर्मेट के बीच पूरे सीजन में लय बनाए रखना मुश्किल हो सकता है। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम के लिए खेलने के बाद फिर घरेलू क्रिकेट खेलना मानसिक रूप से काफी परेशान करता है।

हेलमेट वाली घटना थोड़ा ज्यादा था- बेंगलुरु में एक करीबी आईपीएल मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स द्वारा रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को हराने के बाद अवेश खान ने अपना हेलमेट फेंक दिया था, जिसके चलते उन्हें अपनी इस हरकत पर आज भी पछतावा है। इसके बाद उन्हें बुरी तरह सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया था। अवेश ने इस घटना पर बात करते हुए कहा कि हेलमेट वाली घटना थोड़ा ज्यादा हो गया था। मुझे बाद में एहसास हुआ कि मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था। मुझे अब दुख होता है कि यार ये सब चीज नहीं करना था।

खुद को बेहतर समझने लगे हैं- खान का कहना है कि उन्होंने एमपी के लिए पिछले सीजन में 240 से अधिक ओवर में गेंदबाजी की थी। उन्होंने बताया कि गौतम गंभीर ने उनसे कहा कि वह चाहते हैं कि वह जितनी जल्दी हो सके गेंदबाजी करें, भले ही वह चार ओवरों में 60 रन दें, उन्हें कोई आपत्ति नहीं है।

इंटरकॉन्टिनेंटल कप जीतने के बाद मुख्यमंत्री ने भारतीय टीम के लिए की इनाम की घोषणा

भारत की फुटबॉल टीम ने ऐतिहासिक जीत हासिल करते हुए लेबनान को इंटरकॉन्टिनेंटल कप 2023 में 2-0 से मात दे दी है। भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारत ने ये जीत हासिल कर दूसरी बार कप पर कब्जा किया है। इस मैच को देखने के लिए फुटबॉल फैंस से स्टेडियम खचा खच भरा हुआ था।

वहीं भारतीय टीम की जीत के बाद ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने प्रेजेंटेशन सेरेमनी के दौरान टीम को प्रतिष्ठित इंटरकॉन्टिनेंटल कप 2023 की ट्रॉफी सौंपी। इस दौरान मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने भारतीय टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ओडिशा के लिए इस प्रतिष्ठित इंटरकांटिनेंटल कप की मेजबानी करना बहुत गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ओडिशा में फुटबॉल के कई अन्य टूर्नामेंट और कार्यक्रमों के

आयोजन के लिए तैयार है। ओडिशा और भारत में खेल के विकास का समर्थन करने के लिए ओडिशा सरकार पूरी तरह तैयार है।

बता दें कि फुटबॉल टूर्नामेंट हीरो इंटरकांन्टिनेंटल कप में भारतीय टीम के विजेता बनने के बाद भुवनेश्वर के खचाखच भरे कलिंगा स्टेडियम में मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने टीम को एक करोड़ रुपये की इनामी राशि दिए जाने की घोषणा भी की।

बता दें कि इस इंटरकांन्टिनेंटल कप में जीत हासिल करने के बाद भारतीय और लेबनानी टीम के खिलाड़ियों को गोल्स और सिल्वर मेडल सौंपे गए। समापन समारोह में मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने विजेताओं को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि मुकाबल में कड़ी प्रतिस्पर्धा थी, जिसके बाद भी भारतीय टीम ने शानदार खेल दिखाया और जीत दिलाई।

एशिया कप 2023 पर बारिश का साया, नहीं हो सका सेमीफाइनल अब भारत के लिए मुश्किल हुई फाइनल की राह

नई दिल्ली। वीमेंस इमर्जिंग एशिया कप 2023 के मुकाबले कुल आठ टीमों के बीच खेले जा रहे हैं, इन मुकाबलों में बारिश का साया देखने को मिल रहा है। टूर्नामेंट के अधिकतर मुकाबलों पर बारिश हावी रही है। वहीं भारतीय टीम के भी अधिकतर मुकाबले बारिश के कारण प्रभावित हुए है। आंकड़ों के मुताबिक इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम व अन्य सभी टीमों को लीग स्टेज में 3-3 मैच खेलने थे। हालांकि भारतीय टीम बारिश के कारण सिर्फ एक ही मुकाबला खेल सकी है जबकि दो अन्य मुकाबले नहीं हो सके। वहीं टूर्नामेंट का सेमीफाइनल मुकाबला भी बारिश की भेंट चढ़ गया। माना जा रहा है कि सेमीफाइनल मुकाबला अब 20 मई यानी मंगलवार को खेला जाएगा। इस मुकाबले में भारतीय टीम फाइनल में जगह बनाने के लिए मैदान में उतरेगी।

सिर्फ एक मुकाबला खेल सकी भारतीय टीम

बता दें कि लीग स्टेज में महिला इंडिया-ए की टीम का पहला मुकाबला हांग कांग के खिलाफ था। इस मुकाबले में जीत हासिल करने के साथ ही भारतीय टीम ने टूर्नामेंट की शानदार शुरुआत की थी। इस मुकाबले में भारत को नौ विकेट से जीत मिली थी। टीम की दूसरी भिड़ंत नेपाल के खिलाफ थी जबकि तीसरी भिड़ंत पाकिस्तान से होनी थी। इन दोनों मुकाबलों में कोई भी गेंद भारी बारिश के कारण नहीं फेंकी गई और दोनों ही मुकाबलों को रद्द कर दिया गया।

बता दें कि भारत का सेमीफाइनल का मुकाबला सोमवार यानी 19 जून को श्रीलंका ए की टीम के साथ होना था, जिसमें जीतने वाली टीम

फाइनल में जगह बनाती। मगर बारिश ने इस मुकाबले को धो दिया। सेमीफाइनल का मुकाबला अब रिजर्व डे पर खेला जाएगा जो कि 20 जून को है। बता दें कि भारतीय टीम को कुल चार मुकाबले खेलने थे जिसमें से तीन मैच बारिश के कारण रद्द हो गए।

पहले मुकाबले में किया था कमाल

गौरतलब है कि इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम सिर्फ एक ही मुकालबा खेल सकी है। मगर उस मुकाबले में भारतीय टीम ने धमाकेदार प्रदर्शन किया था। हांग कांग के खिलाफ खेले गए पहले मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी की थी। बल्लेबाजी करने उतरी हांग कांग की टीम को महज 34 रनों के छोटे से स्कोर पर भारतीय टीम के दमदार गेंदबाजों ने ऑलआउट कर पवेलियन लौटा दिया। इस मुकाबले में श्रेयांका पाटिल ने 3 ओवर में 5 विकेट चटकाए और सिर्फ दो रन दिए थे। वहीं 35 रनों का टारगेट भारतीय टीम ने सिर्फ 5.2 ओवर में एक विकेट खोकर हासिल किया था। गोंगड़ी तृषा (19) ने उमा छेत्री (16) के साथ मिलकर टीम को जीत दिलाई थी मगर कप्तान श्वेता सहरावत कमाल नहीं कर सकी और दो रन पर पवेलियन लौट गई थी।

धान उत्पादन में तेलंगाना अव्वल: केसीआर

- फलदार पौधों के निःशुल्क वितरण के लिए 100 करोड़ रुपये का बजट देने का निर्देश दिया मुख्यमंत्री केसीआर ने
- मेट्रो को महेश्वरम तक लाने के लिए पुरजोर प्रयास करूंगा: केसीआर

हैदराबाद, एजेंसी

हैदराबाद। मुख्यमंत्री श्री के चंद्रशेखर राव ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार के ठोस प्रयासों से तेलंगाना अब धान उत्पादन में शीर्ष स्थान हासिल करने में सफल रहा है। रंगा रेड्डी जिले के महेश्वरम मंडल के थुम्मलूर गांव में हरितोत्सव आयोजन के अवसर पर विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले तेलंगाना धान उत्पादन में देश में 17वें स्थान पर था। इंजीनियरिंग के चमत्कार के रूप में कालेश्वरम परियोजना के निर्माण के साथ, तेलंगाना देश का सर्वाधिक धान उत्पादक राज्य बन गया है। यह परियोजना निश्चित रूप से जनता के लिए वरदान साबित हुई है और इसने बड़े पैमाने पर कृषि क्षेत्र की मदद की है। मैंने मुख्य सचिव को इस वर्ष फलदार पौधों के निःशुल्क वितरण के लिए 100 करोड़ रुपये का बजट देने कहा है। यह कार्य जल्द शुरू हो जाएगा। मुख्यमंत्री श्री के चंद्रशेखर राव ने कहा कि कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना गोदावरी बेसिन पर बनी है और कृष्णा नदी के विपरीत गोदावरी में कोई अंतर्राज्यीय जल विवाद नहीं है। तेलंगाना सभी क्षेत्रों में एक निश्चित प्रगति की ओर बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना हर क्षेत्र में और बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने में पहले स्थान पर है। तेलंगाना राज्य हर घर में पीने का पानी उपलब्ध कराने, प्रति व्यक्ति आय और प्रति व्यक्ति बिजली उपयोग के मामले में शीर्ष स्थान पर है। राज्य में कृषि क्षेत्र को अन्य राज्यों से प्रशंसा मिल रही है। जलापूर्ति और पर्याप्त बिजली आपूर्त्ति ने प्रगति का मार्ग प्रशस्त किया है। तेलंगाना की विभिन्न उपलब्धियों पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री केसीआर ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में हरित क्षेत्र में 7.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। राज्य पौध कवरेज बढाने के लिए में लगातार प्रयास कर रहा है और इस वर्ष वृक्षारोपण विस्तार अभियान के लिए 100 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। आठ साल से तेलंगाना को राहत देने के लिए लगातार प्रयासरत हैं और टीम बना रहे हैं। मुख्यमंत्री ने राज्य को और अधिक हरा-भरा बनाने में सक्रिय भागीदारी के लिए आधिकारिक तंत्र की प्रशंसा की है। मुख्यमंत्री ने इस कार्य के लिए राशि स्वीकृत की है। रंगा रेड्डी जिले के बदंगपेट नगरपालिका में विभिन्न विकासात्मक गतिविधियों के लिए 50 करोड़ रूपए स्वीकृत किए हैं। पहले इंदिरा पार्क में ऑक्सीजन प्लांट की जरूरत थी लेकिन अब टीकेएचएच के तहत पेड़ लगाने से यह जरूरत अप्रासंगिक हो गई है। मुख्यमंत्री केसीआर ने कहा कि मैंने अपने कार्यकाल के पहले सप्ताह में वन विभाग के साथ समीक्षा की थी। बंजर भूमि, पानी की कमी की जानकारी ली। तब परिस्थितियाँ बहत कठिन थी। मैंने वनालु वापस रावले - कोटुलु वापस पोवाले नामक एक गीत भी लिखा है। हरे-भरे जंगल होंगे तो गांवों में बंदर नहीं आएंगे। हम बंदरों की पीड़ा जानते हैं जिनसे हम गुजरते हैं। हम इन स्थितियों को ध्यान में रखते हुए हरितहरम कार्यक्रम लेकर आए। उस समय बहुत से लोग हँसे थे और सोचा कि इन पेड़ों का क्या उपयोग है? लेकिन केसीआर द्वारा शुरू किए गए कार्यक्रम के परिणाम आज दिखाई दे रहे हैं। नष्ट हुए वनों को पुनर्जीवित किया जाना चाहिए। भूपाल रेड्डी और प्रियंका वर्गीज ने हरित सैनिकों की तरह काम किया और अच्छे समन्वय के साथ शानदार परिणाम हासिल किया है। तेलंगाना में जहां भी देखें, सड़कों के सौंदर्यीकरण के साथ-साथ आरक्षित वन क्षेत्र भी बढ़े हैं। वन अधिकारियों ने इस दिशा में मेहनत की है। मैं सबसे ज्यादा गांव के सरपंचों की सराहना करता हूं। जब मैं कानून लाया तो वे सभी मुझसे थोड़ा नाराज हो गए थे। लेकिन आज उस कानून के कारण सभी गांव खूब हरे-भरे हो गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि चीन में गोबी रेगिस्तान के विस्तार को रोकने के लिए इस देश के लोगों ने 500 करोड़ पौधे लगाने पर जोर दिया। ब्राजील में घटती हरियाली को बढ़ावा देने के लिए 300 मिलियन पौधे लगाए गए हैं। हम तेलंगाना में 276 करोड़ पौधे लगा चुके हैं। यहां हर गांव में नर्सरी और ओपन जिम हैं। अर्बन पार्कों का शानदार तरीके से विकास किया जा रहा है। पहले ही 170 शहरी पार्क पूरे हो चुके हैं। अभी और पार्क बन रहे हैं। यह हम सभी की जीत है, यह हमारी सामूहिक सफलता है। तेलंगाना के सभी लोगों को मेरी शुभकामनाएं। केसीआर ने कहा कि हम सबिता इंद्रा रेड्डी की मांगों को पूरा करेंगे। हम महेश्वरम निर्वाचन क्षेत्र को एक मेडिकल कॉलेज प्रदान करेंगे। तुम्मालूर सब स्टेशन को भी मंजूरी दी जाएगी। हम इसे जल्द से जल्द पूरा करेंगे। यहां तक मेट्रो का विस्तार करने की मांग को देखते हुए मैं मेट्रो को महेश्वरम तक लाने के लिए पुरजोर प्रयास करूंगा। इसके पूर्व मुख्यमंत्री ने थुम्मलूर गांव में वन प्रखंड का निरीक्षण किया और थुम्मलूर वन प्रखंड में पौधे लगाए। मंत्री सबिता इंद्र रेड्डी और इंद्रकरन रेड्डी ने भी इस अवसर पर अपने विचार रखे । बैठक में मुख्य सचिव शांति कुमारी, सांसद रंजीत रेड्डी, एमएलसी पल्ला राजेश्वर रेड्डी और रंगारेड्डी और विकाराबाद के जिला कलेक्टर उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्य सचिव शांति कुमारी, सीएम सचिव भूपाल रेड्डी, सीएम ओएसडी प्रियंका वर्गीस, पीसीसीएफ राकेश मोहन डोबरियाल और अन्य ने मुख्यमंत्री केसीआर को एक स्मृति चिन्ह सौंपा। फारेस्ट अधिकारी श्रीनिवास राव की पत्नी भाग्यलक्ष्मी को नौकरी नियुक्ति दस्तावेज सौंपे गए, जिन्होंने कार्यस्थल पर ड्यूटी के दौरान अपनी जान गंवा दी थी।

केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने उद्धव ठाकरे को दी मछली खाने की सलाह

मुंबई, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को मछली खाने की सलाह दी है। राणे ने इसके पीछे की वजह भी बताई। एक मराठी चैनल के कार्यक्रम में सवाल का जवाब देते हुए राणे ने ये बातें कही। नारायण राणे ने कहा कि आप जब भी कोंकण आएं तो मछली खाकर जरूर जाएं लेकिन, बारसू रिफाइनरी परियोजना का विरोध न करें। केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने बारसू रिफाइनरी परियोजना को लेकर उद्धव ठाकरे पर निशाना साधा है। मराठी चैनल के खुले थे गुप्ते कार्यक्रम में हिस्सा लेने के दौरान राणे ने उद्धव ठाकरे को सलाह दी कि अगर कोंकण आना ही है तो मछली खाने आइए लेकिन, परियोजना का विरोध मत कीजिए।

बारसू परियोजना पर बवाल क्यों है: महाराष्ट्र के बारसू में एक रिफाइनरी के लिए भूमि सर्वेक्षण को लेकर उद्धव ठाकरे सरकार पर लगातार निशाना साध रहे हैं। हालांकि सरकार की तरफ से उद्धव पर काउंटर अटैक किया गया कि जब इस परियोजना की मंजूरी उद्धव ने अपने कार्यकाल में ही दी थी तो अब इसका विरोध क्यों

जवाब में उद्धव का कहना है कि केंद्र ने उनके कार्यकाल के दौरान दो साल तक इस परियोजना पर अमल क्यों नहीं किया जब राज्य में बीजेपी की सरकार लौटी तो लोगों से जबरदस्ती भूमि अधिग्रहण किया जा रहा है, जो सरासर गलत है। उद्धव ने ये बातें तब कहीं, जब मीडिया रिपोर्ट सामने आई थी कि बारसू में रिफाइनरी परियोजना के लिए लोगों से बल प्रयोग कर जमीन अधिग्रहित की जा रही है।

उद्धव पर निशाना: कार्यक्रम के दौरान राणे ने उद्धव के लिए कहा, आप कोंकण आए और रत्नागिरी में बारसू रिफाइनरी परियोजना का विरोध किया। लेकिन अगर आप जानते हैं तो शिवसेना ने गठन के बाद से कोंकणी लोगों का समर्थन किया गया है। कोंकण के लोगों ने भी शिवसेना को बढ़ाया है और आज भी ऐसा ही कर रहे हैं। कोंकण के विकास के लिए बारसू रिफाइनरी परियोजना आवश्यक है। इसलिए इस परियोजना का विरोध न करें, सहयोग करें। आप बालासाहेब के बेटे हैं। कोंकण ने बालासाहेब को प्यार और विश्वास दिया। आप कम से कम इसमें से इन लोगों को दें।

नौकरशाह आकांक्षाओं पर खरा उतरें, सरकार में लोगों का विश्वास अर्जित करें : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली , एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोक सेवकों का आह्वान किया कि वे जन समुदाय की अपेक्षाओं और आकांक्षाओं पर खरा उतरें। जनता के साथ सक्रिय रूप से जुड़कर सरकार में लोगों का विश्वास अर्जित करें। उन्होंने कहा कि यदि अगर नौकरशाह जन समुदाय के साथ सरलता से जुड़ते हैं तो लोकतंत्र में लोगों का विश्वास कई गुना बढ़ जाएगा। 18 जून को यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा के सफल उम्मीदवारों की एक सभा को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि विकसित भारत का विचार अब केवल स्वप्न नहीं है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रखर नेतृत्व में वास्तविकता में बदल रहा है। पिछले नौ वर्षों में अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत का महत्व बढ़ा है और विश्व में अब भारत की बात ध्यान से सुनी जाती है। राजनाथ सिंह ने कहा कि अब अमेरिका जैसी महाशक्ति भारत के प्रधानमंत्री का स्वागत करने के लिए लगन से तैयारी करती है।

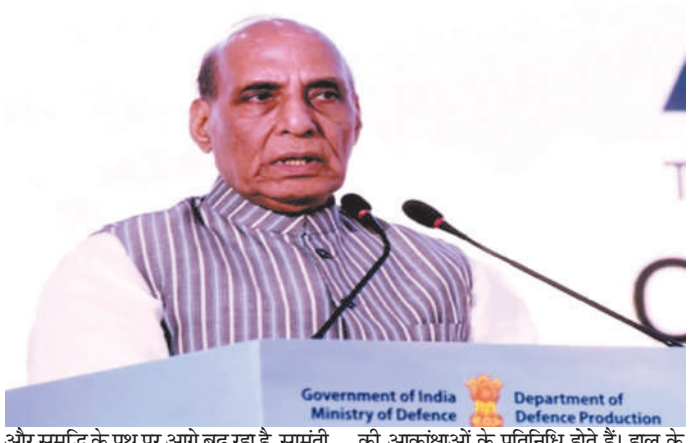

उन्होंने कहा, आपके कंधों पर एक बड़ी जिम्मेदारी है। आप ऐसे समय में सेवा करने जा रहे हैं, जब देश अमृत काल में प्रवेश कर चुका है। जब आप 2047 में अपना कार्यकाल समाप्त करेंगे, तो देश अपनी स्वाधीनता का 100 वां वर्ष मना रहा होगा। मैं चाहूंगा कि आप आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार रहें। हम सब मिलकर चुनौतियों का सामना कर सकते हैं और भारत को एक विकसित राष्ट्र के मार्ग पर आगे ले जा सकते हैं। राजनाथ सिंह ने इस बात को रेखांकित किया कि जैसे-जैसे समाज प्रगति और समृद्धि के पथ पर आगे बढ़ रहा है, सामंती व्यवस्था और मानसिकता कम होती जा रही है और ऐसे में जनता की अपेक्षाओं और आकांक्षाओं पर खरा उतरना नौकरशाहों और नेताओं की क्षमता का मापदंड है। उन्होंने कहा, एक समय था, जब समाज में अधिकार की संस्कृति हुआ करती थी, अब न्यायोचित संस्कृति अधिकार की संस्कृति से आगे निकल गई है, क्योंकि जन समुदाय संचार के नए साधनों के साथ शिक्षित और अधिक जागरूक हो रहे हैं। उन्होंने रोजमर्रा की शासन प्रणाली और लोकतंत्र में जनप्रतिनिधियों की भूमिका के बारे में कहा कि सिविल सेवकों को जन प्रतिनिधियों द्वारा दिए गए सुझावों को ध्यान से सुनना चाहिए और उन्हें लागू करने के लिए कार्य करना चाहिए, क्योंकि लोकतंत्र में जनप्रतिनिधि लोगों की आकांक्षाओं के प्रतिनिधि होते हैं। हाल के वर्षों में सिविल सेवा परीक्षा में महिलाओं के अभूतपूर्व प्रदर्शन की सराहना करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि लड़कियों ने शीर्ष 3 पदों पर विजय हासिल की है और शीर्ष 25 में से 14 लड़कियां परिवर्तनशील भारत और नव भारत की छवि प्रस्तुत करती हैं। उन्होंने कहा कि हमारी बेटियों को जब भी अवसर मिला है, उन्होंने नाम रोशन किया है।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के मूल-मंत्र और संरक्षण (ट्रस्टीशिप) के दर्शन का उल्लेख करते हुए रक्षा मंत्री ने युवा सिविल सेवकों से कहा कि वे लोगों के कल्याण के लिए कोई भी निर्णय लेते समय समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के बारे में सोचें।

डॉ सुनीता शर्मा चुनी गई फोर्टी विमन विंग की नई प्रेसिडेंट

जयपुर, एजेंसी। डॉ. सुनीता शर्मा को फोर्टी विमन विंग की प्रेसिडेंट नियुक्त किया गया है। फोर्टी अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल ने डॉ सुनीता शर्मा को फोर्टी विमन विंग प्रेसिडेंट के पद पर नियुक्ति के आदेश जारी करते हुए कहा डॉ सुनीता शर्मा पिछले 3 साल से फोर्टी विमन विंग के विभिन्न पदों पर शिद्दत के साथ काम कर रहीं हैं। अब इन्हें एफवीवी के नेतृत्व की जिम्मेदारी सोंपी जा रही है। डॉ सुनीता शर्मा एक सफल निर्यातक के साथ चिकित्सक भी हैं, जो हमेशा वंचित, गरीब और महिला वर्ग को स्वास्थ्य के लिए जागरुक करती हैं। डॉ सुनीता शर्मा ने कहा कि फोर्टी विमन विंग प्रदेश का सबसे बड़ा और प्रभावशाली महिला संगठन है। इस संगठन की प्रतिष्ठा को आगे ले जाने का प्रयास करेंगी। इसके माध्यम से राजस्थान में वुमन ऑन्त्रप्रन्योरशिप के विकास और सरकार की योजनाओं को महिला उद्यमियों तक पहुंचाया जाएगा।

पाकिस्तान कस्टम ने बलूचिस्तान में जब्त की 11.4 करोड़ रुपये की विदेशी सिगरेट, चार प्रांतों में अभियान जारी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के सीमा शुल्क ने बलूचिस्तान के कुछ हिस्सों में अलग-अलग छापे के दौरान 114 मिलियन रुपये के सिगरेट के विदेशी ब्रांडों की एक बड़ी मात्रा जब्त की है। न्यूज एजेंसी डॉन ने इसकी जानकारी दी है।

डॉन एक पाकिस्तानी अंग्रेजी भाषा का अखबार है। सीमा शुल्क अधिकारियों ने सभी चार प्रांतों में शुरू किए गए एक तस्करी विरोधी अभियान के दौरान पिछले सप्ताह 303 मिलियन रुपये मूल्य की तस्करी की गई सिगरेट के विदेशी ब्रांडों को जब्त करने का दावा किया।

डॉ मैंडी कोहेन होंगी सीडीसी की नई निदेशक, राष्ट्रपति बाइडन ने की घोषणा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। उत्तरी कौरोलिना की पूर्व अधिकारी डॉ मैंडी कोहेन रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र की नई निदेशक होंगी। व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की। डॉ कोहेन के पास कई वर्षों तक काम करने का अनुभव है।

डॉ कोहेन के पास कई वर्षों तक काम करने का अनुभव: जानकारी के अनुसार, डॉ कोहेन 2017 से लेकर पिछले साल तक उत्तरी कैरोलिना में स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग की सचिव थीं। इससे पहले, वह दो संघीय एजेंसियों में स्वास्थ्य संबंधी नौकरियों में कार्यरत थीं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने की घोषणा: अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि डॉ कोहेन देश के उन शीर्ष चिकित्सकों और स्वास्थ्य अधिकारियों में से एक हैं, जिनके पास बड़े संगठनों का नेतृत्व करने का अनुभव है। साथ ही उनके पास अमेरिकियों के स्वास्थ्य की रक्षा करने का ट्रैक-रिकॉर्ड है।

कौन हैं डॉ कोहेन?: डॉ कोहेन का पालन-पोषण न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइलैंड में हुआ है। उनकी मां एक नर्स थी। डॉ कोहेन ने येल से मेडिकल डिग्री और हार्वर्ड से पब्लिक हेल्थ में मास्टर डिग्री प्राप्त की है। इसके साथ ही वह एक वकील भी रह चुकी हैं।

डॉ कोहेन ने संघीय सरकार के लिए 2008 में यूएस डिपार्टमेंट ऑफ वेटरन्स अफेयर्स में काम करना शुरू किया। यहां उन्होंने महिलाओं की स्वास्थ्य सेवाओं के लिए उप निदेशक के तौर पर काम किया। उन्होंने 2017 में उत्तरी कैरोलिना में स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग में नौकरी की।

कोविड-19 के दौरान अच्छा काम करने का रिकॉर्ड: उन्होंने इस पद पर रहते हुए, कोरोना महामारी के वक्त अच्छा काम किया। लोगों के बीच उनकी अच्छी छवि बनी हुई है। खासकर कोविड महामारी से निपटने के लिए बताए गए सलाह को लेकर लोग डॉ कोहेन की काफी तारीफ करते हैं।

बता दें कि डॉ मैंडी कोहेन 54 वर्षीय डॉ रोशेल वालेंस्की की जगह लेंगी। डॉ रोशेल ने पिछले महीने घोषणा की थी कि वह 30 जून को इस्तीफा दे रही हैं।

पांच दिन से लापता शख्स का शव उसके ही घर के बेसमेंट में लटका हुआ मिला, दोनों हाथ थे बंधे

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान के उत्तर-पश्चिमी काबुल के तैमानी प्रोजेक्ट कॉलोनी में एक शख्स के लापता होने के पांच दिन बाद शनिवार को उसका शव मिला।

खामा प्रेस के मुताबिक, शख्स का शव उसके ही घर के बेसमेंट में लटका हुआ पाया गया। इस दौरान उसके दोनों हाथ बंधे हुए थे। खामा प्रेस के साथ एक साक्षात्कार में काबुल पुलिस मुख्यालय ने घटना की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि तालिबान के खुफिया निदेशालय ने इस मामले के सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

बच्चों ने घर के बेसमेंट में पाया शव

अधिकारियों के मुताबिक, 45 वर्षीय कंबर अली के परिवार ने 13 जून को गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बाद में जब मृतक के बच्चे बेसमेंट में गए, तो उन्हें उसका शव मिला।

खामा प्रेस के अनुसार, फॉरेंसिक जांच के बाद शव को दफना दिया गया है। मृतक व्यक्ति के परिवार के अनुसार, घटना के सिलसिले में उसके दो रिश्तेदारों को अफगान सुरक्षा अधिकारियों ने हिरासत में लिया है। हालांकि, व्यक्ति की हत्या कैसे की गई यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। हाल ही में अफगानिस्तान में रहस्यमय हत्याओं और आत्महत्याओं की संख्या में वृद्धि हुई है।

4 अफगानों की हत्या

अफगानिस्तान में सेवा करते हुए एक ऑस्ट्रेलिया वेटरन पर चार अफगानों की हत्या का दोषी ठहराया है। ऑस्ट्रेलिया की फेडरल कोर्ट के जज एंथनी बेंसाको ने विक्टोरिया क्रॉस से नवाजे गए युद्ध नायक बेन रॉबर्ट स्मिथ को अफगानों की हत्या का जिम्मेदार बताते हुए कहा कि स्मिथ भी कई क्षेत्रों में एक ईमानदार और विश्वसनीय गवाह नहीं थे।

कट्टरपंथी संगठन टीएलपी के आगे झुकी शहबाज सरकार, पाकिस्तान में ईशनिंदा मामलों में आतंक फैलाने की लगेगी धारा

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान में कट्टरपंथी संगठन तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) की मांग के आगे झुकते हुए सरकार ने ईशनिंदा के मामलों में आतंकवाद फैलाने की धारा जोड़ने का भी फैसला किया है।

अपनी मांगों को लेकर जुलूस निकाल रहा था टीएलपी: बता दें कि टीएलपी अपनी मांगों को लेकर जुलूस निकाल रहा था। जुलूस के 25 दिन चलने के बाद टीएलपी की सरकार के साथ वार्ता हुई और समझौता हुआ। समझौते के बाद लाहौर से करीब 200 किलोमीटर दूर गुजरात जिले के सराय आलमगीर में जुलूस खत्म हो गया है और उसमें शामिल लोग अपने ठिकानों पर लौट गए हैं।

क्या बोले गृह मंत्री राणा सनाउल्ला: देश के गृह मंत्री राणा सनाउल्ला ने कहा है कि सरकार ने टीएलपी की सभी उचित मांगें मान ली हैं इनमें ईशनिंदा कानून को और प्रभावी बनाने की मांग भी शामिल है। सरकार और टीएलपी के बीच 12 बिंदुओं पर समझौता हुआ है।

आतंकवाद निरोधी अधिनियम की धारा भी लगाएगी सरकार

सरकार ईशनिंदा के मामलों में उसके लिए नियत धारा 295-सी के साथ आतंकवाद निरोधी अधिनियम की धारा भी लगाएगी। साथ ही ईशनिंदा के मामलों का स्पीडी ट्रायल (त्वरित गति से) से ट्रायल होगा और दोषी को सजा दी जाएगी। सरकार इंटरनेट मीडिया पर ईशनिंदा से संबंधित कंटेट को भी फैलने से रोकेगी।

सार्वजनिक पत्र जारी करेगी सरकार

इसके साथ ही सरकार टीएलपी की स्थिति के बारे में एक सार्वजनिक पत्र जारी करेगी। इस पत्र में टीएलपी के आतंकी संगठन न होने की सरकार घोषणा करेगी। उल्लेखनीय है कि टीएलपी के कई हिंसक आंदोलनों के बाद पूर्ववर्ती सरकार ने उसे आतंकी संगठन घोषित कर दिया था।

अमेरिका की यूनिवर्सिटीज में मॉक शादी का ट्रेंड

न बाराती असली, न दूल्हा-दुल्हन; बस नाचो-गाओ-जश्न मनाओ

वॉशिंगटन , एजेंसी। पारंपरिक भारतीय शादियां एक तरह से उत्सव होती हैं। हल्दी-मेहंदी की रस्में, बारात, दूल्हा-दुल्हन का तैयार होना, नाचना-गाना और खाना-पीना। अमेरिका की कोलंबिया, ऑरेगॉन, न्यूयॉर्क, टेक्सास, स्टैनफोर्ड, टोरंटो जैसी प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटीज के स्टूडेंट्स को यही भारतीय शादी लुभा रही है। वहां स्टूडेंट्स अब मॉक (नकली) शादी आयोजित कर रहे हैं।

शेरवानी पहने दूल्हा बना स्टूडेंट सजी-धजी घोड़ी पर बारात लेकर निकलता है। स्टूडेंट्स बाराती बनकर शामिल होते हैं। ढोल पर नाचते हैं। सब दुल्हन के यहां पहुंचते हैं। चमकती ड्रेस और ज्वेलरी पहनी दुल्हन बनी स्टूडेंट आती है। दूल्हा-दुल्हन स्टेज पर बैठते हैं। सारी रस्में निभाई जाती हैं। स्टूडेंट्स एंजॉय करते हैं। खाते-पीते हैं और लौट जाते हैं।

पूरे उत्तरी अमेरिका में दक्षिण एशियाई स्टूडेंट्स के बीच मॉक शादी का ट्रेंड बढ़ा है। दूल्हा-दुल्हन ऐसे स्टूडेंट्स होते हैं, जो कभी मिले भी नहीं होते। वे बस भूमिका निभा रहे होते हैं। कई बार अलग-अलग यूनिवर्सिटी के भी होते हैं।

दूल्हा-दुल्हन एक महीने चले सिलेक्शन से चुने: ऐसी ही एक शादी में दूल्हा बने ऑरेगॉन यूनिवर्सिटी के नासिर को जब पता चला कि पाकिस्तान स्टूडेंट एसोसिएशन कोलंबिया यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर मॉक शादी कर रहा है तो वे दूल्हे के रूप में नामांकन के लिए पहुंच गए। उन्होंने कहा-लोग एक बार शादी करते हैं। मुझे तो प्रैक्टिस का मौका मिल रहा था। शादी में गोरे दोस्त भी शामिल थे। उन्हें रस्में समझ नहीं आ रही थीं, लेकिन वे उसी जोश से लुत्फ ले रहे थे। स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी की मॉक शादी में तो चार-चार दूल्हा-दुल्हन शामिल होते हैं। न्यूयॉर्क इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की सुमैया मुहित बंगाली स्टूडेंट एसोसिएशन के जरिए मॉक शादी कराती हैं। वे कहती हैं- शादी के लिए दूल्हा-दुल्हन एक महीने चले सिलेक्शन से चुने। इसमें भारत, पाक, नेपाल और दक्षिण एशियाई क्षेत्रों के 500 स्टूडेंट्स शामिल हुए। एग्जीक्यूटिव ने सारी रस्मों के बारे में बताया। अब मॉक शादी से कैंपस से बाहर के एशियाई लोगों को भी जोड़ने की कोशिश की जा रही है।

यह सालाना जलसा, अमेरिकी कैंपस में दक्षिण एशियाई दबदबा: अमेरिका के कई कॉलेजों में अब मौक शादी सालाना जलसा बन गया है। वेस्टर्न कॉलेज कैंपस की एसो. प्रोफेसर डॉ. अपर्णा कपाड़िया कहती हैं, इसमें दक्षिण एशिया के विभिन्न क्षेत्रों के स्टूडेंट्स एक-दूजे की संस्कृति के बारे में जानते हैं। सकारात्मक या नकारात्मक दृष्टि से देखने की बजाय मैं इसे अमेरिका के कैंपस में दक्षिण एशियाई समुदाय के दबदबे के रूप में देखती हूं।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129